हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • रविवार • 05.07.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 338 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

गैंगस्टर प्रिंस खान के घर चला बुलडोजर

धनबाद : धनबाद के वासेपुर स्थित कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के घर पर शनिवार को पुलिस ने अदालत के आदेश के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया और कुर्की की प्रक्रिया पूरी की। हत्या, रंगदारी और धमकी समेत कई गंभीर मामलों में वांछित प्रिंस खान लंबे समय से फरार है। पुलिस के अनुसार, एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस टीम भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वासेपुर पहुंची। अदालत के आदेश के अनुपालन में प्रिंस खान के आवास पर बुलडोजर चलाकर कुर्की की कार्रवाई की गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि आरोपी के विरुद्ध आगे भी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

232 करोड़ की धोखाधड़ी मामलों में सीबीआई की छापेमारी

नई दिल्ली : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को दो बड़े बैंक धोखाधड़ी मामलों में महाराष्ट्र और गुजरात में छापेमारी की। इन मामलों में कुल 231 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी का आरोप है। सीबीआई ने बताया कि पहला मामला मुंबई स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शिकायत पर दर्ज किया गया है, जिसमें आरएल ज्वेल्स लिमिटेड और उसके निदेशकों पर आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, विश्वासघात, संपत्ति के दुरुपयोग और फर्जीवाड़े का आरोप है। इस मामले में बैंक को लगभग 103 .58 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आरोप है कि कंपनी ने धन का दुरुपयोग किया, अन्य बैंकों के खातों के माध्यम से फंड स्थांतरित किए और रिकॉर्ड में हेरफेर की।

चंपत राय के बचाव में उतरे अयोध्या के संत इस्तीफा स्वीकार नहीं करने की अपील

अयोध्या : श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र (ट्रस्ट) के महासचिव चंपत राय के इस्तीफे को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच अयोध्या संत मंडल उनके समर्थन में उतर आया है। संतों ने ट्रस्ट से चम्पत राय का इस्तीफा स्वीकार नहीं करने की अपील की है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने अपना इस्तीफा सौंप दिया है, लेकिन इस पर अभी फैसला नहीं हुआ है। ट्रस्ट की छह जुलाई को अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज की अध्यक्षता में एक बैठक आहूत की गई है, जिसमें उनके इस्तीफे पर विचार हो सकता है। बैठक से पहले संतों ने चंपत राय का समर्थन करते हुए उनका बचाव किया है। शनिवार को अयोध्या संत मंडल की एक बैठक हुई जिसके बाद संतों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

चंडीगढ़ में बिल्डिंग गिरी, मलबे में कई लोगों के दबे होने की आशंका

चंडीगढ़ : शहर के इंडस्ट्रियल एरिया फेज–2 में शनिवार शाम एक बिल्डिंग गिर गई। होटल द फर्न के नजदीक ये बड़ा हादसा हुआ। हादसे के बाद अफरा–तफरी का माहौल बना हुआ है। वहीं पुलिस–प्रशासन और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर मौजूद है और बिल्डिंग के मलबे को हटाने का काम तेजी से जारी है। अभी तक मिली जानकारी के मुताबिक बिल्डिंग के मलबे में 2 से 3 लोगों के दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। चंडीगढ़ में शनिवार शाम को अचानक से दो मंजिला बिल्डिंग गिर गई। जानकारी के मुताबिक अंदर काम कर रहे बिल्डिंग मालिक और मजदूर मलबे में दब गए।

झारखंड का डिजिटल रोडमैप राष्ट्रीय मंच पर पेश करेंगे मुख्यमंत्री सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन 8 और 9 जुलाई को नई दिल्ली में आयोजित नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन-2026 में झारखंड का डिजिटल रोडमैप प्रस्तुत करेंगे। इस दौरान राज्य की सूचना प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल गवर्नेंस और आईटी निवेश से जुड़ी भावी रणनीति देश-विदेश की प्रमुख टेक कंपनियों और नीति-निमार्ताओं के सामने रखी जाएगी। सरकार का उद्देश्य झारखंड को एआई आधारित सुशासन, डिजिटल नवाचार और आईटी निवेश के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित करना है।

दो दिवसीय कार्यक्रम में करीब 100 अग्रणी टेक और आईटी कंपनियों के प्रतिनिधि तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। इस दौरान पहली बार राष्ट्रीय स्तर पर रांची आईटी पार्क को निवेश परियोजना के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। लगभग 100.97 एकड़ में विकसित होने वाला यह आईटी पार्क राजधानी के कोर कैपिटल एरिया में आईआईएम रांची और बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के निकट स्थित है। सरकार झारखंड आईटी नीति-2023 के तहत 50 प्रतिशत पूंजीगत निवेश प्रतिपूर्ति, 100 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क छूट और 100 प्रतिशत विद्युत शुल्क छूट जैसी प्रोत्साहन योजनाओं की भी जानकारी निवेशकों को देगी।

- दो दिवसीय कार्यक्रम में करीब 100 अग्रणी टेक और आईटी कंपनियों के प्रतिनिधि तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे।
- सरकार झारखंड आईटी नीति-2023 के तहत 50 प्रतिशत पूंजीगत निवेश प्रतिपूर्ति, 100 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क छूट और 100 प्रतिशत विद्युत शुल्क छूट जैसी प्रोत्साहन योजनाओं की भी जानकारी निवेशकों को देगी।

बैठक में वर्ष 2026-31 के लिए प्रस्तावित ड्राफ्ट एआई पॉलिसी-2026 पर भी प्रमुख हितधारकों के साथ विचार-विमर्श होगा। प्रस्तावित नीति में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में स्टेट एआई मिशन के गठन, जेएपी-आईटी को नोडल एजेंसी बनाने तथा इंडियाएआई के साथ इंटरऑपरेबल झारखंड एआई क्लाउड विकसित करने का प्रस्ताव शामिल है। साथ ही विभिन्न सरकारी विभागों में एआई आधारित सेवाओं के विस्तार की रूपरेखा भी प्रस्तुत की जाएगी।

राज्य सरकार की एआई रणनीति सुशासन, कृषि एवं ग्रामीण आजीविका, स्वास्थ्य और खनिज संसाधन प्रशासन जैसे चार प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है। मुख्यमंत्री कार्यक्रम में प्रस्तावित मुख्यमंत्री डेटा इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म (सीएम-डीआईपी) की अवधारणा भी साझा करेंगे। यह एआई आधारित प्लेटफॉर्म विभिन्न विभागों के आंकड़ों को एकीकृत कर योजनाओं की निगरानी, निर्णय प्रक्रिया को बेहतर बनाने और व्हाट्सएप तथा पंचायत भवनों में स्थापित डिजिटल कियोस्क के माध्यम से स्थानीय भाषाओं में नागरिक सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद करेगा। इसके अलावा प्रस्तावित इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर की रूपरेखा भी उद्योग जगत के सामने रखी जाएगी।

16वें वित्त आयोग से झारखंड की पंचायतों को 14,231 करोड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की 4,345 ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों को 16वें वित्त आयोग की अनुशंसा के तहत वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक कुल 14,231 करोड़ रुपये का अनुदान मिलेगा। इस राशि से ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास, पेयजल, स्वच्छता और जनसेवाओं को नई गति मिलने की उम्मीद है।

अनुदान राशि में 11,385 करोड़ रुपये बेसिक ग्रांट और 2,846 करोड़ रुपये परफॉर्मेंस ग्रांट शामिल है। नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने आयोग से अनुदान राशि समय पर जारी करने और 20 प्रतिशत परफॉर्मेंस ग्रांट के वितरण में उदारता बरतने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अनुदान में देरी से पंचायतों की विकास योजनाएं प्रभावित होती हैं।

मंत्री ने कहा कि 16वें वित्त आयोग की अनुशंसाएं ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों को अधिक सशक्त बनाएंगी तथा स्थानीय विकास और सेवा वितरण में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

- ग्रामीण विकास को मिलेगी नई रफ्तार

उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व वित्त आयोगों की अप्रयुक्त राशि के उपयोग को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं होने से नई अनुदान राशि प्राप्त करने में कठिनाइयां आ सकती हैं।

उन्होंने पंचायत स्तर पर कार्यरत कर्मियों के लिए मिलने वाली वित्तीय सहायता को भी जारी रखने की मांग की। उनके अनुसार, पंचायत योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में इन कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

कुल अनुदान राशि का 60 प्रतिशत टाइड ग्रांट के रूप में पेयजल, स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण और जल पुनर्चक्रण जैसी योजनाओं पर खर्च किया जाएगा। शेष 40 प्रतिशत अनटाइड ग्रांट से सड़क, नाली, पुलिया, पंचायत भवन और अन्य सामुदायिक परिसंपत्तियों का विकास किया जाएगा।

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक

एजेंसी

नई दिल्ली : संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से आरंभ होगा जो 13 अगस्त तक चलेगा। संसदीय कार्यमंत्री किरण रीजिजू ने शनिवार को एक्स पर इसकी जानकारी दी।

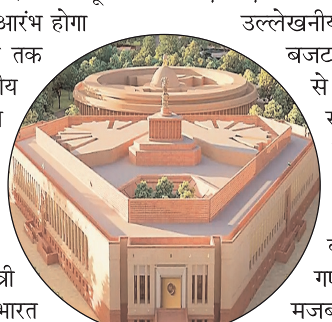

संसदीय कार्यमंत्री ने बताया कि भारत सरकार की अनुशंसा पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संसद के दोनों सदनों को मानसून सत्र 2026 के लिए बुलाने की स्वीकृति दे दी है। यह सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा, जिसमें राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और निर्णय लिए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि पिछले बजट सत्र के बाद से संसद के दोनों सदनों में संख्या बल से जुड़े समीकरण काफी बदल गए हैं। सत्ता पक्ष मजबूत हुआ है और विपक्ष की संख्या घटी है। इसके अलावा राज्यों में हुए चुनावों का भी असर दिखाई दे सकता है। ऐसे में सरकार महत्वपूर्ण विशेषकर संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने का प्रयास करेगी।

निजी अस्पताल में युवक की मौत पर बवाल, मुख्यमंत्री ने दिए जांच के आदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान 18 वर्षीय युवक की मौत के बाद परिजनों ने चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया। मामले ने तूल पकड़ने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने जांच के आदेश दिए हैं।

> "मामले का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री को पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और गहन जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।"

22 लाख के बिल पर विवाद

लातेहार निवासी 18 वर्षीय राजू कुमार रंजन 24 मई को सड़क दुर्घटना में पैर में फ्रैक्चर होने के बाद रांची के राज अस्पताल में भर्ती हुए थे। परिजनों का आरोप है कि इलाज के दौरान घाव की नियमित ड्रेसिंग नहीं की गई, जिससे संक्रमण बढ़ता गया और उनकी हालत गंभीर हो गई। बाद में उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

परिजनों का आरोप है कि समय पर उचित इलाज मिलता तो युवक की जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि केवल पैर में फ्रैक्चर होने के बावजूद संक्रमण इतना गंभीर कैसे हो गया कि मरीज की मौत हो गई।

मृत्यु के बाद अस्पताल प्रबंधन द्वारा 22 लाख रुपये का बिल जमा करने की बात कहे जाने पर परिजनों का आक्रोश और बढ़ गया। उन्होंने अस्पताल परिसर में प्रदर्शन किया और चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाया। परिजनों के अनुरोध पर शव का पोस्टमार्टम रिम्स में कराया गया।

टीएमसी की चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पार्टी के सभी पदों से दिया इस्तीफा

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को बड़ा झटका लगा है। पार्टी की राज्य अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने अपने सभी संगठनात्मक पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने त्यागपत्र में स्पष्ट किया कि 3 जून 2026 को उन्हें राज्य अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, लेकिन अब वह इस पद सहित पार्टी के सभी दायित्वों से स्वयं को अलग कर रही हैं। चंद्रिमा भट्टाचार्य ने अपने इस्तीफे में लिखा कि उनके हस्ताक्षर से अब तक जारी सभी संगठनात्मक आदेश निरस्त माने जाएं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब वह निर्वाचन आयोग के समक्ष तृणमूल कांग्रेस की अधिकृत प्रतिनिधि नहीं रहेंगी।

पीएम ने देश की पहली ग्रीनफील्ड 'रिफाइनरी-कम-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स' राष्ट्र को किया समर्पित, कहा

इच्छाशक्ति, कूटनीति और रिफाइनिंग क्षमता से भारत ऊर्जा संकट से उबरा

एजेंसी

जयपुर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के बाड़मेर जिले के पचपदरा में देश की पहली ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-कम-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स राष्ट्र को समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने जयपुर मेट्रो फेज-2 सहित करीब 1.05 लाख करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। साथ ही एलपीजी टैंकरों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और राजकीय सेवा में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे।

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण पूरी दुनिया ऊर्जा संकट का सामना कर रही है, लेकिन भारत ने समय रहते रणनीतिक फैसले लेकर इस चुनौती का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया। इच्छाशक्ति, कूटनीति और रिफाइनिंग क्षमता से भारत ऊर्जा संकट से उबरने में सफल रहा। उन्होंने कहा कि बाड़मेर की यह रिफाइनरी देश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे हजारों लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

पेट्रोल के बाद अब डीजल में 15% आइसोब्यूटेनॉल मिश्रण की तैयारी

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्र सरकार पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण के बाद अब डीजल में भी 15 प्रतिशत तक आइसोब्यूटेनॉल (आइसोब्यूटेनॉल) मिलाने की दिशा में तैयारी कर रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि यह पहल आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देने की रणनीति का हिस्सा है।

नितिन गडकरी ने बताया कि एथेनॉल को सीधे डीजल में नहीं मिलाया जा सकता। इसलिए सरकार एथेनॉल से आइसोब्यूटेनॉल तैयार करने की तकनीक पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आइसोब्यूटेनॉल डीजल का प्रभावी विकल्प बन सकता है और इससे देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने बताया कि पायलट परियोजनाओं में इस तकनीक के उत्साहजनक परिणाम मिले हैं। सरकार ने 100 प्रतिशत एथेनॉल और आइसोब्यूटेनॉल पर दो जनरेटर सेट सफलतापूर्वक संचालित किए हैं, जिससे ऐसे इंजन विकसित करने की संभावनाएं मजबूत हुई हैं जो इन ईंधनों पर बेहतर ढंग से काम कर सकें।

सचिन तेंदुलकर का टूटा रिकॉर्ड

वैभव सूर्यवंशी बने भारत के सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट को नया सितारा मिल गया है। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी–20 मुकाबले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करते ही इतिहास रच दिया। वह भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का 37 साल पुराना रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया।

वैभव सूर्यवंशी ने 15 वर्ष 99 दिन की उम्र में भारतीय टीम के लिए डेब्यू किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था, जिन्होंने 18 दिसंबर 1989 को पाकिस्तान के खिलाफ 16 वर्ष 205 दिन की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था।

वैभव ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 16 मैचों की 16 पारियों में 776 रन बनाए थे। वह ऑरेंज कैप विजेता और प्लेयर ऑफ द सीरीज भी रहे। उनके लगातार बेहतरीन प्रदर्शन के बाद चयनकताओं ने उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया। आयरलैंड सीरीज और इंग्लैंड के पहले टी–20 में मौका नहीं मिलने के बाद दूसरे मुकाबले में उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस के दौरान कहा कि वैभव अपनी प्रतिभा और प्रदर्शन के दम पर टीम में जगह पाने के हकदार थे। मुकाबले से पहले तिलक वर्मा ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय कैप सौंपी।

वैभव सूर्यवंशी केवल भारत ही नहीं, बल्कि फुल मेंबर देशों की सूची में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले दुनिया के दूसरे सबसे युवा क्रिकेटर भी बन गए हैं। इस सूची में पाकिस्तान के हसन रजा 14 वर्ष 227 दिन की उम्र में शीर्ष पर हैं, जबकि वैभव 15 वर्ष 99 दिन की उम्र के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हर्षित राणा, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं।

ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम दर्शन शुरू

9 जुलाई को मशहद में होंगे सुपुर्द-ए-खाक

एजेंसी

तेहरान : ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम दर्शन और जनाजे की प्रक्रिया शनिवार से राजधानी तेहरान में शुरू हो गई। ग्रैंड मुसल्ला परिसर में लाखों लोग अपने नेता को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए उमड़ पड़े। ईरानी अधिकारियों ने अगले तीन दिनों में केवल तेहरान में ही 1.5 से 2 करोड़ लोगों के पहुंचने की संभावना जताई है, जिसके मद्देनजर अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

खामेनेई के पार्थिव शरीर को ईरान के राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर ग्रैंड मुसल्ला परिसर लाया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने भावभीनी विदाई दी। उनके साथ हवाई हमले में जान गंवाने वाले परिवार के अन्य सदस्यों के पार्थिव शरीर भी रखे गए। परिसर में शोक में डूबे लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित की और बड़ी संख्या में लाल झंडों के साथ अंतिम दर्शन किए।

रिपोर्टों के अनुसार, 28 फरवरी को हुए अमेरिकी और इजरायली हवाई हमलों में अयातुल्ला अली खामेनेई की मृत्यु हुई थी, जिसके बाद पूरे ईरान में शोक का माहौल है।

भारत की ओर से बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा तेहरान पहुंचकर अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार, खामेनेई का पार्थिव शरीर सोमवार तक तेहरान में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद मंगलवार को उसे शिया धर्म के प्रमुख केंद्र कौम ले जाया जाएगा। बुधवार को अंतिम यात्रा इराक के पवित्र शिया शहरों से होकर गुजरेगी और 9 जुलाई को उत्तर-पूर्वी ईरान के पवित्र शहर एवं उनके गृह नगर मशहद में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

सीओ ने किया रोशन कंप्यूटर इंस्टीट्यूट का औचक निरीक्षण, पाई गई कई अनियमितताएं

संस्थान को भेजा नोटिस, 24 घंटे में मांगा स्पष्टीकरण, बंद हो सकता है संस्थान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हजारीबाग रोड बरही नियर पानी टंकी के पास संचालित रोशन कंप्यूटर इंस्टीट्यूट का बरही सीओ चंद्रशेखर कुणाल ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संस्थान संचालक राकेश रोशन से संस्थान संचालन को लेकर वैध कागजात की मांग की गई। लेकिन उन्होंने किसी भी तरह की वैध कागजात नहीं दिखाया। सीओ चंद्रशेखर कुणाल ने बताया कि निरीक्षण के दौरान कई अनियमिताएं पाई गई। जिसको लेकर संस्थान संचालक को नोटिस किया गया है। नोटिस के माध्यम से सीओ ने बताया कि संस्थान में प्रतिदिन

200-300 विद्यार्थियों का आवागमन पाया गया। निरीक्षण के दौरान कई अनियमितताएं पाई गईं, जिनमें संस्थान पंजीकरण/मान्यता संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जाना, सुरक्षित एवं पर्याप्त आकार के कक्ष, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, अग्नि सुरक्षा जैसे अग्निशामक यंत्र एवं अन्य की कमी पाई गई। छात्र-छात्राओं का नामांकन एवं उपस्थिति संबंधी पंजी अद्यतन नहीं पाया जाना, शुल्क पंजी एवं रसीदों का समुचित संधारण नहीं होना, प्रवेश एवं निकास मार्ग पुराना-जर्जर एवं संकीर्ण पाया जाना जो छात्रों के लिए असुरक्षित है। संस्थान में उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई जाना शामिल है। अंचल अधिकारी ने कहा कि उपरोक्त के आलोक में कोचिंग संस्थान को संचालन संबंधी आवश्यक दस्तावेज एवं अनियमितता संबंधी स्पष्टीकरण नोटिस प्राप्ति के 24 घंटे के अंदर स्वयं उपस्थित होकर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है। निर्धारित अवधि के अंदर संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर अग्रतर विधि सम्मत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ी तो संस्थान को बंद भी किया जा सकता है। गौरतलब हो कि लखनऊ सहित कई कोचिंग संस्थान ने आग लगने की सूचना के बाद स्थानीय प्रशासन हरकत में है। इसी निमित कोचिंग संस्थान की जांच की जा रही है। कई कंप्यूटर सेंटर, कोचिंग संस्थान नियम को ताक में रखकर संचालित हो रहे है।

एक नजर

यू-डाइस कोड के बिना संचालित हो रहे निजी स्कूलों पर उठे सवाल

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र में संचालित कुछ निजी विद्यालयों की वैधता को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार, सरगम इंटरनेशनल स्कूल पिछले लगभग छह वर्षों से संचालित हो रहा है, लेकिन अब तक विद्यालय को यू-डाइस कोड प्राप्त नहीं हुआ है। वहीं आईलेक्स पब्लिक स्कूल पर आरोप है कि वह बड़कागांव में बरही (हजारीबाग) स्थित विद्यालय के पंजीकरण एवं यू-डाइस कोड के आधार पर संचालन कर रहा है। इसके साथ ही स्कूल में बच्चों के परिवहन के लिए उपयोग किए जा रहे अधिकांश वाहन जर्जर और सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं हैं। बताया जाता है कि 4 जुलाई शनिवार को सरगम इंटरनेशनल स्कूल का एक वाहन अचानक अनियंत्रित होकर महुगाईं में पलट गया। उस समय वाहन में कई छात्र-छात्राएं सवार थे। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई और सभी बच्चे बाल-बाल बच गए। घटना के बाद अभिभावकों में भारी आक्रोश और भय का माहौल है। इस संबंध में पूछे जाने पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी विजय राम ने बताया कि सरगम इंटरनेशनल स्कूल के पास वर्तमान में कोई यू-डाइस कोड उपलब्ध नहीं है। विभाग की ओर से विद्यालय प्रबंधन को पूर्व में सूचना दी गई थी, लेकिन अब तक राइट टू एजुकेशन (आरटीई) के निर्धारित मानकों की पूर्ति नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि आईलेक्स पब्लिक स्कूल को भी इस संबंध में लिखित सूचना जारी की गई है, किंतु विद्यालय की ओर से अब तक कोई संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं हुआ है।

अमझर में जंगली हाथियों की दस्तक, चारदीवारी तोड़ गांव में मचाई दहशत

चौपारण : प्रखंड के बसरिया पंचायत अंतर्गत अमझर गांव में शुक्रवार रात जंगली हाथियों के एक जोड़े की दस्तक से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। हाथियों ने गांव में घुसकर अमझर निवासी द्वारिका रजक की चारदीवारी तोड़ दी और खेत में प्रवेश करने के बाद दूसरी ओर की दीवार तोड़ते हुए आगे बढ़ गए। घटना के बाद पूरे इलाके में भय का माहौल है। गर्मी के मौसम में अधिकांश ग्रामीण घरों के बाहर तथा मवेशियों के साथ खुले स्थानों पर रात बिताते हैं, जिससे हाथियों की मौजूदगी ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शुक्रवार रात करीब साढ़े नौ बजे हाथियों का जोड़ा कठम्बा पेट्रोल पंप के समीप चौपारण-कोडरमा मुख्य मार्ग पार कर पडरिया होते हुए अमझर गांव पहुंचा।

असंगठित कोलियरी मजदूर क्षेत्रीय समिति का गठन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन का एकदिवसीय सेमिनार का आयोजन झारखंड मुक्ति मोर्चा विधानसभा प्रधान कार्यालय उरीमारी चेक पोस्ट के पास आयोजन की गई। जिसकी अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष संजय वर्मा ने किया। बतौर मुख्य अतिथि झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के जोनल अध्यक्ष फागुन बेसरा, विशिष्ट अतिथि जोनल सचिव नारायण मेहता, क्षेत्रीय सचिव संजीव कुमार बेदिया उपस्थित हुए। वहीं केंद्रीय 8 वी अधिवेशन के आलोक में बड़का सयाल सीसीएल क्षेत्र असंगठित मजदूर का गठन जेसिएमयू जोनल अध्यक्ष फागु बेसरा एवं बड़का सायल क्षेत्रीय सचिव संजीव बेदिया के अनुशंसा पर असंगठित सीसीएल बरका सयाल समिति का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष सूरज बेसरा, सचिव संजय करमाली व

कोषाध्यक्ष विनोद हेंब्रम को बनाया गया वही उपाध्यक्ष पीयूष कुमार बेदिया, संगठन सचिव रविंद्र सोरेन ,सचिव सनी सोरेन, रविंद्र बैठा संयुक्त सचिव, शंकर साव को बनाया गया अन्य 19 कार्यकारिणी सदस्य भी बनाया गया । सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारी को झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय महासचिव एवं झामुमो जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बेदिया ने संयुक्त रूप से सभी को माला पहनाकर सम्मानित किया। मौके पर उपस्थित झामुमो केंद्रीय सदस्य सोनाराम मांझी, हरिलाल बेदिया, अरुण सोरेन ,पंकज हेंब्रम ,पंकज करमाली,विनोद बेदिया, किशोर करमाली, के अलावा कई लोग उपस्थित थे।

ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था सुधार की मांग, सांसद प्रतिनिधि ने सिविल सर्जन से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर उनके सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने शनिवार को जिले के सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार से मुलाकात कर ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। इस दौरान रंजन चौधरी ने विशेष रूप से हजारीबाग-धनबाद रोड राष्ट्रीय राजमार्ग-522 पर दारू प्रखंड स्थित अतिरिक्त उपस्वास्थ्य केंद्र पेटो को जनहित में चौबीसों घंटे और सातों दिन संचालित करने की मांग की। उन्होंने बताया कि यह स्वास्थ्य केंद्र सीधे नेशनल हाईवे के किनारे स्थित है, जहां अक्सर सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं। ऐसी आपातकालीन स्थिति में यदि इस केंद्र पर एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड जैसी बुनियादी व जरूरी जांच सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाएं और 24 घंटे इसे जनहित में संचालित

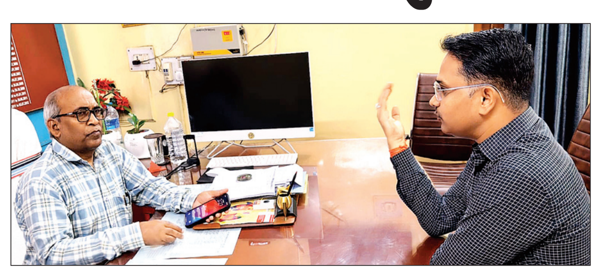

किया जाए तो घायलों को समय पर प्राथमिक उपचार मिल सकेगा और कई लोगों की जान बचाई जा सकेगी। इसके साथ ही उन्होंने बरही अनुमंडल अस्पताल में चिकित्सा उपकरणों की कमी पर नाराजगी जताई और कहा कि अस्पताल में टूटा हुआ स्ट्रेचर रखना बेहद संवेदनहीनता है, जिसे तुरंत बदला जाना चाहिए। जिले के सिविल सर्जन से वार्ता के क्रम में रंजन चौधरी ने मानसून के दस्तक देने के साथ ही जिले में तेजी से बढ़ रहे मलेरिया और टाइफाइड के मरीजों की संख्या पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने सिविल सर्जन से आग्रह किया कि संभावित डेंगू और चिकनगुनिया के खतरे से आम जनता को सुरक्षित रखने के लिए स्वास्थ्य विभाग को तत्काल प्रभाव से मिशन मोड में काम शुरू कर देना चाहिए। इसके तहत जिले के सभी प्रभावित और संवेदनशील इलाकों में युद्ध स्तर पर डीडीटी का छिड़काव, फॉगिंग, ग्रामीण स्तर पर जागरूकता पहल और मच्छरदानी वितरण जैसे आवश्यक अभियान चलाए जाने चाहिए ताकि महामारी की स्थिति को समय रहते रोका जा सके।

विवेकानंद विद्यालय में पेरेंट्स शिक्षक गोष्ठी का आयोजन, स्वामी विवेकानंद की मनाई गई पुण्यतिथि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : खोडाहर पंचायत के चार माइल में संचालित विवेकानंद विद्यालय में अभिभावक शिक्षक गोष्ठी का आयोजन किया गया। बतौर अतिथि कोडरमा सिविल सर्जन डॉ अनिल कुमार, राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन झारखंड प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति, खोड़ाहार पंचायत के उप मुखिया रोहित यादव मुख्य रूप शामिल रहे। इस गोष्ठी में शिक्षकों ने अभिभावकों को उनके बच्चे के प्रति होने वाले दायित्व का बोध कराया। वही अभिभावकों ने भी विद्यालय के शैक्षणिक विकास में विद्यालय प्रबंधन की भूमिका पर प्रकाश डाला। साथ ही विद्यालय

व्यवस्था को और दुरुस्त करने के लिए प्रबंधन को सुझाव दिया। शिक्षकों ने कहा कि आप अपने बच्चों पर निगरानी रखे कि वह विद्यालय द्वारा दिया गया होमवर्क पूरा कर रहे है या नहीं। यदि बच्चे की कोई शिकायत हो तो उसकी सूचना तुरंत विद्यालय के शिक्षकों दें ताकि समय रहते सुधार हो सके। डॉ अनिल कुमार ने स्वास्थ्य पर चर्चा करते हुए कहा कि बच्चों को जंक फूड से दूर रखना चाहिए। विद्यालय प्रबंधन भी इस पर ध्यान दें। राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन झारखंड प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा प्रजापति ने कहा शिक्षक एवं पेरेंट्स के बीच मधुर संबंध होनी चाहिए। इसका सकारात्मक प्रभाव विद्यालय के शैक्षणिक विकास पर पड़ता है। विद्यालय के निदेशक रामचंद्र यादव एवं प्राचार्य बीरेंद्र कुमार ने अभिभावकों को कई सवालों को उतर दिया। विद्यालय के खूबियों से परिचित कराया। विद्यालय में ही स्वामी विवेकानंद जी की पुण्यतिथि मनाई गई। सभी लोगों ने स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। मौके पर शिक्षक अविनाश पांडेय, ऋषभ कुमार, मीरा सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

मदरसा के बच्चों को भी मिले सरकारी योजनाओं का लाभ : तबरेज अंसारी

बरही : बरही के रसोइयाधमना स्थित मदरसा अजीजिया जिया उल उलूम में पंचायत समिति सदस्य मो तैयब अंसारी ने बच्चों के बीच कॉपी का वितरण किया। मदरसा के सचिव मो मुमताज अंसारी ने शिकायत करते हुए कहा कि सभी स्कूलों के बच्चों को मध्यान भोजन के लिए थाली दी गई है लेकिन मदरसा अजीजिया जिया उल उलूम रसोइयाधमना के बच्चों को वंचित रखा गया है। मदरसा के अध्यक्ष मो तबरेज अंसारी ने कहा कि सरकारी स्कूल और मदरसा दोनों को झारखंड सरकार ही संचालित करती है। दोनों शिक्षण संस्थान बच्चों को शिक्षा देने का काम करती है, लेकिन स्कूल के छात्र छात्राओं को साईकिल दिया जाता है जबकि मदरसा के बच्चों को नही दिया जाता।

हजारीबाग यूथ विंग की प्रेरणा से दो महिलाओं ने किया रक्तदान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग यूथ विंग की प्रेरणा और प्रोत्साहन से शनिवार को शहर की दो जागरूक नारी शक्तियों प्रतीक्षा करण एवं प्रिया करण ने शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान कर मानवता की सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। दोनों के इस प्रेरणादायी कदम ने यह संदेश दिया कि रक्तदान केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का सबसे बड़ा मानवीय कार्य है। आज के समय में, जब अधिकांश युवा आभासी दुनिया और तकनीक की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं, ऐसे दौर में इन दोनों नारी शक्तियों ने सेवा और संवेदनशीलता की ऐसी मिसाल पेश की, जो समाज के लिए प्रेरणा का विषय है। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि नारी शक्ति केवल सृजन की प्रतीक नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण, साहस और सामाजिक उत्तरदायित्व की भी सशक्त पहचान है। रक्तदान के दौरान संस्था के उपाध्यक्ष

विकास तिवारी, सचिव रितेश खण्डेलवाल तथा संस्था के मार्गदर्शक जयप्रकाश खंडेलवाल उपस्थित रहे। संस्था के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दोनों नारी शक्तियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके इस मानवीय कार्य की सराहना की। संस्था के संरक्षक चंद्र प्रकाश जैन ने कहा कि हमारी संस्था का उद्देश्य युवाओं में सेवा और सामाजिक दायित्व की भावना को जागृत करना है। प्रतीक्षा करण और प्रिया करण ने रक्तदान कर यह साबित किया है कि नारी शक्ति हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही है। उनका यह कार्य समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। संस्था के अध्यक्ष करण जायसवाल ने कहा कि यह केवल रक्तदान नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने का एक सशक्त संदेश है।

स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर पुस्तकालय सह वाचनालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय सह वाचनालय के सभागार में शनिवार, को स्वामी विवेकानंद जी की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुस्तकालय के कार्यकारी अध्यक्ष हीरामन साव ने की। संचालन ट्रस्ट सचिव कृष्णा प्रजापति ने किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों, राष्ट्र निर्माण में योगदान एवं युवाओं के प्रति उनके प्रेरणादायी विचारों को स्मरण किया। कार्यक्रम का संचालन पुस्तकालय ट्रस्ट के सचिव कृष्णा प्रजापति ने किया। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि स्वामी

विवेकानंद जी के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं और उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज एवं राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय संचालन समिति के पाठ्यक्रम प्रभारी सत्येंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि स्वामी जी ने विश्व के मानस पटल पर भारत को सम्मान दिलाया। उनके आदर्श आज भी युवाओं के लिए प्रेरणाश्रोत है। स्वामी विवेकानंद पुस्तकालय संचालन समिति के अध्यक्ष डॉ सुनील कुमार दत्त, सचिव संजय कुमार दुबे, प्रो हीरामन साव, नितेश कुमार ने भी अपनी विचार साझा की। मौके पर कृष्णा प्रजापति, संजय कुमार दुबे, एस.के. शर्मा, एस.के. दत्ता, दिलीप कुमार गुप्ता, नितेश कुमार, आलोक कुमार, राज आर्यन, मुकेश राम, आकाश कुमार, रंजीत सिंह, विकास कुमार एवं प्रिंस कुमार प्रमुख रूप से शामिल थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित एवं समाज सेवा के संकल्प के साथ किया गया।

संक्षिप्त खबरें

मुखिया ने सोना सोबरन धोती साड़ी वितरण का किया शुभारंभ

बड़कागांव : बड़कागांव मध्य पंचायत स्थित रामेश्वर राम की जन वितरण प्रणाली दुकान में गरीब लोगों के बीच झारखंड सरकार के द्वारा संचालित योजना सोना सोबरन धोती साड़ी का, मुख्य अतिथि मुखिया तकरीमूलल्हा खान के हाथों वितरण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मौके पर मुखिया ने कहा वर्तमान समय में फिर से वोटर लिस्ट का पुनरीक्षण किया जा रहा है आप सभी बीएलओ से मिलकर अपना वोटर लिस्ट में नाम को सुनिश्चित करा ले। वहीं बड़कागांव डीलर संघ के महासचिव रामेश्वर राम ने कहा 4 तारीख से कार्ड धारी धोती साड़ी का वितरण शुभारंभ हुआ है। प्रतिदिन राशन वितरण हो रहा है। मौके पर वार्ड सदस्य गणेश राम ,देवनारायण राम, सोमर भुइयाँ,मो मुनिया इत्यादि महिला पुरुष उपस्थित थे।

बरही में पीडीएस विक्रेताओं का प्रशिक्षण शिविर आज

बरही : बरही प्रखंड में संचालित सभी जन वितरण प्रणाली दुकानदारों को रविवार दोपहर 12 बजे प्रखंड सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस प्रशिक्षण शिविर में पीडीएस दुकान से संबंधित राशनकार्ड लाभुकों के जाति की अद्यतन जानकारी के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस संबंध में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी मनोहर भगत ने पत्र के माध्यम से प्रखंड के सभी जन विक्रेताओं एवं महिला समूह के विक्रेताओं को शामिल होने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में संचालित पीडीएस दुकान से संबंधित राशनकार्ड लाभुकों की जातिवार ताजा जानकारी प्राप्त की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण एनआईसी द्वारा आयोजित किया जा रहा है जिसमें सभी विक्रेताओं की शत प्रतिशत उपस्थिति का निर्देश दिया गया है।

सेंट्रल मिशन पब्लिक स्कूल में हिंदी कैलीग्राफी प्रतियोगिता, सोनाली और सुहाना प्रथम

बरही : सेंट्रल मिशन पब्लिक स्कूल में सीसीए के तहत हिंदी कैलीग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सीनियर ग्रुप से सोनाली कुमारी कक्षा 10 एवं सुहाना कुमारी कक्षा 10 ने प्रथम, दिव्या कुमारी कक्षा 10 ने द्वितीय और नैंसी कुमारी कक्षा 9 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर ग्रुप में लक्की कुमार कक्षा 4 ने प्रथम, आंचल कुमारी कक्षा 6 ने द्वितीय और साक्ष्य राज गुप्ता कक्षा 2 ने तृतीय स्थान हासिल कर अपनी रचनात्मकता का बेहतरीन प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में निदेशक टुकलाल साहू, प्राचार्य नितेश कुमार, सीसीए विभाग की शिक्षिका स्वाति कुमारी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। विद्यालय के सलाहकार राजेंद्र प्रसाद और सहायक शिक्षक शिक्षिकाओं अजय कुमार, शिबू रजक, अरुण कुमार, नरेश कुमार, सरिता कुमारी, नीतू कुमारी, पुष्पा कुमारी, सुमन कुमारी, सरिता कुमारी, राकेश कुमार आदि ने भी आयोजन में सहयोग किया।

स्मार्ट चैंप प्ले स्कूल बरही में फ्रूट डे मनाया गया, बच्चों को सिखाए फल खाने के फायदे

बरही : पटना रोड स्थित स्मार्ट चैंप प्ले स्कूल में फ्रूट डे सेलिब्रेशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम हेल्दी फ्रूट खाने के फायदों के बारे में बच्चों को सिखाना रखी गई थी। स्कूल परिसर को रंगीन गुब्बारों और विभिन्न फलों के कटआउट से सजाया गया था। बच्चे आम, केला, सेब, अंगूर, पपीता, तरबूज जैसे फलों के आकार के कपड़े पहनकर आए और कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्राचार्या स्नेहा प्रिया सहित शिक्षिकाओं ने बच्चों को फलों के नाम, रंग, स्वाद और उनके पोषण संबंधी फायदे बताए। बच्चों को बताया गया कि फल खाने से शरीर मजबूत होता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और पढ़ाई में मन लगता है। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने फल पहचान प्रतियोगिता, रंग भराई और गीत-संगीत के माध्यम से सीखा कि जंक फूड की जगह रोजाना फल खाना सेहत के लिए कितना जरूरी है। अंत में सभी बच्चों को मौसमी फल भी वितरित किए गए। स्कूल प्रबंधन ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों में स्वस्थ खाने की आदत विकसित होती है। मौके पर प्राचार्य स्नेहा प्रिया सहित कई शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

एन. के. सुकर फॉर्म में 3 दिवसीय प्रशिक्षणा संपन्न

बड़कागांव : चंदौल रोड स्थित भगवान भागी में ठङ सुकर फॉर्म में तीन दिवसीय सुकर पालन का प्रशिक्षणा दिया गया। मुख्य प्रशिक्षक फॉर्म के संचालक नकुल कुमार थे। एक एकड़ में फैला एन. के. सुकर फॉर्म एक बेहतरीन और व्यस्थित फॉर्म है जहां अभी लगभग 400 सुकर मौजूद है। ये फॉर्म पिछले 15 वर्षों संचालित है। इसी फॉर्म में 20 लोगों को सुकर पालन उनके रख रखाव एवं बिक्री संबंधी पूरी ट्रेनिंग दी गई। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कैंडिडेट्स झारखंड राज्य के अलावा पड़ोसी राज्य जैसे झारखंड बिहार उड़ीसा पश्चिम बंगाल से भी प्रशिक्षण प्राप्त करने आए थे। प्रशिक्षण के लिए नॉमिनल रजिस्ट्रेशन शुल्क देना होता है जिसमें रहने खाने की पूरी व्यवस्था होती है, प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी कैंडीडेट्स को प्रशिक्षण के उपरांत एन.के. सुकर फॉर्म की ओर से सर्टिफिकेट दिया गया। फार्म के संचालक सह समाजसेवी नकुल महतो ने कहा कि जो कोई भी सुकर पालन का प्रशिक्षण लेना चाहते हैं वे हमारे फॉर्म से संपर्क कर सकते हैं ' यहां बेहतर तरीके से प्रशिक्षण दिया जाता है जो बेरोजगार युवक/युवतियों के लिए एक अच्छे रोजगार का साधन बनेगा। उन्होंने कहा आज नेशनल और इंटरनेशनल मार्केट में सुकर के मांस का डिमांड तेजी से बढ़ रहा है प्रशिक्षण के उपरांत जो भी रोजगार के लिए इस क्षेत्र में आएंगे निश्चित तौर पर उन्हें लाभ होगा।

40 साल पुराना मोरहाबादी साप्ताहिक बाजार बंद, निगम के फैसले पर भड़के सब्जी विक्रेता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में पिछले लगभग 40 वर्षों से लगने वाले साप्ताहिक सब्जी बाजार को शनिवार को रांची नगर निगम ने बंद करा दिया। निगम का कहना है कि बाजार में लगातार बढ़ रही भीड़ और ट्रैफिक जाम की समस्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। वहीं, निगम की इस कार्रवाई से सब्जी और फल विक्रेताओं में भारी नाराजगी है। कई विक्रेता मैदान में ही डटे रहे और आंदोलन की चेतावनी दी।स्थानीय लोगों के अनुसार, मोरहाबादी मैदान में प्रत्येक शनिवार को शहर का सबसे बड़ा साप्ताहिक सब्जी बाजार लगता है, जहां रांची और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान और विक्रेता अपनी उपज बेचने आते हैं। शनिवार को नगर निगम के निर्देश के बाद बाजार लगाने की अनुमति नहीं दी

गई और विक्रेताओं को वापस लौटा दिया गया। दूरदराज के अधिकांश विक्रेता सुबह ही लौट गए, लेकिन 100 से अधिक विक्रेता मैदान में डटे रहे और फैसले के विरोध में आंदोलन की तैयारी करने लगे। नगर निगम के कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों से स्पष्ट निर्देश मिला था कि अब मोरहाबादी मैदान में साप्ताहिक बाजार नहीं लगेगा। इसी आदेश के अनुपालन में नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने मैदान में किसी भी विक्रेता को दुकान लगाने की अनुमति नहीं दी। स्थिति पर नजर रखने के लिए निगम की कई टीमें दिनभर मौके पर तैनात रहीं। उल्लेखनीय है कि मोरहाबादी मैदान में पिछले चार दशकों से सप्ताह में दो दिन बुधवार और शनिवार को ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ों किसान और सब्जी विक्रेता अपनी ताजा उपज लेकर आते रहे हैं। बाजार समाप्त होने के बाद वे देर शाम या रात में अपने गांव लौट जाते हैं। इस व्यवस्था के बंद होने से उन विक्रेताओं की आजीविका पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। रातू निवासी सब्जी विक्रेता राम महतो ने बताया कि वह पिछले 35 वर्षों से मोरहाबादी बाजार में सब्जियां बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। वहीं, फल विक्रेता मोहम्मद इश्तियाक ने कहा कि वह करीब 25 वर्षों से इसी बाजार में फल बेचते आ रहे हैं। उनका कहना है कि बाजार बंद होने से उनकी रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है। दूसरी ओर, कुछ स्थानीय लोगों ने नगर निगम के निर्णय का समर्थन किया है। उनका कहना है कि पहले जहां बाजार में 50 से 100 दुकानें लगती थीं, वहीं अब दुकानों की संख्या बढ़कर करीब 1,600 तक पहुंच गई है। इसके कारण मोरहाबादी मैदान और आसपास की सड़कों पर दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। उनका आरोप है कि कई विक्रेताओं ने सड़क तक अतिक्रमण कर दुकानें लगानी शुरू कर दी थीं, जिससे आम लोगों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

ग्रामीण को आत्मनिर्भर बनाना सबसे बड़ी सेवा : प्रदीप वर्मा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : उषा मार्टिन फाउंडेशन की पहल पर नामकुम प्रखंड के आरा गांव स्थित खंडहर सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार एवं रंग-रोगन कर उसे नया स्वरूप दिया गया। भवन का उद्घाटन राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा ने फीता काटकर किया। इसी अवसर पर भवन में स्थापित वाचनालय सह पुस्तकालय का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में आरा पंचायत की मुखिया नीता कच्छप उपस्थित थीं। अपने संबोधन में राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा ने कहा कि किसी का एक बार पेट भर देना बड़ी बात नहीं है, बल्कि किसी को इतना सक्षम बना देना कि उसका पूरा जीवन संवर जाए, यही सबसे बड़ा कार्य है। उषा मार्टिन फाउंडेशन शिक्षा, कौशल और सामुदायिक विकास के माध्यम से यही कार्य कर रहा है।¤ उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण बच्चों और युवाओं को आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिलेगा। मुखिया नीता कच्छप ने कहा कि सामुदायिक भवन का जीर्णोद्धार एवं पुस्तकालय की स्थापना गांव के लिए एक बड़ी सौगात है। इससे बच्चों और युवाओं को अध्ययन का बेहतर वातावरण मिलेगा तथा भवन सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। उषा मार्टिन फाउंडेशन के हेड डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि फाउंडेशन ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, कौशल विकास और आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। सामुदायिक भवनों को पुनर्जीवित कर उन्हें ज्ञान, प्रशिक्षण और सामाजिक सहभागिता के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे गांवों के समग्र विकास को नई दिशा मिल रही है। इस अवसर पर आरा के युवाओं को खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए फुटबॉल एवं स्किपिंग रोप प्रदान किए गए। वहीं पुस्तकालय के लिए पुस्तकें, अलमारी, टेबल, कुर्सियां एवं दरी उपलब्ध कराई गई। पुस्तकालय के बाहर सोलर स्ट्रीट लाइट भी स्थापित की गई, जिससे शाम के समय भी ग्रामीण इसका लाभ उठा सकें। कार्यक्रम में पंचायत समिति सदस्य अनु तिवारी, ग्राम प्रधान सोमरा पाहन, पूर्व मुखिया विजय टोप्पो, भाजपा नेता पुरुषोत्तम मिश्रा, उपमुखिया अनुज एक्का, भाजपा नेत्री माधुरी देवी, समाजसेवी डोरातिया एक्का सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

उषा मार्टिन फाउंडेशन ने पांच सामुदायिक भवनों को दिया नया जीवन

उषा मार्टिन फाउंडेशन ने पिछले कुछ वर्षों में आरा, बरकुंबा, महिलौंग सराईटोली, मासु एवं हेसलजारा गांवों के जर्जर सामुदायिक भवनों का जीर्णोद्धार कर उन्हें वाचनालय सह पुस्तकालय के रूप में विकसित किया है। इन केंद्रों में पुस्तकें, अलमारी, टेबल, कुर्सियां, दरी, व्हाइट बोर्ड, पंखे, बल्ब तथा सोलर स्ट्रीट लाइट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन पहलों का उद्देश्य ग्रामीण बच्चों, युवाओं और महिलाओं के लिए शिक्षा, सामुदायिक गतिविधियों एवं कौशल विकास का स्थायी केंद्र विकसित करना है।

विधायक अरूप चटर्जी की सुरक्षा सुनिश्चित करे राज्य सरकार : माकपा

रांची : माकपा का राज्य सचिवमंडल विधायक अरूप चटर्जी को दुबई से प्रिंस खान के नाम पर धमकी मिलने को काफी चिंताजनक घटना माना है। माकपा के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने डीजीपी और गृह सचिव से इस घटना की उच्चस्तरीय जांच कर अरुप चटर्जी को सुरक्षा दिए जाने की मांग की है। राज्य सचिव की ओर से शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा गया है कि निर्वाचित जनप्रतिनिधि और ट्रेड यूनियन नेता को इस प्रकार की धमकी मिलना राज्य में कानून व्यवस्था के कमजोर होने और अपराधियों के मनोबल के बढने का संकेत है। उन्होंने कहा कि माकपा इस घटना की भर्त्सना करते हुए अरूप चटर्जी की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग करती है।

राम के नाम पर वोट, मंदिरों के नाम पर नोट कांग्रेस ने भाजपा से मांगा धार्मिक चंदे का हिसाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने कहा कि भगवान श्रीराम के नाम पर सत्ता तक पहुंचने वाली भारतीय जनता पार्टी आज करोड़ों रामभक्तों के सबसे बड़े सवाल से बच रही है। देश जानना चाहता है कि भगवान के नाम पर जुटाए गए हजारों करोड़ रुपये के चंदे का पूरा और पारदर्शी हिसाब जनता के सामने कब रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि जो सरकार गरीब के बैंक खाते, किसान की सब्सिडी, छोटे दुकानदार के लेन-देन और आम नागरिक के प्रत्येक रुपये का हिसाब मांगती है, वही सरकार राम मंदिर निर्माण से जुड़े चंदे की पारदर्शिता पर उठ रहे सवालों पर मौन क्यों है? यदि सरकार और संबंधित संस्थाओं के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो स्वतंत्र ऑडिट और सार्वजनिक लेखा-जोखा से परहेज क्यों? विजय शंकर नायक ने कहा कि अयोध्या भूमि खरीद विवाद को लेकर गंभीर आरोप सार्वजनिक हुए, जिनमें कुछ ही मिनटों के भीतर भूमि की कीमत में असामान्य वृद्धि के दस्तावेज सामने आए। देश ने सवाल पूछे, लेकिन आज तक इन विवादों पर ऐसी पारदर्शी प्रक्रिया सामने नहीं आई, जिससे करोड़ों श्रद्धालुओं के मन में उठे संदेह पूरी तरह दूर हो सकें। नायक ने आगे कहा कि उज्जैन के महाकाल लोक कॉरिडोर का भव्य उद्घाटन होने के कुछ ही महीनों बाद मूर्तियों के क्षतिग्रस्त होने की घटना ने निर्माण गुणवत्ता और परियोजना प्रबंधन पर गंभीर प्रश्न खड़े किए। इसी प्रकार केदारनाथ धाम में सोना मढ़ाई से जुड़े विवाद, तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसादम की गुणवत्ता को लेकर उठे प्रश्न, काशी विश्वनाथ धाम परियोजना में प्राचीन धार्मिक संरचनाओं के संरक्षण पर विवाद, पुरी जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार और परिक्रमा परियोजना से जुड़े मुद्दे तथा चारधाम ऑल वेदर रोड परियोजना पर पर्यावरण और सुरक्षा संबंधी चिंताओं ने करोड़ों श्रद्धालुओं के मन में अनेक सवाल खड़े किए हैं। आज भाजपा हर चुनाव में धर्म और आस्था की राजनीति करती है, लेकिन जब धार्मिक परियोजनाओं से जुड़े विवादों पर जवाबदेही तय करने की बात आती है, तब वह चुप्पी साध लेती है।

16 साल पुराने अलकतरा घोटाला मामले में ठेकेदार को तीन साल की सजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के बहुचर्चित 16 साल पुराने अलकतरा घोटाला मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने शनिवार को फैसला सुनाते हुए क्लासिक कोल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक दिलीप कुमार सिंह को दोषी ठहराया है। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश कुलदीप की अदालत ने उन्हें तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उन पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

अदालत ने मामले में ट्रायल का सामना कर रहे तत्कालीन जूनियर इंजीनियर सुरेश शर्मा को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया। इस मामले में क्लासिक कोल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पवन कुमार सिंह, जमशेदपुर के तत्कालीन सहायक अभियंता (असिस्टेंट इंजीनियर) अनिल कुमार वर्मा, जूनियर इंजीनियर सुरेश शर्मा और कंपनी के निदेशक दिलीप कुमार सिंह आरोपी थे। हालांकि, मुकदमे की सुनवाई के दौरान पवन कुमार सिंह और अनिल कुमार वर्मा का निधन हो गया, जिसके कारण उनके विरुद्ध न्यायिक कार्यवाही समाप्त हो गई। यह मामला वर्ष 2010 में सामने आए अलकतरा घोटाले से जुड़ा है। आरोप है कि चक्रधरपुर-खरसावां क्षेत्र में 1.506 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य के दौरान 47 फर्जी बिल तैयार कर करोड़ों रुपये की सरकारी राशि की अवैध निकासी की गई थी। यह परियोजना रोड कंस्ट्रक्शन डिवीजन, जमशेदपुर के अधीन थी।

राज्यपाल ने श्री हनुमान मंदिर में 'श्री राम वाटिका' का किया उद्घाटन, सेवा और संस्कार का दिया संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार को महात्मा गाँधी मार्ग, राँची स्थित श्री हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रभु श्री बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने समस्त राज्यवासियों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। तत्पश्चात मंदिर परिसर में नवनिर्मित वातानुकूलित सामुदायिक हॉल 'श्री राम वाटिका' का उद्घाटन किया। समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मंदिर पूजा-अर्चना के स्थल के साथ आध्यात्मिक चेतना, सेवा-भाव, सामाजिक समरसता और संस्कारों के संवर्धन के महत्वपूर्ण केंद्र भी होते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त

किया कि श्री राम वाटिका धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक गतिविधियों के साथ-साथ जनसेवा के विविध कार्यों का एक प्रेरणादायी केंद्र बनेगी। राज्यपाल महोदय ने कहा कि महात्मा गाँधी मार्ग स्थित श्री हनुमान मंदिर वर्षों से जन-आस्था, सेवा और सामाजिक समरसता का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यहाँ धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ समाजहित के अनेक कार्य निरंतर संचालित होते रहे हैं। उन्होंने इस जनोपयोगी सामुदायिक हॉल के निर्माण के लिए श्री हनुमान मंदिर समिति, पंजाबी हिंदू बिरादरी तथा सहयोग प्रदान करने वाले सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। राज्यपाल महोदय ने कहा कि भगवान श्रीराम और प्रभु हनुमान का जीवन हमें सेवा, समर्पण, विनम्रता और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि शक्ति तभी सार्थक है, जब उसमें विनम्रता हो, ज्ञान तभी श्रेष्ठ है, जब उसमें सेवा का भाव हो और जीवन तभी सफल है, जब वह लोकमंगल के लिए समर्पित हो। उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास की पंक्तियाँ– परहित सरिस धरम नहि भाई, पर पीड़ा सम नहि अधमाई का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में परोपकार और सेवा को सर्वोच्च धर्म माना गया है।

रथ यात्रा उत्सव में राज्यपाल होंगे शामिल

रांची : जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति की ओर से उपाध्यक्ष सह प्रथम सेवायत, सचिव, सदस्य कमल ठाकुर एवं सदस्य गोपाल उपाध्याय ने राज्यपाल संतोष गंगवार से शिष्टाचार भेंट कर भगवान जगन्नाथ महाप्रभु के नेत्रदान महोत्सव एवं रथोत्सव-2026 का आमंत्रण समर्पित किया। राज्यपाल ने आमंत्रण को स्वीकार करते हुए आश्वस्त किया कि वह 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ महाप्रभु के रथोत्सव में सम्मिलित होकर परम्परानुसार भगवान के रथ को खींचने के अवसर में अपनी सहभागिता प्रदान करेंगे। यह जानकारी जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समित के सचिव प्रसन्न कुमार ने दी।

एक नजर

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने भरा इन्यूमरेशन फॉर्म

रांची : झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने राज्य में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत शनिवार को अपना इन्यूमरेशन फॉर्म स्वयं भरकर उस पर हस्ताक्षर किए और 64-हटिया विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या-374 की बीएलओ अन्नु कच्छप को सौंप दिया। इस अवसर पर उन्होंने राज्य के सभी पात्र भारतीय नागरिकों से अपील की कि जब बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) उनके घर पहुंचें, तो वे बिना विलंब किए अपना और अपने परिवार के सदस्यों का इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर अथवा भरवाकर उस पर हस्ताक्षर कर बीएलओ को तत्काल जमा करें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बीएलओ को निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपने मतदान केंद्र क्षेत्र के प्रत्येक घर तक पहुंचकर यह कार्य पूरा करना है। ऐसे में नागरिकों का सहयोग इस अभियान की सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे बीएलओ के आने का इंतजार करने के बजाय आवश्यकता पड़ने पर स्वयं भी उनसे संपर्क कर प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

मारवाड़ी ब्राह्मण सभा की प्रथम वार्षिक आमसभा 26 जुलाई को

रांची : मारवाड़ी ब्राह्मण सभा के सत्र 2025-27 की प्रथम वार्षिक आमसभा 26 जुलाई (रविवार) को रांची स्थित मारवाड़ी ब्राह्मण भवन में आयोजित की जाएगी। इसकी जानकारी सभा के मंत्री कृष्णा लाल शर्मा ने शनिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी। उन्होंने बताया कि सभा की हाल ही में आयोजित कार्यकारिणी बैठक में अध्यक्ष अशोक कुमार पुरोहित ने सभी संरक्षकों और आजीवन सदस्यों से वार्षिक आमसभा में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आह्वान किया है। कृष्णा लाल शर्मा ने बताया कि आमसभा में पिछले एक वर्ष के दौरान सभा द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। इसके साथ ही सभा के कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर गोवला वार्षिक आय-व्यय का लेखा-जोखा सदस्यों के समक्ष रखेंगे।

हिंदपीढ़ी में सात पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ एक गिरफ्तार

रांची : हिंदपीढ़ी थाना पुलिस ने नेजाम नगर छोटा तालाब के पास से मुबारक उर्फ इमरोज को गिरफ्तार किया है। वह मक्का मस्जिद के पास का रहने वाला है। उसके पास से पुलिस ने सात पुड़िया ब्राउन शुगर व 36 सौ रुपये बरामद किए हैं। पूछताछ में उसने बताया कि वह तस्करों से बूटी मोड़ बस स्टैंड के पास से एक व्यक्ति से ब्राउन शुगर की खरीदारी करता था और उसे ऊंची कीमत पर हिंदपीढ़ी इलाके में युवाओं के बीच बिक्री करता था।

झारखंड में तीन दिन भारी बारिश के आसार येलो अलर्ट जारी

रांची : झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय होने जा रहा है। मौसम विभाग ने राज्य के विभिन्न जिलों में 05 से 07 जुलाई तक भारी बारिश की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। विभाग ने 08 जुलाई तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश के साथ वज्रपात (आकाशीय बिजली) की आशंका व्यक्त की है और लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार, 05 जुलाई को राज्य के दक्षिण-पश्चिमी हिस्सों के गुमला, सिमडेगा, खूंटी और पश्चिमी सिंहभूम जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा हो सकती है। वहीं 06 जुलाई को सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा, लातेहार, गढ़वा और पलामू जिलों में भारी बारिश की संभावना है।

संक्षिप्त खबरें

रामपोदो महतो बने जेएलकेएम के दक्षिण छोटानागपुर प्रमंडल सचिव

अनगड़ा : वरिष्ठ समाजसेवी रामपोदो महतो जी को जेएलकेएम केंद्रीय नेतृत्व द्वारा दक्षिण छोटा नागपुर प्रमंडल का सचिव का पदभार दिए जाने पर अनगड़ा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि इन्हें विशेष जिम्मेदारी दिए जाने पर पार्टी मजबूत होगी क्योंकि कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है। रामपोदो महतो हर गरीब गुरुवा के घर सुख-दुख में खड़ा रहते हैं और यथासंभव सहयोग भी करते हैं। किसी के दुर्घटना होने की स्थिति में वह सबसे पहला व्यक्ति हैं जो दुर्घटना स्थल पर पहुंचकर इलाज का प्रबंध करते हैं। झारखंड लोकतांत्रिक मोर्चा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा नई जिम्मेदारी दिए जाने पर उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व को धन्यवाद दिये है झारखंड लोकतांत्रिक क्रांति कारी मोर्चा के जलेस्वर महतो उर्फ मार्शल सूरज नारायण महतो मंटू महतो सुधांशु महतो आदि लोगो ने बधाई दिया।

संत माईकल +2 स्कूल में नशा मुक्ति जागरूकता प्रतियोगिता के विजेताओं को किया गया सम्मानित

सिल्ली : मुरी संत माईकल + 2 स्कूल, मुरी में निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरूपयोग के विरूद्ध चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत कविता, निबंध लेखन, चित्रकला एवं ड्राइंग प्रतियोगिता के विजेताओ को प्रमाण पत्र देकर विद्यालय प्रांगण में सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा छठवीं से बारहवीं तक के छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।छात्रों ने रंगों के माध्यम से नशे से दूर रहने का संदेश दिया और यह दिखाया कि कैसे नशा शरीर और परिवार को बर्बाद करता है। इस मौके पर विद्यालय के निर्देशक डॉ. राकेश कुमार ने बच्चों की कलाकृतियों की बहुत सरहाना किए और कहा कि चित्रकला एवं निबंध लेखन के इस प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चे नशीली दवाओं से दूर रहेंगे और खेल कूद जैसे अच्छी आदतों को अपनाएंगे। मौके पर विद्यालय के प्राचार्य सी. एल. प्रजापति एवं शिक्षक शिक्षकाएं उत्पल कुमार, प्रीति नंदा, वंदना कुमारी, संजुक्ता सिंह देव, डोली महतो, एन. सी. साहू, प्रीति लता मुंडू, नीता कुमारी, शिमा झा, शंकर महतो, किशोर कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

डायन बताकर बुजुर्ग की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

रांची : झारखंड के खूंटी जिले में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां जादू-टोना करने के संदेह में 75 साल की एक बुजुर्ग महिला की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। यह घटना साईको थाना क्षेत्र के किताहातू गांव में गुरुवार को हुई थी। इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मृत महिला की पहचान किताहातू गांव की रहने वाली एतवारी देवी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि उन पर उस वक्त हमला किया गया, जब वह अपने घर के आंगन में सो रही थीं।इस मामले की जानकारी देते हुए खूंटी के एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि हमने इस सिलसिले में शुक्रवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान दिनय मुंडा (20) और मंगल मुंडा (19) के रूप में हुई है। गर्ग ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने जांचकताओं को बताया कि उन्हें संदेह था कि महिला डायन थी और उनके परिवारों में होने वाली बीमारियों और मौतों के लिए जिम्मेदार थी। गर्ग ने बताया कि इसी संदेह के चलते उन्होंने इस हत्या को अंजाम दिया। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किए गए खून से सने बांस के दो डंडे और पत्थर भी जब्त कर लिए हैं।पीड़िता के बेटे के बयान के आधार पर पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।पुरुलिया रोड में दंपति का झगड़ा सुलझाने गई लोअर बाजार थाना पुलिस ने गुरुवार को उनके एक नाबालिग बेटे को पिस्तौल और दो कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया। दंपति के बीच हो रहे झगड़े की जानकारी मिलने पर गशती टीम मौके पर पहुंची, तो नाबालिग अपने पिता से मारपीट करता मिला। पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो हथियार बरामद हुआ। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद उसे डुमरदगा स्थित बाल सम्प्रेक्षण गृह भेज दिया गया। इधर, पुलिस अब नाबालिग को हथियार उपलब्ध कराने वाले तलाश में जुट गई है। पता चला है कि पिता को धमकाने के लिए वह हथियार लेकर आया था। पुलिस ने नाबालिग से पिस्तौल व गोलियों के बारे में पूछताछ की तो पता चला कि हथियार उसके रिश्तेदार का है। वह अभी किसी आपराधिक मामले में जेल में है। पुलिस के मुताबिक, नाबालिग अपनी मां के साथ रहता है। उसके पिता का मां के साथ आए दिन झगड़ा होता है। बताया गया कि नाबालिग को जानकारी मिली थी कि उसके पिता कांके इलाके से मां के पास आने वाले हैं। उसे अंदेशा था कि वह फिर से मां के साथ झगड़ा करेंगे। इसी वजह से पिता को धमकाने और मारपीट नहीं करने के लिए वह हथियार लेकर पहुंचा था। हिंदपीढ़ी के नाला रोड में रहने वाले मो इस्माइल द्वारा अपने पैसों से खरीदी गई जमीन व उसपर बने मकान पर बेटे ने कब्जा जमा लिया है। मामले में इस्माइल की लिखित शिकायत पर बड़े बेटे मो शाहिद के खिलाफ जमीन से संबंधित जाली दस्तावेज बनाकर धोखाधड़ी से मकान पर कब्जा करने का केस दर्ज किया गया है।

राज्य स्तरीय बैठक में शामिल होने पुरुलिया रवाना हुए समन्वय समिति के संयोजक लालचन महतो

सिल्ली : कुरमी/कुड़मी (महतो) समन्वय समिति झारखंड बंगाल एवं उड़िसा के संयोजक लालचन महतो समिति के घटक संगठन पुर्वांचल आदिवासी कुड़मी समाज के राज्यस्तरीय बैठक में भाग लेने लिए 04 जुलाई दिन शनिवार को बंगाल के पुरुलिया के लिए रवाना हुए साथ ही साथ दिनांक 05 जुलाई दिन रविवार को झारखंड के चन्दनक्यारी में आयोजित भाषा एवं सांस्कृतिक समारोह में भाग लेंगे।

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र
टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च

भारतीय गणित ओलंपियाड पात्रता परीक्षा (IOQM) 2026-27

भारतीय राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड (INMO) 2027 में भाग लेने के इच्छुक छात्रों के लिए, राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड **पात्रता** परीक्षा (IOQM) में शामिल होना अनिवार्य है।
यह परीक्षा 6 सितंबर, 2026 को आयोजित की जाएगी।
IOQM में सफल होने वाले छात्र INMO 2027 में भाग लेने के पात्र होंगे। यह अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड (IMO) 2027 और यूरोपीय गर्ल्स गणित ओलंपियाड (EGMO) 2028 में भारतीय टीम के आधिकारिक सदस्य के रूप में भागीदारी की दिशा में पहला चरण है।

अधिक जानकारी और पंजीकरण लिंक:
https://olympiads.hbcse.tifr.res.in एवं https://www.mtai.org.in/

पंजीकरण संबंधित परीक्षा केंद्रों पर सीधे किया जा सकता है
इसके अलावा, ऑनलाइन पंजीकरण भी **29 जून 2026** से शुरू होगा
ऑनलाइन पंजीकरण के लिए वेबसाइट: **https://ioqm.mtai.org.in/**

CBC 48143/11/0004/2627

पंजीकरण की अंतिम तिथि: 25 जुलाई 2026

एक नजर

डोमचांच में आज से 9 जुलाई तक प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन

झुमरीतिलैया : अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में डोमचांच स्थित गायत्री चेतना केंद्र में वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा की जन्मशताब्दी के उपलक्ष्य में 5 जुलाई से 9 जुलाई तक प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ 5 जुलाई को प्रातः 5:00 बजे से 7:00 बजे तक नगर भ्रमण के साथ होगा। इसके बाद प्रतिदिन संध्या 6:00 बजे से प्रज्ञा पुराण कथा का आयोजन किया जाएगा। साथ ही प्रतिदिन विभिन्न क्षेत्रों में हवन-यज्ञ भी संपन्न होंगे। आयोजन के तहत 8 जुलाई को संध्या समय दीपयज्ञ का विशेष कार्यक्रम रखा गया है। वहीं 9 जुलाई को प्रातः 6:00 बजे से हवन-यज्ञ, विभिन्न संस्कार, पूर्णाहुति तथा टोली विदाई के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। आयोजन को सफल बनाने में डोमचांच गायत्री परिवार के सदस्यों एवं ग्रामीणों का सराहनीय सहयोग प्राप्त हो रहा है। आयोजकों ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

चंदवारा के जंगलों में सात हाथियों का डेरा ग्रामीणों में दहशत

चंदवारा : कोडरमा थाना क्षेत्र के अंतर्गत करोंजिया महुडरा और गांगोडीह पुरनाथाम रोड़ के घने जंगलों में हाथियों की आमद से स्थानीय ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, करोंजिया महुडरा के जंगल में दो हाथी और गांगोडीह पुरनाथाम रोड़ के पास पांच हाथियों का एक अलग झुंड देखा गया है। कुल सात हाथियों की मौजूदगी की खबर जैसे ही आस-पास के गांवों में फैली, लोग सुरक्षा को लेकर चिंतित हो उठे हैं। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्परता दिखाते हुए प्रभावित इलाकों में पहुंच चुकी है। वन कर्मियों द्वारा ग्रामीणों को सतर्क रहने, रात के समय जंगलों की तरफ न जाने और हाथियों को किसी भी प्रकार से न उकसाने की सख्त हिदायत दी जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों का झुंड आबादी वाले क्षेत्र के बेहद करीब है, जिससे फसलों और घरों को नुकसान पहुंचने का खतरा बना हुआ है। वन विभाग की टीम लगातार हाथियों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है और उन्हें सुरक्षित तरीके से घने जंगल की ओर खदेड़ने के प्रयास में जुट गई है। प्रशासन ने लोगों से धैर्य रखने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सूचित करने की अपील की है।

धनबाद रेल मंडल में 'मेगा टिकट चेकिंग अभियान'

सरिया : बिना टिकट और अनियमित यात्रा करने वाले रेल यात्रियों के खिलाफ पूर्व मध्य रेल के धनबाद मंडल ने अपनी कमर कस ली है। मंडल में बड़े पैमाने पर चलाए जा रहे टिकट चेकिंग अभियान के तहत शनिवार को एक विशेष 'मेगा टिकट चेकिंग अभियान' चलाया गया। एक सुनियोजित कार्यक्रम के तहत यह सघन जांच अभियान दिन और रात, दोनों समय लगातार जारी रहा। रेलवे प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई से बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों में हड़कंप मच गया। स्टेशन परिसरों और विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में चलाए गए इस अभियान के दौरान कुल 796 यात्रियों को पकड़ा गया। पकड़ के यात्रा करने वाले यात्री जांच टीमों ने नियमों का उल्लंघन करने वाले इन यात्रियों से जुमार्ने के रूप में ?07,50,810 (सात लाख पचास हजार आठ सौ दस रुपये) की राशि वसूल की। जुमार्ना वसूलने के साथ ही सभी यात्रियों को भविष्य में हमेशा उचित टिकट लेकर ही यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई।

अपराधियों पर रामगढ़ पुलिस कसेगा डिजिटल शिकंजा : एसपी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ पुलिस अब अपराधियों पर डिजिटल तरीके से नजर रखेगी। एक तरीके से रामगढ़ जिले में अपराध करने वाला हर व्यक्ति पुलिस के डिजिटल शिकंजे में होगा। क्योंकि उसकी हर डिजिटल प्रोफाइल और उसकी निगरानी रामगढ़ जिले के अलावा दूसरे राज्यों में भी रहेगी। ऐसे अपराधियों के सूची में अभी तक 1971 लोग शामिल हैं। इस बात की जानकारी शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रामगढ़ एसपी मुकेश कुमार लुनायत ने दी। उन्होंने बताया कि अपराध नियंत्रण और सक्रिय अपराधियों की प्रभावी निगरानी के लिए क्राईम प्रीवेंशन एंड डिटेक्शन विंग बनाया गया है। यह विंग वारदातों के त्वरित उद्भेदन को और अधिक सुदृढ बनाने के उद्देश्य से काम करेगी। यह पूरी तरीके से तकनीक आधारित पहल है, जिसमें 36 सदस्य शामिल किए गए हैं। आरोप पत्रित अपराधियों की डिजिटल प्रोफाइलिंग एवं निगरानी के लिए एक डिजिटल क्रिमिनल मॉनिटरिंग पोर्टल भी विकसित किया गया है। एसपी ने बताया कि 1 जनवरी 2021 से 31 मार्च 2026 तक 12 कैटेगरी में चार्जशीटेड 1971 अपराध कर्मियों की सूची बनाई गई है। आर्म्स एक्ट में रामगढ़ जिले के 194 अपराधी, दूसरे जिले के 119 अपराधी और झारखंड से बाहर के 25 अपराधियों का नाम शामिल है। एनडीपीएस एक्ट में रामगढ़ जिले के 51, दूसरे जिले के 17 और झारखंड राज्य के बाहर के 15 अपराधी शामिल हैं। हत्या मामले में रामगढ़ जिले के 138, दूसरे जिले के 10 और झारखंड राज्य से बाहर के पांच अपराधी शामिल हैं। रंगदारी मामले में रामगढ़ जिले के 50, दूसरे जिले के 39 और दूसरे राज्य के आठ अपराधी शामिल हैं। डकैती मामले में रामगढ़ जिले के 23, दूसरे जिले के 22 और दूसरे राज्य के दो अपराधी शामिल हैं। लूट मामले में रामगढ़ जिले के 22, दूसरे जिले के 24 और दूसरे राज्य के दो अपराधी शामिल हैं। छिनतई मामले में रामगढ़ जिले के 14, दूसरे जिले के 14 और दूसरे राज्य के छह अपराधी शामिल हैं। चोरी मामले में रामगढ़ जिले के 282, दूसरे जिले के 53 और दूसरे राज्य के 8 अपराधी शामिल हैं। गृह भेदन मामले में रामगढ़ जिले के 91, दूसरे जिले के 13 और दूसरे राज्य के पांच अपराधी शामिल हैं। वाहन चोरी मामले में रामगढ़ जिले के 101, दूसरे जिले के 99 और दूसरे राज्य के 39 अपराधी शामिल हैं। उत्पाद अधिनियम के तहत रामगढ़ जिले के 153, दूसरे जिले के 26 और दूसरे राज्य के 17 लोगों को शामिल किया गया है। अन्य मामले में रामगढ़ जिले के 255, दूसरे जिले के 22 और दूसरे राज्य के सात अपराधी शामिल हैं। इस तरह रामगढ़ जिले में रहने वाले 1374, दूसरे जिले में रहने वाले 458 और दूसरे राज्य में रहने वाले 139 अपराधियों पर पुलिस की सीधी निगाह रहेगी। 1971 अपराधियों की पूरी प्रोफाइल डिजिटल हो जाएगी। वह जिस जगह के रहने वाले हैं और जिस जगह पर अपराध कर चुके हैं, उसकी पूरी डिटेल पुलिस के पास रहेगी। अपराधी किसी भी जिले में जाएं और कहीं भी छुपें पुलिस की निगाह से बच नहीं सकते हैं।

एकल अभियान की समीक्षा बैठक में सेवा कार्यों की समीक्षा, आगामी योजनाओं की बनी रूपरेखा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : एकल अभियान, जिला कोडरमा की मासिक अंचल समीक्षा बैठक का आयोजन देवी मंडप रोड स्थित अंचल कार्यालय में हुई। बैठक का शुभारंभ जिला अध्यक्ष जयंती सेठ, जिला संरक्षक नारायण सिंह और जिला प्राथमिक शिक्षा प्रभारी कुंज बिहारी त्रिवेदी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जयंती सेठ ने गत माह संचालित विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने गंगा दशहरा के आयोजन, पाठ्यक्रम के अनुरूप विद्यालयों के नियमित संचालन, 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, बच्चों की वार्षिक परीक्षा, मासिक आचार्य अभ्यास वर्ग में आचार्यों की उपस्थिति तथा संच समिति की सक्रिय भागीदारी सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में आगामी माह की कार्ययोजना पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इसमें वार्षिक आचार्य प्रशिक्षण, समिति सक्रियता अभियान, हनुमान परिवार योजना, वृक्षारोपण अभियान तथा सैनिक सम्मान कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में उत्तर झारखंड संभाग अभियान प्रमुख जीत लाल हांसदा, संभाग गतिविधि प्रशिक्षक नरेंद्र प्रसाद, अंचल अभियान प्रमुख रामनिवास पांडे, अंचल प्राथमिक शिक्षा प्रशिक्षक अरविंद कुमार, अंचल कार्यालय प्रमुख दीपक कुमार, संच प्रशिक्षक नीलम कुमारी, कोमल कुमारी, संजू कुमारी, सरिता देवी, भारती देवी, विवेकानंद पांडे एवं अजीत कुमार सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मरकच्चो में रेस्क्यू किए गए संर्प ने संर्प मित्र को डंसा, इलाज जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत डगरनवां पंचायत के फुटलहिया में संचालित नवसृजित प्राथमिक विद्यालय स्थित पिछले एक जुलाई को एक जहरीला गेहूंवन सांप ने एक छात्र को डंस लिया था। जानकारी के अनुसार सुचना मिलने पर संर्प मित्र देवीपुर (खेशमी) गांव निवासी शिबू पंडित के द्वारा कड़ी मशक्कत के साथ जहरीला गेहूंवन सांप को रेस्क्यू किया गया था। और उसे सुरक्षित रखा गया था। घटना को लेकर जानकारी देते हुए संर्प मित्र शिबू पंडित ने बताया कि सांप के द्वारा डंसे छात्र दिलिप मुर्मू के ठीक होने का इंतजार किया गया था और रेस्क्यू किए गए सांप को सुरक्षित रखा गया था। जहां आज शनिवार को उसे मैं चंचालधाम जंगल कि ओर सुरक्षित जगह पर उसे छोड़ने गया था इसी दौरान सांप ने हमें अचानक बाईट (डंस) लिया। और हमें चक्कर आने लगा। जहां बिना किसी समय गंवाए आनन-फानन में कोडरमा सदर अस्पताल पहुंच गया। जहां उपस्थित चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया जा रहा है। उन्होंने वन विभाग से सुरक्षा से संबंधित सेफ्टी किट की मांग किया है। ताके आगे कीसी अनहोनी घटनाओं से बचा जा सके।

जयनगर में एसआईआर अभियान का निरीक्षण बीएलओ को शत-प्रतिशत मतदाता सत्यापन के निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर : भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत जयनगर प्रखंड में अधिकारियों ने विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदाता सत्यापन कार्यों की समीक्षा की। प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी ने योगियाटील्हा पंचायत के मंडरिया, गरचांच तथा तिलोकारी पंचायत के बेहराडीह गांव के बूथों का दौरा कर बीएलओ और सुपरवाइजर द्वारा किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान घर-घर जाकर किए जा रहे मतदाता सत्यापन, प्रपत्रों के संधारण, दस्तावेजों के सत्यापन एवं मतदाता सूची अद्यतन की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बीएलओ और सुपरवाइजर से अब तक किए गए कार्यों की जानकारी लेते हुए गुणवत्ता और प्रगति पर संतोष जताया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि कोई भी पात्र मतदाता सत्यापन से वंचित नहीं रहना चाहिए। सभी प्रपत्र पूरी सावधानी और सटीकता के साथ भरते हुए आवश्यक दस्तावेजों का नियमानुसार सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अभियान से जुड़े सभी कार्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप निर्धारित समय-सीमा में पूरे करने पर जोर दिया गया।उन्होंने अभिलेखों को अद्यतन रखने, त्रुटिरहित डाटा संधारण सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक बूथ पर शत-प्रतिशत कवरेज हासिल करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और शुद्धता सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है, इसलिए सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर पूरी जिम्मेदारी, निष्पक्षता और गंभीरता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

कोडरमा : भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने मरकच्चो प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत बूथ स्तरीय पदाधिकारियों (बीएलओ) द्वारा किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बीएलओ से गणना प्रपत्रों के वितरण, मतदाताओं से प्राप्त आवेदनों, नए मतदाताओं के पंजीकरण, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपन सहित अन्य कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिया कि पुनरीक्षण कार्य पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बीएलओ सुपरवाइजरों को निर्देश दिया कि वे घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता तक गणना प्रपत्र उपलब्ध कराने एवं प्रपत्र भरवाने में बीएलओ को सहयोग करना सुनिश्चित करें तथा प्राप्त प्रपत्रों का समयबद्ध डिजिटलाइजेशन कराने में भी सहयोग करें।

कृषि पर एल नीनो का प्रभाव और आकस्मिक फसल योजना पर चर्चा

रामगढ़ : जिले के कृषि कार्य पर एलनीनो का प्रभाव पड़ रहा है। ऐसी हालात में किसानों के लिए आकस्मिक फसल योजना ही बैकबोन साबित हो सकती है। रामगढ़ डीसी ऋतुराज ने शनिवार को आकस्मिक फसल योजना की समीक्षा की। डीसी ने एल नीनो के संभावित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए जिला आकस्मिक फसल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर बैठक आयोजित की। बैठक में कृषि और संबद्ध विभागों के पदाधिकारियों, कृषि वैज्ञानिकों, प्रगतिशील किसानों तथा गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डीसी ने कहा कि संभावित वर्षा की कमी या सूखे की स्थिति से किसानों को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए समय रहते प्रभावी रणनीति तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने कृषि विभाग को सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर वैकल्पिक फसल व्यवस्था एवं कृषि तकनीकों को बढ़ावा देने का निर्देश दिया।

45 झारखंड बटालियन एनसीसी पहुंचे ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर दीपक गौर, कैडेटों ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : 45 झारखंड बटालियन एनसीसी, कोडरमा में शनिवार को एनसीसी ग्रुप मुख्यालय हजारीबाग के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर दीपक गौर का प्रथम आगमन हुआ। बटालियन परिसर पहुंचने पर कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल विजय कुमार (सेना मेडल) एवं सूबेदार मेजर जी.के. चौधरी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद एनसीसी कैडेटों ने ग्रुप कमांडर को आकर्षक गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया। ब्रिगेडियर दीपक गौर ने बटालियन के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर्स (एएनओ), केयर टेकर ऑफिसर्स (सीटीओ), पीआई स्टाफ, एनसीसी कैडेटों एवं सिविल स्टाफ से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने अनुशासन, नेतृत्व एवं राष्ट्रसेवा की भावना के साथ एनसीसी की गतिविधियों को और प्रभावी बनाने का आह्वान किया। इस दौरान कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल विजय कुमार ने राजकीय पॉलिटेक्निक, कोडरमा के व्याख्याता सह एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट संतोष कुमार द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी दी। इस पर ग्रुप कमांडर ने उनके प्रयासों की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी एनसीसी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित टी पार्टी में ग्रुप कमांडर ने अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कैडेटों के साथ आत्मीय संवाद किया। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से भी बातचीत की तथा कैडेटों का उत्साहवर्धन किया। इसके बाद कमांडिंग ऑफिसर ने बटालियन की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं प्रशिक्षण संबंधी पहलुओं पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण (बैटालियन ब्रीफिंग) दिया। कार्यक्रम का समापन हाई टी के साथ हुआ, जिसके बाद ग्रुप कमांडर हजारीबाग के लिए रवाना हो गए। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट राधिका कुमारी, लेफ्टिनेंट चंदन कुमार, सेकेंड ऑफिसर नवीन चौधरी, अमलेश कुमार, अभय नारायण, रंजीत कुमार, अनिल कुमार, ललिता कुमारी, सत्यानंद सहित पीआई स्टाफ, बटालियन के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

विवेकानंद के आदर्श और एआई पर निबंध प्रतियोगिता छात्रों ने विकसित भारत-2047 का रखा विजन

कोडरमा : स्वामी विवेकानंद जी की पुण्यतिथि के अवसर पर शनिवार को झुमरी तिलैया स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल में विशेष निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का विषय था - स्वामी विवेकानंद के आदर्श और 2047 तक पूर्ण विकसित भारत के निर्माण में एआई की भूमिका। विद्यालय का उद्देश्य था कि छात्र स्वामी जी के आदर्शों से चरित्र निर्माण की सीख लें और साथ ही आधुनिक तकनीक को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य गुरुचरण वर्मा ने कहा, ²इस तरह की प्रतियोगिताएं छात्रों की सोच, लेखन क्षमता और व्यक्तित्व को निखारती हैं। हमें स्वामी विवेकानंद के दिखाए मार्ग पर चलकर अनुशासित और संस्कारी बनना होगा। यदि हम एआई का नैतिक और रचनात्मक उपयोग करें, तो 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को जरूर प्राप्त कर सकते हैं। प्रतियोगिता में स्कूल के सभी वर्गों के छात्र-छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपने निबंधों में एक ओर स्वामी विवेकानंद के जीवन, आत्मविश्वास और युवा शक्ति पर प्रकाश डाला, वहीं दूसरी ओर एआई के द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और सुशासन के क्षेत्र में होने वाले सकारात्मक बदलावों पर अपने विचार रखे। विद्यालय की निदेशिका संगीता शर्मा ने अपने संबोधन में कहा, ²स्वामी विवेकानंद आज भी युवाओं के लिए सबसे बड़े प्रेरणास्रोत हैं। जब हम उनके आदर्शों को तकनीक और नवाचार के साथ जोड़ेंगे, तभी हमारे विद्यार्थी सफल बनेंगे और देश की प्रगति में अपना योगदान दे पाएंगे। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट निबंध लिखने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागियों की मेहनत की सराहना की। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक राजीव रंजन मिश्रा द्वारा किया गया। मौके पर विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण मौजूद थे।

जयनगर प्रखंड स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न

जयनगर : जयनगर प्रखंड में शनिवार को प्रखंड स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर तथा फुटबॉल को किक मारकर किया। उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन, टीम भावना और खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न आयु वर्गों में रोमांचक मुकाबले हुए। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल और अनुशासित प्रदर्शन से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। पूरे आयोजन के दौरान मैदान में उत्साह का माहौल बना रहा। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे- अंडर-17 बालिका वर्गः कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय विजेता, उत्क्रमित उच्च विद्यालय तिलोखरी उपविजेता। अंडर-15 बालक वर्गः उत्क्रमित उच्च विद्यालय तिलोखरी विजेता, आरके प्लस-2 उच्च विद्यालय उपविजेता। अंडर-17 बालक वर्गः उत्क्रमित उच्च विद्यालय तिलोखरी विजेता, आरके प्लस-2 उच्च विद्यालय लतबेदवा उपविजेता। लिटिल चैंप (बालक एवं बालिका) वर्गः उत्क्रमित उच्च विद्यालय नईटांड़ विजेता, पीएम श्री विद्यालय डंडाडीह उपविजेता। समापन अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने विजेता एवं उपविजेता टीमों को बधाई देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास, अनुशासन और टीम भावना को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन कर प्रखंड एवं जिले का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर बीपीओ जयनगर राधा सिंह, प्रखंड कार्यालय के कर्मी, प्रधानाध्यापक सकलदेव राम, बीरेंद्र कुमार राय, वीरेंद्र कुमार साव, सीताराम कुमार, दामोदर यादव, खेल शिक्षक नलिन कुमार, सुजीत कुमार सिन्हा, प्रतिभा कुमारी सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ग्रिजली विद्यालय में नन्हे बच्चों ने मनाया 'ब्लू कलर डे'

कोडरमा : तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय के प्री-प्राइमरी विंग में नर्सरी कक्षा के नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए ब्लू कलर डे का उल्लासपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को नीले रंग की पहचान कराना, उनकी रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं अभिव्यक्ति कौशल का विकास करना तथा खेल-खेल में सीखने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने पूरे उत्साह एवं आनंद के साथ राइम्स, नृत्य, रोल प्ले तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का मनमोहक प्रदर्शन किया। मयंक वर्मा ने आकर्षक राइम्स प्रस्तुति, सूर्यांश यादव ने मनमोहक नृत्य, दिवा प्रिशा ने प्रभावशाली रोल प्ले, पायस पांडे ने रचनात्मक गतिविधि, युवराज कुमार ने उत्साहपूर्ण प्रस्तुति तथा अर्पणा यादव ने अपनी सहज एवं मनोहारी अभिव्यक्ति से सभी का मन मोह लिया। सभी विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रस्तुतियाँ देकर उपस्थित शिक्षकों की सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम का सफल आयोजन प्री-प्राइमरी समन्वयक बनानी नियोगी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। गतिविधि प्रभारी श्वेता प्रकाश एवं कार्यक्रम प्रभारी आरती कुमारी ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता एवं प्राचार्या अंजना कुमारी ने बच्चों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि इस प्रकार की अनुभवात्मक एवं आनंदमय गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास, रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास, सामाजिक सहभागिता तथा सीखने के प्रति रुचि को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने सभी नन्हे प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का समापन बच्चों के उत्साहपूर्ण प्रदर्शन एवं शिक्षकों के सहयोग के साथ हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

आजीर्मोन मिला सरसो का तेल इस्तेमाल करने के कारण एक ही परिवार के पांच लोगों की हुई मौत : सिविल सर्जन

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू जिले के पड़वा प्रखंड के सिक्का गांव में रहस्यमयी बीमारी से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत मामले में जिला स्वास्थ्य विभाग ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। जिले के सिविल सर्जन डॉक्टर अनिल श्रीवास्तव ने शनिवार को सिविल सर्जन कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसका खुलासा किया। सिविल सर्जन ने बताया कि आजीमीन मिला सरसो का तेल इस्तेमाल करने के कारण सिक्का गांव के कुलदीप मेहता के परिवार के लिए जानलेवा साबित हुआ। सभी को ड्राप्सी रोग हुआ। यही कारण है कि

उनके पैर से सूजन पूरे शरीर में फैला और धीरे-धीरे पांच सदस्यों की मौत हुई। जांच के लिए 195 घरों का सर्वे किया गया और 1378 लोगों की जांच की गई जिसमें से 56 लोगों के पैर हाथ में सूजन होने पर उनके ब्लड सैंपल लिए गए। हालांकि इनमें ड्राप्सी बीमारी की पुष्टि नहीं हुई। आजीमीन एक कांटेदार खर-पतवार है जो पलामू के इलाके में बड़े पैमाने पर पाया जाता है। इसे स्थानीय भाषा में कटैला और पीला धतूरा भी कहा जाता है। सरसों तेल की खेती के दौरान फसल काटकर खेत में रखने पर आजीमीन के दाने मिक्स हो गए और तेल बनाकर इस्तेमाल किया गया। सैंपल जांच के लिए कई तरह की खाद्य सामग्री भी भेजी गई थी लेकिन उसमें कुछ नहीं मिला।

उल्लेखनीय है कि सिक्का गांव में इस रहस्यमय बीमारी से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हुई है। परिवार के मुखिया कुलदीप महतो की सबसे पहले 19 जून को मौत हुई थी। 20 जून को उनकी बेटी बबिता कुमारी की मौत हुई थी। 26 जून को बेटी इंदु कुमारी की मौत हुई थी। तीनों शव का पोस्टमार्टम मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल में हुआ था, जबकि कुलदीप मेहता की बहु स्वेता का 28 जून और बेटा नकुल मेहता की रांची रिम्स में मौत हुई थी। दो का इलाज चल रहा है। सभी के शरीर में सूजन था और बाद में उनकी मौत हो गई थी।

चोरी के सामान के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : आजादनगर थाना क्षेत्र में चोरी की वारदात का पुलिस ने महज एक दिन के भीतर खुलासा करते हुए एक आरोपित को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपित की पहचान कपाली लिंक रोड स्थित खुशबूनगर निवासी 19 वर्षीय मोहम्मद आमिर के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान उसने न केवल इस चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की, बल्कि मोहल्ले में पहले भी कई छोटी-बड़ी चोरियों को अंजाम देने की बात भी कबूल की है। मामले की जानकारी देते हुए आजादनगर थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि कपाली लिंक रोड निवासी 66 वर्षीय नौशाद आलम ने 3 जुलाई की शाम अपने घर से एसी का कॉपर ट्यूब, बिजली का तार, एक्सटेंशन कॉर्ड तथा अन्य सामान चोरी होने की लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर आजादनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की।

संक्षिप्त खबरें

आदर्श मध्य विद्यालय में स्वामी विवेकानंद समाधि दिवस पर पौधरोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पटमदा: आदर्श मध्य विद्यालय, बांगुरदा प्रांगण में स्वामी विवेकानंद समाधिदिवस के अवसर पर अन्वेषा सामाजिक संस्था ट्रस्ट एवं विद्यालय के इको क्लब के संयुक्त तत्वावधान में वृक्षारोपण किया गया। अन्वेषा संस्था के अल्पना भट्टाचार्य ने कहा पर्यावरण संरक्षण का मूल सेनापति यदि बच्चों को बनाया जाए तो वे उत्साह के साथ आगे बढ़ते हुए एक सकारात्मक परिणाम को अंजाम देंग । वहीं विद्यालय इको क्लब की नोडल शिक्षिका सुष्मिता खान ने बताया कि जबसे विद्यालयों में इको क्लब का गठन किया गया है बच्चे पर्यावरण के प्रति बहुत सजग हुए है और प्रत्येक माह कोई न कोई विशेष कार्यक्रम अपने स्तर से विद्यालय में करते है । विद्यालय के प्रधानाध्यापक विष्णु पद महंती ने अन्वेषा संस्था के सदस्यों को धन्यवाद देते हुए उनके इस कार्य की सराहना की। अन्वेषा संस्था की और से बच्चों को मिठाई और फल दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम प्रधान अश्विनी सिंह, वरिष्ठ नागरिक खगेंद्रनाथ महतो, लोक कलाकार बासुदेब महतो के साथ साथ अन्वेषा संस्था के आशीष मुखर्जी, विश्वनाथ महतो, मधुमिता कुंडू, सुपर्णा सेन शर्मा और विद्यालय के ब्रह्मपद तिवारी, विनय कुमार पांडे, फुलमनी कच्छप, दीप्ति रानी महतो, अरुणा टोप्पो, अनीता गोराई, आशीष कुमार, साधना महतो उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

विद्यालय जाते समय शिक्षक की मौत

चतरा : चतरा जिले के पत्थलगड़ा प्रखंड के खैरा निवासी तथा प्राथमिक विद्यालय जेहरा के सहायक शिक्षक नंद किशोर राम का शनिवार सुबह हृदयाघात से निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन से शिक्षा जगत और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। नंद किशोर राम शनिवार सुबह रोज की तरह करीब आठ बजे विद्यालय जाने के लिए घर से निकले थे।

खेरौन में जन वितरण प्रणाली की दुकानों पर लाभुकों के बीच साड़ी-धोती का वितरण

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही प्रखंड अंतर्गत केदारूत पंचायत के खैरोन में बरुण साव जन वितरण प्रणाली दुकान पर सरकार की योजना के तहत लाभुकों के बीच साड़ी एवं धोती का वितरण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लाभुकों ने भाग लेकर योजना का लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप स्थानीय मुखिया सरिता देवी मुखिया प्रतिनिधि विशेश्वर यादव मौजूद रहे। इस अवसर पर स्थानीय मुखिया मुखिया सरिता देवी ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य समाज के गरीब, जरूरतमंद और वंचित वर्गों को सम्मानपूर्वक सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि जन वितरण प्रणाली के माध्यम से संचालित योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र लाभुक तक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचे, इसके लिए सभी जनप्रतिनिधि और

संबंधित विभाग मिलकर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने लाभुकों से अपील की कि यदि योजना के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की समस्या हो तो इसकी जानकारी तुरंत प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों को दें, ताकि उसका शीघ्र समाधान किया जा सके। कार्यक्रम के दौरान लाभुकों के बीच 433 साड़ी एवं 433 धोती का वितरण किया गया। इस मौके पर मुखिया सरिता देवी मुखिया प्रतिनिधि विशेश्वर यादव उप मुखिया कंचन देवी वार्ड सदस्य सुजित सिंह, रामाधीन यादव, अशोक सिंह, सुषमा देवी, ललिता देवी, अंगिरा देवी, उमेश सिंह, जोधी यादव ,बरुण साव, रूपेश सिंह, अमन सिंह, बासुदेव यादव, सहित कई लोग उपस्थित रहे।

स्कूली बच्चों को नशा से रखे दूर तभी होगा उन्नति : चंद्र शेखर टुडू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : एस एस प्लस टू उच्च विद्यालय पटमदा में सरकार के निर्देश के आलोक में शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू के हाथों मोमेंटो, मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान अन्य अतिथियों के हाथों भी दर्जनों छात्रों को सम्मानित किया गया। संबोधन में विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा सरकारी विद्यालयों के बच्चों के हौसला को बढ़ाने के लिए कई योजनाएं और कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं। वही अभिभावकों में भी बच्चों को एक विशेष वातावरण देने की और जागरूकता बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा

कि बैठक में शामिल होने में अभिभावकों की जागरूकता दिख रही हैं। माता पिता बच्चों के प्रथम गुरु होते हैं। उन्होंने कहा नशा समाज को दूषित कर रहा और समाज पर इसका दुष्प्रभाव भी पड़ रहा हैं। शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नशा से दूर रहे। शिक्षा सफलता का एक बड़ा हथियार है। शिक्षा,स्वच्छता सहित सभी मूलभूत बातों को अमल करना होगा। विद्यालय को विधायक के प्रयास से महिला शौचालय मिलेगा। जिसका जल्द शिलान्यास भी होगा।उन्होंने प्राचार्य डॉ मिथिलेश कुमार से विद्यालय में संथाली शिक्षक की कमी पर चर्चा करते हुए। जल्द वरीय पदाधिकारी डीईओ से बात कर शिक्षक की कमी को दूर करवाने का आश्वासन दिया।पटमदा मुखिया परमेश्वर सिंह ने कहा कि विद्यालय के प्राचार्य के द्वारा प्रतिमाह शिक्षक अभिभावक संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित कर विद्यालय के गतिविधियों से अवगत करवाया जाता हैं। इस दौरान बैठक में मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि चंद्र शेखर टुडू, मुखिया परमेश्वर सिंह, प्राचार्य डॉ मिथिलेश कुमार, अतिथि, शिक्षक, अभिभावक व छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

ग्रामीण समस्याओं पर मंथन, शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास व जल-जंगल-जमीन की सुरक्षा का लिया गया संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा प्रखंड अंतर्गत गोबरघुसी पंचायत के सुदूरवर्ती गांव बाटालुका में शनिवार को ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं पर गंभीरता से चर्चा करते हुए उनके स्थायी समाधान के लिए सामूहिक पहल करने का निर्णय लिया गया। बैठक में समाजसेवी विश्वनाथ महतो, जन अधिकार मंच के आदिवासी जल यात्रा से कृष्णपद महतो, सुखदेव हेम्ब्रम, प्राकृतिक रक्षक संस्था के मृत्युंजय कुमार, ग्राम प्रधान लगमानी सोरेन, गणेश सोरेन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुष उपस्थित रहे। बैठक के दौरान ग्रामीणों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (राशन), आवास योजना, सड़क, बिजली, पेयजल, संचार व्यवस्था तथा अन्य सरकारी

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। ग्रामीणों ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे तथा विकास कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। । उन्होंने युवाओं से नशे और अन्य नशीले पदार्थों से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि नशामुक्त समाज में ही शांति, सौहार्द और खुशहाली कायम रह सकती है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ग्रामीणों की समस्याओं को प्रशासन एवं संबंधित विभागों के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा तथा उनके शीघ्र समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे। बैठक के अंत में उपस्थित ग्रामीणों ने क्षेत्र के समग्र विकास, जनहित के मुद्दों पर एकजुट होकर कार्य करने, प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने तथा गांव की मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर संघर्ष और प्रयास जारी रखने का सामूहिक संकल्प लिया।

सरिया कॉलेज की एनएसएस इकाई द्वारा लुतियानो बिरहोर टंडा में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

सरिया : सरिया कॉलेज, सरिया की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-2 के तत्वावधान में आयोजित विशेष सात दिवसीय शिविर के अंतर्गत लुतियानो बिरहोर टंडा में एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य स्थानीय जनजातीय समुदाय को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें बेहतर चिकित्सकीय परामर्श व सेवाएँ प्रदान करना था। शिविर में विशेष रूप से उपस्थित सरिया कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार लाल ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि इस चिकित्सा शिविर का आयोजन जनजातीय समाज को स्वास्थ्य के प्रति सचेत करने और उन तक जरूरी स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने कहा कि सुदूर

क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को जागरूक कर ही एक स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सकता है। चिकित्सा शिविर में देवकी हॉस्पिटल के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर अमृतेश भारद्वाज द्वारा स्थानीय ग्रामीणों और बच्चों के स्वास्थ्य की विस्तृत जाँच की गई। स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ डॉ. भारद्वाज ने ग्रामीणों को मौसमी बीमारियों से बचाव के उपाय, व्यक्तिगत साफ-सफाई और स्वच्छता का महत्व, संतुलित आहार की आवश्यकता, तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने की सलाह दी। बीमारियों से बचने के लिए सजगता और स्वच्छता सबसे पहला कदम है। सही खान-पान और साफ-सफाई रखकर हम कई मौसमी बीमारियों से दूर रह सकते हैं। इस सेवा कार्य को सफल बनाने में एनएसएस इकाई-2 के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. आशीष कुमार सिंह, प्रो. अरुण कुमार सहित कॉलेज के कई स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

नया ट्रांसफार्मर लगते ही लौटी बिजली, ग्रामीणों ने जताया आभार

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : ताजपुर पंचायत के नावापर स्थित पीएचडी विभाग के समीप खराब पड़े ट्रांसफार्मर को मात्र 24 घंटे के भीतर बदलकर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई। सांसद मनीष जायसवाल एवं विधायक मनोज कुमार यादव के प्रयास से नया ट्रांसफार्मर लगाए जाने के बाद क्षेत्र के लोगों को बिजली संकट से राहत मिली।बिजली बहाल होने पर ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों और बिजली विभाग के प्रति खुशी जताते हुए आभार व्यक्त किया। नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन सांसद प्रतिनिधि रिशु वर्णवाल ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित समाधान जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकता है। बिजली जैसी मूलभूत सुविधा में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे

हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की शिकायत मिलते ही संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर शीघ्र नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया। ग्रामीणों ने सांसद मनीष जायसवाल, विधायक मनोज कुमार यादव तथा बिजली विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय तक बिजली बाधित रहने से दैनिक कार्यों के साथ पेयजल आपूर्ति और व्यवसाय भी प्रभावित हो रहे थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल,रामगढ़

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

अल्पकालीन ई–निविदा संख्या:-05/R1/2026-27/RWD/RAMGARH
दिनांक :- 03.07.2026

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, रामगढ़ द्वारा DMFT योजनान्तर्गत निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	टेन्डर कॉल	कार्य समाप्ति की अवधि
1	RWD/RAMGARH/12/2026-27	दुलमी	दुलमी प्रखण्ड अन्तर्गत ग्राम कुल्ही में मुख्य पथ से गोपाल प्रसाद के घर तक पी0सी0सी0 पथ का निर्माण।	2809400	द्वितीय	03 माह
2	RWD/RAMGARH/13/2026-27	छावनी परिषद्	शिव मंदिर बुजुर्ग जमीरा से कालीकरण सड़क तक पथ का निर्माण।	2904200	द्वितीय	03 माह

2.वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथिः– 06.07.2026
3.ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः– 13.07.2026 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4.निविदा खोलने की तिथि एवं समयः– 15.07.2026 अपराह्न 11.30 बजे।
5.निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, रामगढ़, नयानगर, घुटुवा, बरकाकाना, रामगढ़ झारखण्ड, पिन– 829103
6.ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 06553254005

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

विश्वासभाजन
कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमण्डल,रामगढ़

PR 384031 (Rural Development)26-27*D

बगोदर-सरिया अनुमंडल कार्यालय में समीक्षा बैठक संपन्न, 'कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं' का संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 अभियान को सफल और प्रभावी बनाने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त रामनिवास यादव के मार्गदर्शन में जिले के सभी अनुमंडलों और प्रखंडों में व्यापक मतदाता जागरूकता गतिविधियां चलाई जा रही हैं। इसी कड़ी में बगोदर-सरिया अनुमंडल कार्यालय परिसर में अनुमंडल पदाधिकारी संतोष गुप्ता की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में निर्वाचन कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया और संबंधित

अधिकारियों व कर्मियों को तय समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य पूरा करने के सख्त निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों, बीएलओ और बीएलओ सुपरवाइजरों को मतदाता जागरूकता से जुड़ी प्रचार-प्रसार सामग्री उपलब्ध कराई गई। साथ ही, इस अभियान को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का सामूहिक संकल्प लिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी श्री संतोष गुप्ता ने अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य एक शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है। इसके लिए सभी बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र उपलब्ध करा रहे हैं। वे मतदाताओं से आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रपत्र भरवाकर उन्हें ऑनलाइन दर्ज करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस अभियान की सफलता की असली कुंजी हर पात्र नागरिक की भागीदारी है। उन्होंने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय सहयोग दें, समय पर अपना फॉर्म भरें और अपने आस-पड़ोस के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। SDO संतोष गुप्ता ने जानकारी दी कि किसी भी प्रकार की पूछताछ, मार्गदर्शन या निर्वाचन संबंधी सहायता के लिए मतदाता निर्वाचन आयोग की टोल-फ्री हेल्पलाइन संख्या 1950 का उपयोग कर सकते हैं। यह सेवा मतदाताओं को त्वरित और विश्वसनीय सहायता देने के लिए चौबीसों घंटे चालू है। प्रशासन के रुख को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य बिल्कुल साफ है कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो। इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए पूरे जिले में चुनावी पाठशाला, बीएलओ-बीएलए बैठकें और घर-घर संपर्क अभियान लगातार चलाए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से लोकतंत्र को अधिक सशक्त, समावेशी और पारदर्शी बनाने के लिए रक्रु2026 अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है।

कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गुमला
SP आवास के पास, करमटोली रोड, गुमला–7209721521
Email Id- fisheriesgumla2018@gmail.com

मत्स्य कृषकों के लिए आम सूचना

एतद् द्वारा गुमला जिले के सभी मत्स्य कृषकों/RFF समूहों को सूचित किया जाता है कि कि वित्तीय वर्ष 2026–27 में राज्य योजनान्तर्गत राज्यादेश संख्या 15 रा0(वि0) दिनांक 23.06.2026 द्वारा तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजनान्तर्गत गुमला जिले के मत्स्य पालकों को समेकित मत्स्य पालन की ओर उन्मुख करने तथा उनकी आय में बढ़ोतरी हेतु निजी क्षेत्र के लिए एक नई योजना समेकित मत्स्य पालन (मछली–सह–बत्तख पालन) की स्वीकृति दी गई है। विभागीय राज्यादेश संख्या 15 रा0(वि0) दिनांक 23.06.2026 द्वारा गुमला जिला को शीर्ष 796 में 03 (अनुसूचित जनजाति=02 एवं अन्य वर्ग=01) एवं शीर्ष 789 में 01 कुल 04 यूनिट हेतु लक्ष्य प्राप्त है। विगत वर्ष की भांति चालू वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए भी इकाई लागत दर मो0 1,53,350/–रू0 प्रति 0.4 हेक्टेयर जलक्षेत्र (तालाब) लागू होगी। Duck House लाभुक द्वारा स्थानीय स्तर पर बनाया जाएगा। इस योजनान्तर्गत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं महिला कोटि के लाभुकों के लिए प्रति एक एकड़ हेतु राज्य सरकार का अंशदान 80 प्रतिशत् (अधिकतम मो0 1,22,680.00 (एक लाख बाईस हजार छः सौ अस्सी) रू0 मात्र) होगा तथा शेश अंशदान लाभुक का होगा। अन्य सभी कोटि के लाभुकों के लिए प्रति एक एकड़ राज्य सरकार का अंशदान 70 प्रतिशत् (अधिकतम् मो0 1,07,345.00 (एक लाख सात हजार तीन सौ पैंतालीस रू0 मात्र) होगा तथा शेश अंशदान लाभुक का होगा। योजना के लाभ हेतु विहित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित किया जाता है।

अर्हताएँः–
01. प्राथमिकता एक एकड़ अथवा उससे बड़े जलक्षेत्र के तालाबों को दी जाएगी किन्तु एक स्थल/लाभुक पर एक यूनिट (160 Ducklings) ही स्वीकृत किया जाएगा। RFF के लिए भी प्रति स्थल अधिकतम दो इकाई (Two units) की परियोजना होगी। लाभुक का अंशदान वहाँ कार्यरत लाभुक समूह/मत्स्य जीवी सहयोग समिति द्वारा वहन किया जाएगा।
02. योजना कार्यान्वयन का प्रस्तावित स्थल आबादी के नजदीक हो।
03. लाभुक का अपना तालाब (प्राथमिकता एक एकड़ अथवा उससे बड़े तालाब) हो अथवा वित्तीय वर्श 2026–27 से तीन वर्शों के लिए लीज पर हो।
04. जिला मुख्यालय के नजदीक के लाभुकों को प्राथमिकता दी जाएगी ताकि अनुश्रवण आदि में सुविधा हो।
05. RFF के पास के लाभुकों के चयन में ध्यान रखा जाएगा कि RFF का लाभुक समूह सक्रिय हो तथा उनका बैंक खाता संचालित हो रहा हो।
06. Cluster के लाभुकों को प्राथमिकता दी जाएगी।

आवेदन प्रपत्र प्राप्ति (निःशुल्क) का स्थान – जिला मत्स्य कार्यालय, गुमला।
आवेदन प्रपत्र जमा करने का स्थान – जिला मत्स्य कार्यालय, गुमला (कार्यालय अवधि में)
आवेदन प्रपत्र जमा करने की अन्तिम तिथि – 15.07.2026.

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गुमला

PR 384076 Fish(26-27)#D

लोकतंत्र की मूल आत्मा की रक्षा और भारत का भविष्य

भारत केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की सभ्यता, संस्कृति, ज्ञान, आध्यात्मिकता और लोकतांत्रिक परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत ने यह सिद्ध किया है कि विविधताओं से भरे समाज में भी लोकतांत्रिक मूल्यों को न केवल स्थापित किया जा सकता है, बल्कि उन्हें निरंतर मजबूत भी बनाया जा सकता है। आज जब विश्व के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाएं विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रही हैं, तब भारत का लोकतंत्र अपनी जीवंतता, स्थिरता और व्यापक जनभागीदारी के कारण वैश्विक स्तर पर एक प्रेरक उदाहरण बना हुआ है।भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था केवल संविधान की धाराओं या चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं है। यह हमारे सामाजिक जीवन, सांस्कृतिक मूल्यों, सहिष्णुता, परस्पर सम्मान और संवाद की परंपरा में भी गहराई से समाहित है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ जनता की भागीदारी, समान अवसर, न्याय और उत्तरदायित्व है। भारतीय समाज ने इन मूल्यों को सदियों से अपने व्यवहार में अपनाया है।

भारत में लोकतांत्रिक परंपराएं आधुनिक काल की देन नहीं हैं। प्राचीन भारत के गणराज्यों, सभा और समिति जैसी संस्थाओं में सामूहिक निर्णय लेने की परंपरा विद्यमान थी। वैदिक काल से लेकर बौद्ध काल तक अनेक ऐसे उदाहरण मिलते हैं, जहां शासन व्यवस्था में जनता की भागीदारी सुनिश्चित की जाती थी।आधुनिक लोकतंत्र की स्थापना स्वतंत्रता संग्राम के दौरान विकसित राष्ट्रीय चेतना के साथ हुई। महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा और जनसहभागिता को स्वतंत्रता आंदोलन का आधार बनाया। पंडित जवाहरलाल नेहरू, डॉ. भीमराव आंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद, डॉ. राजेंद्र प्रसाद और अनेक महान नेताओं ने एक ऐसे भारत की कल्पना की, जहां प्रत्येक नागरिक समान अधिकारों के साथ सम्मानपूर्वक जीवन जी सके।

26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के साथ भारत ने लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में एक नए युग की शुरूआत की। यह केवल शासन परिवर्तन नहीं था, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और मानव गरिमा की स्थापना का ऐतिहासिक संकल्प था।

संविधानः लोकतंत्र की आधारशिला

भारतीय संविधान विश्व का सबसे विस्तृत लिखित संविधान है। इसकी प्रस्तावना भारत को संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करती है। संविधान प्रत्येक नागरिक को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व का अधिकार प्रदान करता है।मौलिक अधिकार नागरिकों को स्वतंत्र जीवन का आधार देते हैं, वहीं राज्य के नीति-निर्देशक तत्व शासन को जनकल्याणकारी दिशा प्रदान करते हैं। मौलिक कर्तव्य नागरिकों को यह स्मरण कराते हैं कि अधिकारों के साथ जिम्मेदारियां भी जुड़ी होती हैं।

डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान सभा में कहा था कि संविधान तभी सफल होगा जब उसे संचालित करने वाले लोग लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पित होंगे। इसलिए संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जीवन का नैतिक मार्गदर्शक है। भारत में सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियां, अनेक धर्म, संस्कृतियां, परंपराएं और जीवन-पद्धतियां विद्यमान हैं। इतनी विशाल विविधता के बावजूद भारत एक राष्ट्र के रूप में मजबूती से खड़ा है। यही उसकी सबसे बड़ी लोकतांत्रिक उपलब्धि है।भारत का लोकतंत्र सभी नागरिकों को समान अवसर प्रदान करता है। किसी व्यक्ति की भाषा, धर्म, जाति, क्षेत्र या संस्कृति उसके अधिकारों में बाधा नहीं बनती। यही समावेशी दृष्टिकोण भारत को विश्व के अन्य लोकतंत्रों से अलग पहचान देता है।

नए भारत के शिल्पकार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी

ललित गर्ग

भारत का इतिहास केवल उन व्यक्तियों को याद नहीं रखता जिन्होंने सत्ता संभाली, बल्कि उन महापुरुषों को भी स्मरण करता है जिन्होंने राष्ट्र के भविष्य की दिशा निर्धारित की। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऐसे ही राष्ट्रपुरुष एवं राष्ट्र-निमार्ता थे, जिनकी दृष्टि तत्कालीन राजनीति की सीमाओं से कहीं आगे जाकर एक शक्तिशाली, आत्मनिर्भर, सांस्कृतिक रूप से जागृत और अखण्ड भारत के निर्माण पर केन्द्रित थी। उनकी 125वीं जयंती ऐसे समय में मनाई जा रही है जब भारत विकसित भारत-2047 के राष्ट्रीय संकल्प के साथ विश्व की अग्रणी शक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह केवल एक संयोग नहीं, बल्कि इतिहास का वह बिंदु है जहाँ डॉ. मुखर्जी के विचार और वर्तमान भारत की विकास यात्रा एक-दूसरे से मिलते दिखाई देते हैं। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन केवल एक राजनेता का जीवन नहीं था, वे एक विलक्षण शिक्षाविद्, दूरदर्शी चिंतक, निर्भीक राष्ट्रवादी, कुशल प्रशासक और लोकतांत्रिक मूल्यों के सजग प्रहरी थे। उन्होंने राष्ट्रवाद को कभी संकीर्ण राजनीतिक विचारधारा नहीं माना, बल्कि उसे भारत की सांस्कृतिक चेतना, राष्ट्रीय एकता और जनकल्याण का आधार बताया। उनका मानना था कि भारत केवल भौगोलिक सीमाओं का नाम नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की सांस्कृतिक चेतना से निर्मित एक जीवंत राष्ट्र है।

आज जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक भारत-श्रेष्ठ भारत, आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत-2047 और ह्यविश्वगुरु भारत की परिकल्पना को मूर्त रूप देने में जुटे हैं, तब डॉ. मुखर्जी की वैचारिक विरासत और भी अधिक प्रासंगिक हो जाती है। स्वयं प्रधानमंत्री मोदी अनेक अवसरों पर उन्हें आधुनिक भारत के महान निमार्ताओं में स्थान दे चुके हैं। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का ऐतिहासिक निर्णय केवल एक संवैधानिक परिवर्तन नहीं था, बल्कि डॉ. मुखर्जी के उस अधूरे संकल्प की ऐतिहासिक पूर्णता थी जिसके लिए उन्होंने अपना जीवन तक न्योछावर कर दिया था। डॉ. मुखर्जी ने स्पष्ट कहा थाह्य ह्यएक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे। यह केवल एक राजनीतिक नारा नहीं था, बल्कि भारत की अखण्ड राष्ट्रीय चेतना का उद्घोष था। उन्होंने यह सिद्ध किया कि राष्ट्रीय एकता किसी समझौते का विषय नहीं हो सकती। आज जम्मू-कश्मीर का पूर्ण संवैधानिक एकीकरण उनके बलिदान का जीवंत स्मारक है।

डॉ. मुखर्जी का व्यक्तित्व जितना राजनीतिक था, उससे कहीं अधिक बौद्धिक और शैक्षणिक था। मात्र 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बनना उनकी असाधारण प्रतिभा का प्रमाण था। उन्होंने शिक्षा को केवल रोजगार प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का आधार माना। उनका विश्वास था कि ऐसी शिक्षा, जिसमें विज्ञान की आधुनिकता और अध्यात्म की संवेदनशीलता का समन्वय हो, वही भारत को पुनः विश्वगुरु बना सकती है। आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्परा, मातृभाषा, अनुसंधान और नवाचार पर जो बल दिया जा रहा है, उसमें भी कहीं न कहीं डॉ. मुखर्जी की शिक्षा-दृष्टि की प्रतिध्वनि सुनाई देती है। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को भी आत्मनिर्भरता, स्वदेशी और

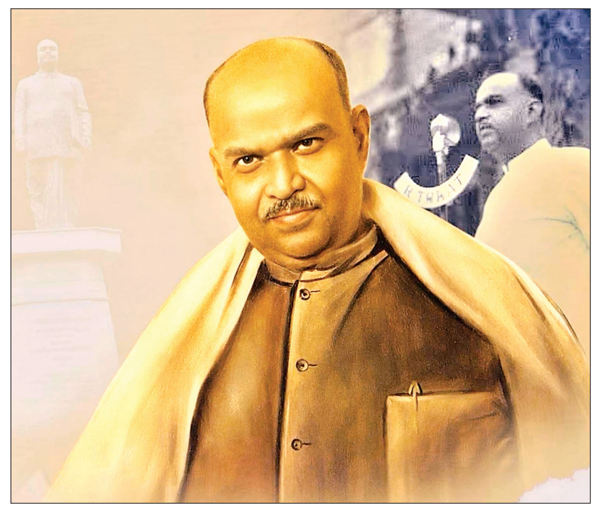

उत्पादन-आधारित विकास से जोड़कर देखा। उनका मानना था कि आर्थिक स्वतंत्रता के बिना राजनीतिक स्वतंत्रता अधूरी है। आज भारत विनिर्माण, डिजिटल तकनीक, स्टार्टअप, सेमीकंडक्टर, हरित ऊर्जा, रक्षा उत्पादन और वैश्विक निवेश के क्षेत्र में जो नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर रहा है, वह उसी आत्मनिर्भर भारत की भावना को सशक्त करता है जिसका बीजारोपण स्वतंत्रता के प्रारंभिक वर्षों में अनेक राष्ट्रनिमार्ताओं ने किया था।

डॉ. मुखर्जी लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित नहीं मानते थे। उनके लिए लोकतंत्र का अर्थ था-नागरिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी, समान अधिकार और राष्ट्रहित सर्वोपरि। उन्होंने सत्ता के विरोध में भी वही कहा जिसे वे राष्ट्रहित में उचित मानते थे। नेहरू मंत्रिमंडल से उनका त्यागपत्र सिद्धांतों की राजनीति का उत्कृष्ट उदाहरण है। आज जब राजनीति में मूल्य, नैतिकता और वैचारिक प्रतिबद्धता की चर्चा होती है, तब उनका जीवन आदर्श प्रेरणा बनकर सामने आता है। भारत के विभाजन के समय उन्होंने बंगाल के हिंदू-बहुल क्षेत्रों को भारत में बनाए रखने के लिए जो संघर्ष किया, वह उनके दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण था। यदि उनका हस्तक्षेप न होता तो आज का पश्चिम बंगाल भी भारत का हिस्सा न होता। उन्होंने विभाजन को ऐतिहासिक विवशता माना, लेकिन सांस्कृतिक भारत की एकता को कभी खंडित नहीं माना। उनका अखण्ड भारत का विचार किसी भू-राजनीतिक विस्तार का नहीं, बल्कि सांस्कृतिक समरसता, साझा विरासत और सभ्यतागत एकात्मता का विचार था। डॉ. मुखर्जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे। उन्होंने ऐसी राजनीतिक संस्कृति की नींव रखी जिसमें राष्ट्र सर्वोपरि हो, शासन पारदर्शी हो और राजनीति सेवा का माध्यम बने। आज भारतीय लोकतंत्र जिस परिपक्वता के साथ विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था के रूप में प्रतिष्ठित है, उसमें उनके योगदान को विस्मृत नहीं किया जा सकता। उन्होंने वैचारिक विपक्ष को लोकतंत्र की आवश्यक शक्ति माना और स्वस्थ लोकतांत्रिक संवाद का समर्थन किया।

आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का राष्ट्रीय लक्ष्य केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक आत्मविश्वास, तकनीकी नेतृत्व, पर्यावरणीय संतुलन, सुशासन और वैश्विक उत्तरदायित्व का समेकित संकल्प है। इस संकल्प की वैचारिक भूमि पर यदि किसी राष्ट्रपुरुष की छाप स्पष्ट दिखाई देती है, तो उनमें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनका विश्वास था कि भारत अपनी सांस्कृतिक आत्मा को सुरक्षित रखते हुए ही आधुनिकता का नेतृत्व कर सकता है। यही आज के नए भारत की मूल पहचान भी बन रही है। भारत की युवा पीढ़ी के लिए डॉ. मुखर्जी का जीवन विशेष प्रेरणा है। उन्होंने सिद्ध किया कि आयु नहीं, दृष्टि राष्ट्र निर्माण करती है। युवा कुलपति, युवा सांसद, युवा केंद्रीय मंत्री और एक नए राजनीतिक आंदोलन के संस्थापक के रूप में उन्होंने युवाओं को नेतृत्व, साहस और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। आज जब भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र है, तब उनके विचार युवाओं को केवल सफल नहीं, बल्कि उत्तरदायी नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं।

डॉ. मुखर्जी का राष्ट्रवाद समावेशी था। वे भारत की विविधता को उसकी शक्ति मानते थे। उनका आग्रह था कि भाषा, क्षेत्र, जाति और पंथ की विविधताओं के बावजूद भारत की राष्ट्रीय पहचान एक ही है। आज ह्यएक भारत-श्रेष्ठ भारतह्न का अभियान इसी राष्ट्रीय एकात्मता को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है। उनका जीवन यह भी सिखाता है कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकारों का कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। यदि भारत को 2047 तक विकसित, समृद्ध और विश्वगुरु बनाना है तो केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं होगा। हमें चरित्रवान नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सामाजिक समरसता, वैज्ञानिक सोच, सांस्कृतिक आत्मगौरव, नैतिक राजनीति और उत्तरदायी लोकतंत्र का भी निर्माण करना होगा। यही डॉ. मुखर्जी का वास्तविक संदेश था।

आज आवश्यकता केवल उनकी जयंती मनाने की नहीं, बल्कि उनके विचारों को राष्ट्रीय जीवन में उतारने की है। जब भारत वैश्विक मंच पर नई भूमिका निभाने के लिए तैयार हो रहा है, तब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन हमें यह विश्वास दिलाता है कि जो राष्ट्र अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ा रहता है, वही आधुनिकता के शिखर तक पहुँचता है। उनकी 125वीं जयंती पर यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी कि हम उनके राष्ट्रप्रेम, लोकतांत्रिक मूल्यों, शिक्षा-दृष्टि, आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक चेतना और अखण्ड भारत के संकल्प को अपने राष्ट्रीय चरित्र का अंग बनाएं। यदि हम ऐसा कर सके, तो वर्ष 2047 का विकसित, समृद्ध, आत्मविश्वासी और विश्वगुरु भारत केवल एक सपना नहीं रहेगा, बल्कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की दूरदृष्टि और करोड़ों भारतीयों के सामूहिक पुरुषार्थ से साकार होने वाला ऐतिहासिक यथार्थ बनेगा। उनके विचार आज भी नए भारत की यात्रा के पथप्रदर्शक हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बने रहेंगे।

सूडोकु नवताल- 7846

★☆☆☆☆ सरल

5	9		1		2		3	8
			4		5			
2								5
		3		5		4	8	
	7						1	
	5	8		6		9		
8								1
			2		9			
3	4		6		7		5	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7845 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

लोककला से लोकसमृद्धि तक : बिहार के सांस्कृतिक पुनर्जागरण की नई कहानी

डॉ. मीना कुमारी

बिहार की पहचान केवल नालंदा, वैशाली और बोधगया तक सीमित नहीं है। यह राज्य अपनी जीवंत लोक कलाओं, लोकगीतों और पारंपरिक शिल्प के कारण भी विश्व पटल पर विशिष्ट स्थान रखता है। मधुबनी चित्रकला, मंजूषा कला, सिक्की शिल्प, सुजनी कढ़ाई, बिदेसिया और जट-जटिन जैसी विधाएं बिहार की सांस्कृतिक आत्मा हैं। किंतु लंबे समय तक इन कलाओं के सृजक कलाकार सम्मान से अधिक संघर्ष का जीवन जीते रहे। उनके सामने बाजार का अभाव, पूंजी की कमी, तकनीकी पिछड़ापन और संस्थागत समर्थन का संकट था।

पिछले कुछ वर्षों में यह परिदृश्य बदलने लगा है। केंद्र की विरासत से विकास की नीति और बिहार सरकार के सांस्कृतिक संरक्षण एवं कौशल संवर्धन के प्रयासों ने लोक कलाकारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में उल्लेखनीय आधार तैयार किया है। आज पहली बार लोककला को केवल सांस्कृतिक धरोहर नहीं बल्कि क्रिएटिव इकोनॉमी यानी रचनात्मक अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जा रहा है। इसी सोच के अनुरूप भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने क्रिएटिव इकोनॉमी के लिए अलग नीति आधारित पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक उद्योगों को रोजगार, नवाचार और वैश्विक बाजार से जोड़ना है।

इस परिवर्तन की सबसे बड़ी पहचान प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना है। परंपरागत कारीगरों और शिल्पकारों को पहचान, कौशल उन्नयन, आधुनिक औजार, आसान ऋण, डिजिटल भुगतान और विपणन सहायता देने वाली यह योजना पहली बार शिल्पकार को केवल लाभार्थी नहीं बल्कि उद्यमी के रूप में स्थापित करती है। बिहार में इसके परिणाम उल्लेखनीय रहे हैं। सरकारी आँकड़ों के अनुसार राज्य में 1.62 लाख से अधिक पारंपरिक कारीगर पंजीकृत हुए, 1.05 लाख से अधिक को प्रशिक्षण मिला, लगभग 19 हजार लाभार्थियों को 160 करोड़ रुपये से अधिक का रियायती ऋण मिला तथा हजारों आधुनिक टूल किट वितरित किए गए। लाभार्थियों में बड़ी संख्या अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्ग और महिलाओं की है।

यह परिवर्तन केवल एक योजना का परिणाम नहीं है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) जैसी पहल ने जिलों की विशिष्ट कला और उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान देने का नया अवसर दिया है। बिहार के हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पाद अब स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं रह गए हैं बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक बाजार से जोड़ने की रणनीति विकसित की जा रही है।

बिहार सरकार ने भी इस दिशा में समानांतर प्रयास किए हैं। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा आयोजित बिहार दिवस, राज्य स्तरीय लोक महोत्सव, जिला स्तरीय सांस्कृतिक आयोजन, कलाकार सम्मान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने लोक कलाकारों को मंच उपलब्ध कराया है। पटना का बिहार संग्रहालय तथा विभिन्न सांस्कृतिक संस्थान राज्य की लोक परंपराओं को नई पीढ़ी और पर्यटकों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार संरक्षण की पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर संस्कृति को विकास के संसाधन के रूप में देख रही है।

मधुबनी चित्रकला इसका सबसे प्रेरक उदाहरण है। जीआई (ज्योग्राफिकल इंडिकेशन) टैग मिलने के बाद इस कला की वैश्विक पहचान और मजबूत हुई है। मिथिलांचल की हजारों महिला कलाकार आज स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से देश-विदेश के बाजारों तक पहुंच रही हैं। यह केवल कला का विस्तार नहीं बल्कि महिला उद्यमिता और ग्रामीण आत्मनिर्भरता का भी सशक्त मॉडल है। आज विश्व स्तर पर भी यही दृष्टिकोण विकसित हो रहा है। रचनात्मक उद्योगों को रोजगार, समावेशी विकास और स्थानीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार माना जा रहा है। भारत ने भी जी-20 के बाद संस्कृति को विकास की केंद्रीय धुरी के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस पहल की है।

निःस्संदेह, चुनौतियाँ अभी भी हैं। सभी कलाकारों का डिजिटल डेटाबेस तैयार होना बाकी है। विपणन क्षमता को और मजबूत करना होगा। डिजाइन नवाचार, निर्यात, ई-कॉमर्स, पर्यटन और बौद्धिक संपदा संरक्षण के क्षेत्र में अभी व्यापक संभावनाएँ हैं। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि आज नीति की दिशा पहले की तुलना में कहीं अधिक स्पष्ट और दूरदर्शी दिखाई देती है।

आगे की रणनीति भी स्पष्ट होनी चाहिए-लोक कलाकारों का राज्यव्यापी डिजिटल रजिस्टर, सांस्कृतिक पर्यटन सर्किट, विश्वविद्यालयों में लोककला अध्ययन, ई-कॉमर्स आधारित विपणन, निर्यात प्रोत्साहन और युवाओं के लिए कौशल कार्यक्रम। यदि इन पहलों को वर्तमान योजनाओं के साथ जोड़ा जाए तो बिहार की लोक कलाएं लाखों परिवारों की आय का स्थायी आधार बन सकती हैं।

बिहार के विकास की कहानी केवल आर्थिक सूचकांकों से नहीं लिखी जाएगी। वह उस दिन पूर्ण होगी, जब मधुबनी की चित्ररेखाएँ, मंजूषा की कथाएँ, सिक्की की बुनावट और लोक गायकों की स्वर परंपरा राज्य के ग्रामीण परिवारों की समृद्धि का माध्यम बनेंगी। केंद्र और राज्य सरकार ने इस दिशा में मजबूत नींव रखी है। अब आवश्यकता है कि नीति, समाज और बाजार मिलकर इस सांस्कृतिक पूंजी को आर्थिक शक्ति में बदलें। बिहार की लोक कलाओं का भविष्य आज पहले से कहीं अधिक आश्वस्त दिखाई देता है। यदि यही गति और यही प्रतिबद्धता बनी रही तो आने वाले वर्षों में बिहार केवल अपनी विरासत को संरक्षित करने वाला राज्य नहीं रहेगा बल्कि लोककला आधारित समावेशी विकास का राष्ट्रीय मॉडल बनकर उभरेगा।

पर्यावरण नहीं, अस्तित्व का प्रश्न है वनों का संरक्षण

योगेश कुमार गोयल

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव पूजनीय माना गया है। हमारे पर्व और उत्सव केवल सामाजिक उल्लास के अवसर नहीं रहे बल्कि प्रकृति और मानव के सह अस्तित्व के प्रतीक भी रहे हैं। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के क्षरण, प्रदूषण और जल संकट जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों से जूझ रही है, तब भारत में 1 से 7 जुलाई तक मनाया जाने वाला ह्यवन महोत्सवह्न केवल वृक्षारोपण का अभियान नहीं बल्कि पृथ्वी पर जीवन बचाने का राष्ट्रीय संकल्प बन चुका है। वास्तव में वर्तमान समय की आवश्यकताओं को देखा जाए तो वन महोत्सव से बड़ा कोई उत्सव नहीं हो सकता क्योंकि इसका संबंध केवल पर्यावरण से नहीं बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य से है।

भारतीय परंपरा में वनों को देवतुल्य माना गया है। वे केवल पेड़ों का समूह नहीं बल्कि पृथ्वी के फेफड़े, जैव विविधता के सबसे बड़े आश्रय, नदियों के संरक्षक, जलवायु संतुलन के प्रहरी तथा करोड़ों लोगों की आजीविका के आधार हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति से ठीक पहले जुलाई 1947 में दिल्ली में चलाए गए व्यापक वृक्षारोपण अभियान ने वन महोत्सव की अवधारणा को जन्म दिया था, जिसे वर्ष 1950 में तत्कालीन केंद्रीय कृषि एवं खाद्य मंत्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। जुलाई के प्रथम सप्ताह का चयन इसलिए किया गया क्योंकि दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान मिट्टी में पर्याप्त नमी होने से पौधों के जीवित रहने की संभावना सर्वाधिक रहती है। आज यह अभियान भारत के वसुधैव कुटुम्बकम के दर्शन का जीवंत प्रतीक बन चुका है।

वनों की स्थिति विश्व स्तर पर चिंताजनक बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पृथ्वी का केवल लगभग 31 प्रतिशत भूभाग ही वनाच्छादित है जबकि प्रतिवर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र अवैध कटाई, औद्योगिकीकरण, खनन और अवसंरचनात्मक विकास की भेंट चढ़ रहा है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यदि यही प्रवृत्ति जारी रही तो आगामी दशकों में विश्व के अनेक वर्षावन गंभीर संकट में पड़ सकते हैं। ऐसे समय में भारत जैसे विशाल और जैव विविधता से समृद्ध देश की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। भारत ने हाल के वर्षों में वन संरक्षण और वृक्षारोपण की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए हैं।

भारतीय वन सर्वेक्षण की भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) के अनुसार, देश का कुल वन एवं वृक्ष आवरण बढ़कर 8,27,357 वर्ग किलोमीटर हो गया है, जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 25.17 प्रतिशत है। इसमें 7,15,343 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र तथा 1,12,014 वर्ग किलोमीटर वृक्ष आवरण शामिल है। पिछले आकलन की तुलना में कुल हरित आवरण में 1,445 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज हुई। क्षेत्रफल के आधार पर मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला राज्य है जबकि अरुणाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ उसके बाद आते हैं। वहीं, वन घनत्व के अनुपात में मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय अग्रणी हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ग्लोबल फॉरेस्ट रिसोर्सेज असेसमेंट रिपोर्ट में भारत को कुल वन क्षेत्र के आधार पर विश्व में नौवां स्थान तथा वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में अग्रणी देशों में स्थान प्राप्त हुआ है।

हालांकि इन उपलब्धियों के साथ कुछ गंभीर चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि हरित आवरण में हुई वृद्धि का बड़ा हिस्सा प्राकृतिक सघन वनों के बजाय खुले वनों तथा व्यावसायिक वृक्षारोपण के कारण हुआ है। प्राकृतिक वन केवल पेड़ों का समूह नहीं होते बल्कि हजारों वनस्पतियों, जीव-जंतुओं, सूक्ष्म जीवों और जल स्रोतों का जटिल पारिस्थितिकी तंत्र होते हैं। इनका स्थान कृत्रिम पौधारोपण कभी नहीं ले सकता। विशेष चिंता का विषय पूर्वोत्तर भारत है, जहां सड़क निर्माण, जलविद्युत परियोजनाओं, झूम खेती, भूस्खलन तथा अन्य विकास गतिविधियों के कारण कई क्षेत्रों में वन क्षेत्र में कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर विकास परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई के बाद प्रतिपूरक वृक्षारोपण तो किया जाता है लेकिन पौधों की देखभाल, सिंचाई और संरक्षण की अनदेखी के कारण उनमें से अधिकांश जीवित नहीं रह पाते। केवल पौधे लगा देना पर्याप्त नहीं है बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना ही वास्तविक सफलता है।

आज वन मानव स्वास्थ्य के सबसे बड़े संरक्षक बन चुके हैं। वायु प्रदूषण, जल संकट और भूमि के मरुस्थलीकरण जैसी समस्याओं का सबसे प्रभावी और किफायती समाधान वृक्ष ही हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर जलवायु परिवर्तन की गति को धीमा करते हैं, ऑक्सीजन उपलब्ध कराते हैं, वर्षा चक्र को संतुलित रखते हैं, भूजल स्तर बनाए रखते हैं तथा मिट्टी के कटाव को रोकते हैं। बढ़ते प्रदूषण के कारण कैंसर, हृदय रोग, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित बीमारियों में तेजी से वृद्धि हो रही है। साथ ही, अनियमित मानसून, भीषण हीटवेव, सूखा, क्लाउडबर्स्ट और जंगलों में आग जैसी घटनाएं स्पष्ट संकेत हैं कि प्रकृति का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। इस संकट से निपटने के लिए भारत ने वर्ष 2030 तक अतिरिक्त 2.5 से 3 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर कार्बन सिंक विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें वनों की भूमिका निर्णायक होगी।

दैनिक पंचांग

5 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

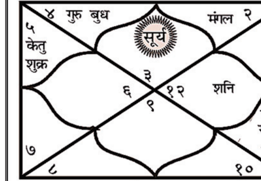

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.14 बजे से
चंद्र	कुंभ में	सिंह	08.30 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.42 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	12.53 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.07 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	17.23 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.29 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.15 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.48 बजे से
		मेष	00.18 बजे से
		वृष	01.58 बजे से
		मिथुन	03.57 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2026 वर्ष का 186 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि पंचमी 13.31 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 15.13 बजे को समाप्त।
योग आयुष्मान 16.40 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 13.31 बजे तदनन्तर गर 01.44 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 19.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 48'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872761
जूलियन दिन 2461226.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना मोहर्रम
तारीख 19

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

हर पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल हो समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पूरा हो पुनरीक्षण कार्य : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 अभियान के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र के निवार्ची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन के साथ संयुक्त रूप से विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रहसपुर, बूथ संख्या-266, बूथ संख्या-193 (प्राथमिक विद्यालय, रणडागा) तथा बूथ संख्या-403 (बैंक कॉलोनी) का भ्रमण कर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा किए जा रहे कार्यों, प्रपत्रों के संधारण, घर-घर संपर्क अभियान, मतदाताओं से प्राप्त आवेदनों की स्थिति तथा भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप पुनरीक्षण कार्यों की गहन समीक्षा की। उन्होंने संबंधित बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया कि आयोग के निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन करते हुए प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करें तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर शत-प्रतिशत कवरेज के साथ पुनरीक्षण कार्य पूर्ण करें। उपायुक्त ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन एवं समावेशी बनाना है। इसके लिए नए पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ना, अपात्र अथवा स्थानांतरित मतदाताओं की प्रविष्टियों का नियमानुसार निष्पादन करना तथा आवश्यक संशोधनों को पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संपन्न करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि पुनरीक्षण कार्य के दौरान किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए। प्रत्येक आवेदन का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं नियमसम्मत निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि सभी योग्य नागरिक अपने लोकतांत्रिक अधिकार का निर्बाध रूप से प्रयोग कर सकें। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने मतदान केंद्रों पर उपस्थित मतदाताओं से भी संवाद स्थापित किया। उन्होंने अभियान की प्रगति की जानकारी ली तथा नागरिकों से अपने नाम का मतदाता सूची में सत्यापन करने, आवश्यक होने पर निर्धारित प्रपत्र के माध्यम से आवेदन करने एवं अन्य पात्र नागरिकों को भी इस अभियान से जोड़ने की अपील की। इस अवसर पर एईआरओ सह अंचलाधिकारी, पाकुड़ अरविन्द कुमार बेदिया उपस्थित थे।

एक नजर

सांप काटने की दो अलग-अलग घटना में दो महिला इलाजरत

साहिबगंज : जिले के राजमहल थाना क्षेत्र में शनिवार को सांप के काटने की दो अलग-अलग घटनाओं में दो महिलाएं घायल हो गईं। दोनों को परिजनों ने समय रहते अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पहली घटना मंगलहाट के मेंहदीपुर गांव की है। यहां 45 वर्षीय शकुंतला देवी घर के बाहर पोखर में स्नान कर रही थीं। इसी दौरान एक सांप ने उनके पैर में काट लिया। उनकी चीख सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में उन्हें अनुमंडल अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां ड्यूटी में मौजूद डॉ ने उन्हें भर्ती कर ईलाज किया। वही दूसरी घटना थाना क्षेत्र अंतर्गत हाफु टोला की है जहां मुजम्मिल शेख की 26 वर्षीय पत्नी हेना बीबी घर का काम कर रही थीं। इसी दौरान एक जहरीले सांप ने उन्हें काट लिया, जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ीं। परिजनों ने बिना देर किए उन्हें भी अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। ड्यूटी पर मौजूद डॉ. सादिक अंसारी ने बताया कि दोनों महिलाओं का इलाज चल रहा है। समय पर अस्पताल पहुंचने से उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है।

भूलवश जहरीला पदार्थ खाने से दो की हालत बिगड़ी

साहिबगंज: जिले अंतर्गत शनिवार को राजमहल एवं तीनपहाड़ थाना क्षेत्र में भूलवश जहरीला पदार्थ खाने की दो अलग-अलग घटनाओं से परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। इन घटनाओं में दो की हालत गंभीर हो गई। समय रहते परिजनों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया। मिली जानकारी के अनुसार पहली घटना राजमहल थाना क्षेत्र के मंगलहाट की है। यहां आशीष महलदार की पत्नी पंचमी देवी (20) ने अनजाने में घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ ही देर में उनकी तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी। हालत बिगड़ते देख परिजनों ने बिना देर किए उन्हें अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉ की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। वहीं तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के छोटा खुटहरी गांव में लालचन मल्लिक (26) ने गेहूं में कीड़ा की रोकथाम करने वाला सल्फास की गोली भूलवश खा लिया। जहरीले पदार्थ का असर होते ही उनकी हालत गंभीर हो गई। परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक ईलाज के बाद ड्यूटी पर मौजूद डॉ सादिक अंसारी ने युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। दोनों घटनाओं की सूचना संबंधित थाना पुलिस को दे दी गई थी।

एक वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

साहिबगंज: राधानगर पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर एक वारंटी को गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार राजमहल न्यायालय में राधानगर थाना क्षेत्र के उत्तरी सरफराजगंज पंचायत अंतर्गत महाजन टोली निवासी निखिल मंडल के खिलाफ जीआर नं.226/23 एन बी इब्लु के तहत मामला दर्ज था। न्यायालय से वारंट जारी होने के बाद राधानगर पुलिस में न्यायालय के आदेश पर छापेमारी अभियान चलाते हुए निखिल मंडल को गिरफ्तार किया गया।

करंट लगने से अलग-अलग घटनाओं में दो लोग घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राजमहल व राधानगर थाना क्षेत्र में शनिवार को करंट लगने की दो अलग-अलग घटनाओं में एक किशोरी समेत दो लोग घायल हो गए। दोनों घायलों का ईलाज अनुमंडल अस्पताल में चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के शोभापुर गांव के गंगाराम मंडल की पुत्री ज्योति कुमारी (14) घर में मिक्सर ग्राइंडर का स्विच ऑन कर रही थी। इसी दौरान मिक्सर के कटे हुए बिजली के तार के संपर्क में आने से उसे तेज करंट का झटका लगा और वह गंभीर रूप से झुलस गई। परिजनों ने तत्काल उसे अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार चल रहा है। वहीं, राधानगर थाना क्षेत्र के प्यारपुर गांव में घर में बिजली संबंधी कार्य करने के दौरान फातिमा बीबी (38) करंट की चपेट में आ गई। घटना के बाद परिजनों ने उन्हें भी अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया। ड्यूटी में मौजूद डॉ सादिक अंसारी ने बताया दोनों की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर है।

पुन्नी टोला में घर से युवक का शव बरामद, चार दिन से था लापता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

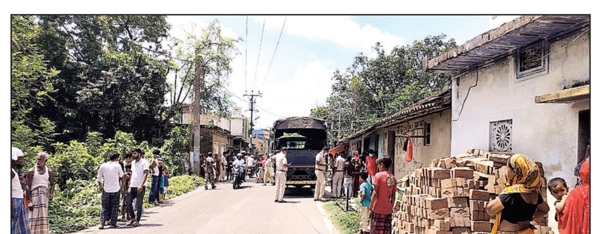

साहिबगंज : राजमहल थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या 4 स्थित पुन्नी टोला मोहल्ले में शनिवार को एक घर से 38 वर्षीय युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान इकबाल अहमद अंसारी के पुत्र फरहान अहमद अंसारी उर्फ गुल्लाह के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, दोपहर के समय घर से तेज दुर्गंध आने पर आसपास के लोगों और राहगीरों को संदेह हुआ। इसके बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना राजमहल थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना के एसआई रवि कुमार झा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घर के अंदर प्रवेश किया। जांच के दौरान एक कमरे में फरहान अंसारी का शव निर्वस्त्र अवस्था में पड़ा मिला, जिससे काफी दुर्गंध आ रही थी। पुलिस ने शव को बाहर निकालकर पहचान कराई, जहां मोहल्लेवासियों और परिजनों ने उसकी पहचान फरहान अंसारी के रूप में की। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज दिया।

परिजनों और स्थानीय लोगों के अनुसार, फरहान अंसारी मानसिक रूप से अस्वस्थ था तथा अविवाहित था। वह घर में अकेले रहता था। मोहल्ले के लोगों ने बताया कि पिछले चार दिनों से उसे किसी ने नहीं देखा था। घर से दुर्गंध आने के बाद ही घटना की जानकारी सामने आई। जहां थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। यूडी केस दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

मारपीट में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत, दो आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राधानगर थाना क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत अंतर्गत नुराई गांव में बीते बुधवार की रात्रि मामूली विवाद को लेकर मारपीट की घटना में घायल 35 वर्षीय व्यक्ति ढाप सोरेन की इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले को लेकर मृतक के भतीजा प्रेम सोरेन ने राधानगर थाना में शुक्रवार को लिखित आवेदन देकर गांव के दो लोग मानवेल हेंब्रम, सविता हेंब्रम व रिश्तेदार पश्चिम बंगाल के ओल्ड मालदा निवासी सिमोन मुर्मू पर जानलेवा हमला कर हत्या करने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर राधानगर पुलिस ने मृतक के भतीजा प्रेम सोरेन के बयान पर थाना कांड संख्या 239/26 बीएनएस की धारा 127(2)/115(2)/117(2)/1

03(1)/329(3)/3(5) के तहत मानवेल हेंब्रम,सिमोन मुर्मू, सविता हेंब्रम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। वही राधानगर पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। विदित हो कि राधानगर थाना क्षेत्र के नुराई गांव में बुधवार की रात

मामूली विवाद में मारपीट की घटना में नूरिया निवासी ढाप सोरेन गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल की इलाज करने के लिए साहिबगंज सदर अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर के द्वारा प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए घायल व्यक्ति को रेफर कर दिया। परिजनों के द्वारा बेहतर इलाज के लिए शुक्रवार को भागलपुर ले जाया जा रहा था। लेकिन रास्ते में ही घायल व्यक्ति ढाप सोरेन ने दम तोड़ दिया। बताया जाता है कि व्यक्ति की मौत की खबर सुनते ही ग्रामीणों ने तीन कथित आरोपित को गांव में ही बंधक बना लिया था।इधर घटना की सूचना मिलते ही राधानगर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर तीनों बंधक बनाएं आरोपित को ग्रामीणों से मुक्त कराकर थाना लाया गया।

पंचायत भवनों में पेंशन योजनाओं के सत्यापन कार्य में आई तेजी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बरहेट प्रखंड क्षेत्र की सभी पंचायतों में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभुकों का सत्यापन कार्य तेज गति से किया जा रहा है। सत्यापन के लिए लाभुक निर्धारित तिथि के अनुसार संबंधित पंचायत भवन पहुंचकर अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ सत्यापन करा रहे हैं।सत्यापन अभियान के तहत वृद्धावस्था पेंशन, विकलांग पेंशन, पीवीटीजी पेंशन, निराश्रित पेंशन सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभुकों का सत्यापन किया जा रहा है। सत्यापन के दौरान लाभुकों के दस्तावेजों एवं पात्रता की जांच की जा रही है, ताकि योजनाओं का लाभ केवल योग्य लाभुकों को मिलता रहे। बीडीओ ने सभी पेंशनधारियों से निर्धारित तिथि पर संबंधित पंचायत भवन पहुंचकर समय पर अपना सत्यापन कराने की अपील की है, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

बारिश की बेरुखी से साहिबगंज के किसान बेहाल, धान रोपनी पर सूखे का साया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं, पर बादल है कि बरसते ही नहीं। साहिबगंज जिले के किसानों की यह पीड़ा अब गहरी चिंता में बदल चुकी है। जिले में कहीं-कहीं छिटपुट बूंदाबांदी तो हुई, लेकिन अधिकतर इलाके अब भी बारिश को तरस रहे हैं। नतीजा, धान रोपनी का सुनहरा वक्त हाथ से फिसल रहा है और खेतों में पपड़ी जमने के साथ दरारें भी चौड़ी होने लगी हैं।

हल नहीं चल रहा, रोपनी कैसे हो?

किसानों का दर्द यही है कि खेतों में हल चलाने लायक नमी तक नहीं है। मिट्टी सूखकर पत्थर हो गई है। रोहनी नक्षत्र में बड़े अरमानों से बिचड़ा

गिराया था, पर अब वही बिचड़ा खेतों में मुरझा रहा है। सावन का महीना सिर पर है, पर खेत अब तक प्यासे हैं। तालाब-डोभा भी सूखे पड़े हैं, जिससे सिंचाई का सहारा भी नहीं बचा। कई किसान डीजल पंप से काम चलाने की सोच रहे हैं, पर डीजल की कीमत और पानी की कमी दोनों जेब पर भारी पड़ रही है।

अल नीनो का असर, वैज्ञानिकों की चेतावनी

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने साफ चेतावनी दी है कि जुलाई से अल नीनो का असर दिखना शुरू हो गया है। इसका सीधा मतलब है सामान्य से कम बारिश। अगर यही ट्रेंड रहा तो जिले में 49 हजार हेक्टेयर में धान की खेती का लक्ष्य हासिल करना मुश्किल हो जाएगा। वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि कम पानी में तैयार होने वाली धान की प्रजातियां लगाएं और खेत की मेड़बंदी मजबूत करें ताकि जब भी बारिश हो, पानी खेत में रुक सके।

आंकड़े भी डरा रहे, बरहेट सबसे ज्यादा बेहाल

कृषि विभाग के आंकड़े किसानों की बेचैनी बढ़ा रहे हैं। जून में जिले में सामान्य वषार्पात 225 मिलीमीटर होना चाहिए था, लेकिन दर्ज हुई सिर्फ 134.89 मिलीमीटर बारिश। यानी लगभग 40 प्रतिशत कम। प्रखंडवार हाल देखें तो जिला मुख्यालय में सबसे ज्यादा 205 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि बरहेट प्रखंड में बादल सबसे ज्यादा कंजूस रहे, यहां सिर्फ 43.20 मिलीमीटर ही पानी बरसा। बोरियो में 98 मिमी., पतना में 112 मिमी. और तालझारी में 145 मिमी. बारिश रिकॉर्ड की गई।

मानसून आया पर झूमकर बरसा नहीं

12 जून को मानसून ने झारखंड में दस्तक तो दे दी, पर साहिबगंज में झमाझम बारिश का इंतजार अब भी जारी है। धान रोपनी के लिए खेत में 5-6 इंच पानी का भराव जरूरी है, जो ज्यादातर जगह नदारद है। मौसम विभाग का अनुमान भी फिलहाल राहत देने वाला नहीं है। अगले एक हफ्ते तक सिर्फ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है।

संक्षिप्त खबरें

एसडीपीओ ने थाना प्रभारियों संग की अपराध समीक्षा बैठक, फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के दिए निर्देश

साहिबगंज: अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय कक्ष में सदर एसडीपीओ सुशील कुमार ने शनिवार को थाना प्रभारियों एवं पुलिस निरीक्षकों के साथ अपराध नियंत्रण समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन एवं फरार आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। एसडीपीओ ने कहा कि सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करें तथा फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाएं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में आगामी हत्याकांड को लेकर भी विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया। एसडीपीओ ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में अप्रिय घटना न हो, इसके लिए पुलिस की पैनी नजर बनी रहनी चाहिए। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने एवं गश्ती बढ़ाने का भी निर्देश दिया गया। इस दौरान एसडीपीओ ने अपने अधीनस्थ क्षेत्र के थाना प्रभारियों एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अपराधियों को चिन्हित कर सख्त कानूनी कार्रवाई करें।बैठक में मुख्य रूप से जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह, मुफ्फसिल थाना प्रभारी अनीश पांडेय, मिजाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार, बोरियो थाना प्रभारी रोहित कुमार, एसटी-एससी थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

पाकुड़ के नए डीईएससी ने संभाला कार्यभार शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने पर रहेगा फोकस

पाकुड़ : जिले की नवपदस्थापित जिला शिक्षा अधीक्षक (डीईएससी) प्रियाश्री भगत ने शनिवार को निवर्तमान डीईएससी नयन कुमार से विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता जिले की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना, विद्यालयों में छात्रों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना तथा बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर परिणाम दिलाना होगा। कार्यभार ग्रहण के बाद कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। वहीं, निवर्तमान डीईएससी नयन कुमार को भावभीनी विदाई देते हुए उनके कार्यों की सराहना की गई। इस अवसर पर कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि प्रियाश्री भगत का यह पाकुड़ में पहला पदस्थापन है, जबकि नयन कुमार का स्थानांतरण साहिबगंज जिला शिक्षा पदाधिकारी के पद पर हुआ है।

जिला कांग्रेस की महासचिव बनीं मोनिता कुमारी

पाकुड़ : जिला कांग्रेस कमिटी की महासचिव पद पर पुनर्मनोनीत होने के बाद मोनिता कुमारी ने पार्टी के प्रदेश नेतृत्व से शिष्टाचार मुलाकात कर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने ऑल इंडिया कांग्रेस कमिटी की सचिव एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस की सह प्रभारी डॉ. बेला प्रसाद, प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सह पाकुड़ जिला प्रभारी जमील अख्तर तथा प्रदेश सचिव सह पाकुड़ विधानसभा प्रभारी ऐनुल हक अंसारी से मुलाकात कर संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की। बैठक के दौरान पार्टी को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने, कार्यकताओं को सक्रिय करने तथा जनसरोकार के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने की रणनीति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर डॉ. बेला प्रसाद ने मोनिता कुमारी को पुनः महासचिव बनाए जाने पर बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में जिले में कांग्रेस संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा पार्टी की नीतियां आम लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचेंगी।मोनिता कुमारी ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन पर जो भरोसा जताया है, उस पर वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगी। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं को साथ लेकर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने और जनता के हितों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाने के लिए वह निरंतर सक्रिय रहेंगी।

कस्तूरबा विद्यालय में छात्राओं को कानून का पाठ डायन प्रथा व बाल विवाह के खिलाफ दिलाई गई शपथ

पाकुड़ : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), पाकुड़ की ओर से पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, पाकुड़िया में 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं जनसंपर्क अभियान के तहत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष दिवाकर पांडेय के निर्देशन तथा सचिव बंदना किरो के मार्गदर्शन में हुआ। शिविर में लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ मो. नुकुमुद्दीन शेख ने छात्राओं को डायन प्रथा जैसी सामाजिक कुरीति के दुष्परिणामों और इससे जुड़े कानूनी प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी महिला को डायन बताकर प्रताड़ित करना, मारपीट करना या उसके विरुद्ध हिंसा करना कानूनन दंडनीय अपराध है। उन्होंने अंधविश्वास से दूर रहकर बीमारी का इलाज चिकित्सकों से कराने तथा निजी स्वार्थ या संपत्ति विवाद में किसी महिला को डायन बताने जैसी कुप्रथाओं का विरोध करने की अपील की। इस अवसर पर पैनल अधिवक्ता मीनू टुडू ने बाल विवाह, दहेज प्रथा और बाल श्रम जैसी सामाजिक बुराइयों के दुष्परिणामों तथा उनसे संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं से इन कुप्रथाओं के खिलाफ जागरूक रहने और समाज में जनजागरण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने डायन प्रथा, बाल विवाह, दहेज प्रथा और बाल श्रम जैसी सामाजिक बुराइयों का विरोध करने तथा इनके उन्मूलन के लिए जागरूकता फैलाने की शपथ ली। साथ ही उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा उपलब्ध निःशुल्क कानूनी सहायता, नालसा की विभिन्न योजनाओं, टोल फ्री हेल्पलाइन 15100 तथा पैरा लीगल वॉलंटियर्स की सेवाओं की भी जानकारी दी गई। शिविर में विद्यालय की वार्डेन असुन्ता मुर्मू, राखी चौधरी, शिक्षिकाएं, पीएलवी प्रियंका झा, किंगसुक नाग, सीमा साहा, मल्लिका सरकार सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

एक नजर

बीएसएल में 'डिसरप्टिव इनोवेशन' कार्यशाला नवाचार पर हुआ मंथन

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के मानव संसाधन विकास एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा बोकारो निवास में मुख्य महाप्रबंधकों एवं विभागाध्यक्षों के लिए "डिसरप्टिव इनोवेशन आइडेंटिफिकेशन वर्कशॉप" का आयोजन किया गया। वर्ष 2030 की चुनौतियों और वैश्विक इस्पात बाजार की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन) ने स्वागत भाषण दिया, जबकि अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने नवाचार की आवश्यकता पर जोर दिया। निदेशक प्रभारी ने कहा कि डिसरप्टिव इनोवेशन संगठन की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में अहम भूमिका निभाता है। कार्यशाला में प्रतिभागियों को 12 समूहों में बांटकर ब्रेनस्टॉर्मिंग कराया गया, जिसमें लागत कमी, सुरक्षा, कार्यकुशलता और सतत विकास से जुड़े सुझाव प्रस्तुत किए गए। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

डीपीएस बोकारो की छात्रा प्रणिद्या मिश्रा ने ओलंपियाड में रचा कीर्तिमान

बोकारो : डीपीएस बोकारो की छात्रा प्रणिद्या कुमारी मिश्रा ने शैक्षिक प्रतियोगिताओं में बहुरंगी सफलता प्राप्त कर अपने स्कूल और परिवार का नाम गौरवान्वित किया है। प्रणिद्या को लगातार दो साल SOF एकेडेमिक एक्सीलेंस स्कॉलरशिप ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है।
2025–26 सत्र में प्रणिद्या ने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया। रडऋके जोनल परिणामों में उन्होंने तीन प्रमुख विषयों—इंग्लिश, साइंस और मैथ्स —में जोनल रैंक–1 प्राप्त किया। इसके अलावा सामाजिक अध्ययन में जोनल रैंक–3 और कंप्यूटर में जोनल रैंक–4 भी उनके नाम रहे। प्रणिद्या ने सिल्वरजोन ओलंपियाड में भी कई शीर्ष रैंक हासिल किए। उन्होंने साइंस में लगातार तीन वर्षों तक रैंक–1 का स्थान बनाए रखा और मैथ्स व स्टेम में भी उन्नति की। इसके अतिरिक्त हिंदी में तीन वर्षों के लिए रैंक–1 तथा सामान्य ज्ञान में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन दर्ज हुआ। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में उन्हें सामाजिक अध्ययन व रीजनिंग में स्टेट रैंक–2 का खिताब मिला।

डिजिटल डिसिप्लिन के साथ कठिन परिश्रम से विद्यार्थियों को जीवन में मिलेगी सफलता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ बोकारो में अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। सम्मानित अतिथि पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना, बीएसएल की अधिशासी निदेशक राजश्री बनर्जी, प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस, संत मेरीज नर्सरी स्कूल के प्रधानाध्यापक फादर दीनू एम डैनियल, स्कूल के सचिव जार्ज कोसी, पीए जकारिया व पीई ईप्पन ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने कहा कि पुलिस अधिकारी का काम कानून-व्यवस्था का दुरूस्त रखना है। साथ ही लोगों के बीच शांति व सुरक्षा का भाव महसूस कराना है। विद्यार्थियों को बुरी संगति से बचना चाहिए। बच्चे गलत संगति में तब पड़ते हैं, जब अभिभावक अपने बच्चों का सही तरीके से ख्याल नहीं रखते हैं। मित्र मंडली भी उसे नशा करने के लिए उकसाती है। कई बार तो दवा से भी नशा कर लेते हैं। अभिभावक अपने बच्चे को इनसे बचा कर रखें। क्यांकि एक बार गलती से नशाखोरी की ओर कदम बढ़ा लिया तो वापस लौटना मुश्किल होता है। कहा कि आज बच्चों को मोबाइल से दूर रहने के लिए बोल दें तो उन्हें ऐसा लगता है कि उनकी किडनी मांग ली गई हो। आज के दौर में जेईई, नीट, सिविल सर्विसेज, एनडीए आदि की तैयारी के लिए इंटरनेट जरी है। लेकिन डिजिटल डिसिप्लिन के साथ मोबाइल का प्रयोग करना चाहिए। डिजिटल डिसिप्लिन के साथ कड़ी मेहनत से विद्यार्थियों को जीवन में सफलता मिलेगी। कहा कि 16 वर्ष का बच्चा मोटरसाइकिल लेकर निकल जाता है। हमलोग कोशिश करते हैं कि बच्चे को समझा कर यातायात नियम के दुरुपयोग से रोकें। शहर में धीरे-धीरे सीसीटीवी कैमरे इंस्टाल किए जा रहे हैं। यातायात नियम का पालन नहीं करने से बच्चों के माता-पिता का अकाउंट साफ हो सकता है। इसलिए बच्चों को गाड़ी नहीं दें। संविधान का पालन करना चाहिए। आगे चलकर बच्चों को देश चलाना है। इसलिए बच्चे तनाव से दूर रहें। सोसाइटी व परिवार का दबाव निगेटिव इनर्जी का काम करता है। इसलिए बच्चों पर दबाव नहीं बनाना चाहिए। बच्चे कड़ी मेहनत करें, मंजिल अवश्य मिलेगी। सुश्री राजश्री बनर्जी ने छात्रों को खुद का नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया ताकि वे अच्छे लीडर बन सकें। उन्होंने छात्र जीवन में सही फैसले लेने और दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश करने पर जोर दिया। प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता व टीम भावना विकसित किया जा रहा है। स्टूडेंट काउंसिल के सदस्यों को अपने कर्तव्य का निर्वहन ईमानदारी से करना चाहिए। अधिशासी निदेशक राजश्री बनर्जी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों ने नृत्य व गीत प्रस्तुत कर समां बांध दिया।

महिला की इलाज के दौरान मौत परिजनों ने लापरवाही का लगाया आरोप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिला के चास इलाके में शनिवार सुबह एक महिला की इलाज के दौरान हुई मौत से परिजनों व ग्रामीणों में भारी मातम और आक्रोश फैल गया। मृतका की पहचान चंदनकियारी निवासी बताई जा रही है। मृतका के परिजनों का आरोप है कि निजी अस्पताल में ऑपरेशन के बाद उसकी तबियत अचानक बिगड़ी और फिर दूसरे अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। परिवार के सदस्यों ने बताया कि महिला को कुछ दिन पहले पेट दर्द की शिकायत पर तेलीडीह रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया था कि महिला के गर्भनिरोधक उपकरण कॉपर-टी अंदर फंसा हुआ है और उसे निकालने के लिए ऑपरेशन आवश्यक है। परिजनों के अनुसार कॉपर-टी निकालने के लिए किए गए ऑपरेशन के बाद ही महिला की सेहत बिगड़ गई और उसकी स्थिति गंभीर हो गई। अचानक बिगड़ती हालत पर मरीज को दूसरे अस्पताल में स्थानांतरित किया गया जहाँ इलाज के दौरान शनिवार सुबह उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिवार व रिश्तेदारों में कोहराम मच गया। अस्पताल परिसर में परिजनों के विलाप और चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। परिजन दोनों छोटे-छोटे नौनिहाल बच्चों के भविष्य को लेकर बेहद चिंतित व व्यथित दिखाई दिए। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के बाद इलाज में लापरवाही बरती गयी, जिसकी वजह से महिला की मृत्यु हुई। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय तथा निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जिलास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में डीपीएस का जलवा सीनियर कैटेगरी में एआई प्रोजेक्ट 'इंफ्रैक्टो' बना विजेता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में एक बार फिर दिल्ली पब्लिक स्कूल बोकारो के छात्रों ने अपनी मेधा का लोहा मनवाया है। साइंस फॉर सोसाइटी और विज्ञान जागरण समिति के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में आयोजित जिलास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में डीपीएस बोकारो के छात्रों ने अपनी कल्पनाशक्ति और तकनीकी कौशल से सबको चकित कर दिया। स्कूल के होनहारों ने सीनियर कैटेगरी में पहला स्थान हासिल करने के साथ-साथ जूनियर कैटेगरी और सांत्वना पुरस्कारों पर भी कब्जा जमाया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों की प्रतिभागी कुल 30 टीमों ने तीन अलग-अलग विषयवस्तुओं पर अपने प्रदर्श प्रस्तुत किए। इनमें समाजहित में कृत्रिम बुद्धिमता के नवोन्मेषी उपयोग विषयवस्तु पर आधारित प्रतियोगिता की सीनियर कैटगरी में विद्यालय की टीम प्रथम रही। 12वीं के छात्र प्रियम हरनंदका और अनिकेत सिंह द्वारा विकसित प्रोजेक्ट इंफ्रैक्टो को विजेता घोषित किया गया। यह स्वायत्त एआई सिस्टम सड़कों या इंफ्रास्ट्रक्चर में आने वाली दरारों को खुद ब खुद डिटेक्ट कर सकता है, जो भविष्य में हादसों को रोकने में मील का पत्थर साबित होगा। इधर, जूनियर कैटेगरी में भी स्कूल के नन्हे वैज्ञानिकों ने कमाल किया। कक्षा 9वीं के सरित चक्रवर्ती और लक्ष्य रंजन के मल्टीटास्किंग ह्यूमनॉइड रोबोट नोवासेपियन ने अपनी बहुमुखी क्षमताओं से जजों को प्रभावित करते हुए द्वितीय उपविजेता का पुरस्कार जीता। नोवासेपियन-मल्टीटास्किंग रोबोट न केवल घर के कामों में हाथ बंटा सकता है, बल्कि अस्पतालों में मरीजों की देखभाल और भीड़-भाड़ वाले इलाकों में लोगों की मदद करने में भी सक्षम है। इसी प्रकार, पर्यावरण संरक्षण और कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की थीम पर आधारित प्रोजेक्ट टेरानोवा के लिए जूनियर कैटेगरी से 9वीं के विद्यार्थी श्रेष्ठा चतुर्वेदी और प्रतीक वर्मा तथा फसलों की बीमारी का पता लगाने वाले प्रोजेक्ट एग्रोशील्ड एआई के लिए श्रय कश्यप और यश राज ने सांत्वना पुरस्कार जीता। प्राचार्य डॉ. गंगवार ने दी बधाई, कहा- वैज्ञानिक नवाचार को प्रोत्साहन जरूरी अपने विद्यालय के छात्रों की इस शानदार सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने कहा कि आज के छात्र सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं हैं।

डीएवी सेक्टर-4 में जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के अंतिम चरण का सफल आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डीएवी सेक्टर-4 में साइंस फॉर सोसाइटी एवं विज्ञान जागरण समिति के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी के अंतिम चरण का सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न हुआ। इसमें शामिल 30 टीमों ने अपनी अभिनव एवं समाजोपयोगी वैज्ञानिक परियोजनाओं का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने विज्ञान एवं नवाचार के माध्यम से विभिन्न सामाजिक एवं पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान प्रस्तुत कर अपनी वैज्ञानिक सोच, सृजनात्मकता तथा अनुसंधान क्षमता का उत्कृष्ट परिचय दिया।
इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अनूप दत, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर (वर्क्स), बोकारो इस्पात संयंत्र की प्रेरणादायी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि वृंद के रूप में साइंस फॉर सोसाइटी एवं विज्ञान जागरण समिति, बोकारो के ऑगेनाईजिंग प्रेसिडेंट सह प्राचार्य डीएवी -4 श्री एस. के. मिश्रा, साइंस फॉर सोसाइटी एवं विज्ञान जागरण समिति के महासचिव तथा झारखंड राज्य शैक्षणिक समन्वयक राजेन्द्र कुमार, तथा साइंस फॉर सोसाइटी का विज्ञान जागरण समिति के जिला समन्वयक एस. के. राय की गौरवपूर्ण उपस्थिति रही।
प्रतियोगिता के निर्णायक मंडली में शामिल डॉ. जी. के. सिंह, सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रबंधक शशांक शेखर ,अमित आनंद , तथा वाई. एस. एन. रेड्डी की पारदर्शी व सुक्ष्म निरीक्षण क्षमता,निष्पक्ष एवं प्रतिबद्ध मूल्यांकन ने परियोजनाओं को गहनता से अवलोकित कर निर्णय देने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्य अतिथि अनूप दत ने अपने उद्बोधन में कहा कि विज्ञान केवल पुस्तकों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि जीवन की वास्तविक समस्याओं के समाधान का सशक्त माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों से जिज्ञासु, नवाचारी एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।
मौके पर मौजूद ऑगेनाईजिंग प्रेसिडेंट एस. के. मिश्रा ने विज्ञान प्रदर्शनी को विद्यार्थियों की प्रतिभा, रचनात्मकता एवं वैज्ञानिक सोच को अभिव्यक्ति देने का उत्कृष्ट मंच बताया जो नवाचार तथा अनुसंधान की संस्कृति विकसित करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण सोपान है।

तोरपा में दो बाइक की भिड़ंत में तीन घायल

खूंटी : खूंटी-कोलेबिरा स्टेट हाईवे-3 पर तोरपा थाना क्षेत्र के कच्छप पेट्रोल पंप के सामने शनिवार को दो बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत में तीन लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल रेफरल अस्पताल, तोरपा पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है। घायलों में विकास सिंह, बधनु सिंह और नितेश गुड़िया शामिल हैं।
जानकारी के अनुसार, नितेश गुड़िया कच्छप पेट्रोल पंप से अपनी बाइक में पेट्रोल भरवाकर घर लौट रहा था। इसी दौरान अम्मा पकना से तोरपा की ओर जा रहे विकास सिंह की बाइक से उनकी आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक पुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और तीनों सवार घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

जीजीपीएस में सीबीएसई की दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तत्वावधान में गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, सेक्टर-5/बी, बोकारो–जो अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुशासित शिक्षण वातावरण तथा समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए देशभर में विशिष्ट पहचान रखता है–में किशोरावस्था शिक्षा कार्यक्रम विषय पर दो दिवसीय सीबीएसई क्षमता निर्माण कार्यक्रम का शुभारंभ शनिवार को हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्राचार्य अभिषेक कुमार, सीबीएसई की रिसोर्स पर्सन स्वाति प्रियंका एवं विश्वजीत पात्रा, विद्यालय के उपप्राचार्य श्री अमोलक सिंह द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएँ उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।
कार्यक्रम के प्रारंभ में दोनों संसाधन व्यक्तियों का परिचय कराया गया। इस अवसर पर बताया गया कि विश्वजीत पात्रा पूर्व में बोकारो स्टील सिटी के डिप्टी सिटी कोऑर्डिनेटर तथा डॉ. राधाकृष्णन सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स, बोकारो चैप्टर के महासचिव के रूप में भी अपनी महत्वपूर्ण सेवाएँ दे चुके हैं।
इसके पश्चात प्राचार्य अभिषेक कुमार ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि किशोरावस्था विद्यार्थियों के जीवन का सबसे संवेदनशील चरण होता है। ऐसे प्रशिक्षण शिक्षकों को विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को समझने तथा उन्हें बेहतर मार्गदर्शन देने में सक्षम बनाते हैं। प्रथम तकनीकी सत्र में सीबीएसई की रिसोर्स पर्सन स्वाति प्रियंका ने किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक एवं सामाजिक परिवर्तनों, जीवन कौशल, सकारात्मक सोच तथा विद्यार्थियों के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सहभागितापूर्ण गतिविधियों एवं समूह अभ्यास के माध्यम से शिक्षकों को बताया कि संवेदनशील विषयों पर विद्यार्थियों से सहज एवं विश्वासपूर्ण संवाद किस प्रकार स्थापित किया जा सकता है।
द्वितीय तकनीकी सत्र में सीबीएसई के रिसोर्स पर्सन विश्वजीत पात्रा ने विद्यालयों में सुरक्षित एवं सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण के निर्माण, सामाजिक-भावनात्मक अधिगम, सकारात्मक व्यवहार, मानसिक स्वास्थ्य, मूल्य शिक्षा तथा कक्षा-कक्ष में विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता बढ़ाने के प्रभावी उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न व्यवहारिक उदाहरणों, केस स्टडी, रोल-प्ले तथा समूह चचाओं के माध्यम से शिक्षकों को प्रभावी शिक्षण रणनीतियों से अवगत कराया। कार्यशाला का प्रथम दिवस अत्यंत सक्रिय, संवादात्मक एवं ज्ञानवर्धक रहा। सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपने अनुभव साझा किए। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष तरसेम सिंह एवं सचिव एस. पी. सिंह ने अपने संयुक्त संदेश में कहा कि इस प्रकार के क्षमता निर्माण कार्यक्रम शिक्षकों की व्यावसायिक दक्षता को नई दिशा प्रदान करते हैं तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

तेलीडीह मोड़ पर हाईवे के ऊपर लटकते 11 हजार वोल्ट तार बने खतरा, कार्रवाई की मांग

बोकारो : नागरिक अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष शशि भूषण ओझा 'मुकुल' ने नेशनल हाईवे पर तेलीडीह मोड़ के पास फोर लेन सड़क के ऊपर गुजर रहे 11 हजार वोल्ट के तारों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में कई स्थानों पर तार बेहद खतरनाक स्थिति में पाए गए। सुरक्षा मानकों के अनुसार ऐसे तारों के नीचे सेफ्टी गार्ड वायर होना जरूरी है, लेकिन अधिकांश जगहों पर यह व्यवस्था नहीं है। तेलीडीह मोड़ से जैप मोड़ तक दर्जनभर स्थानों पर असुरक्षित तार सड़क पार करते दिखे। कई तार जर्जर और नीचे लटकते हुए हैं, जिससे भारी वाहनों से टकराने और हादसे का खतरा बना हुआ है। आंधी–तूफान में इनके टूटकर गिरने की आशंका भी जताई गई है। ओझा ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, बिजली विभाग और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि हादसे से पहले तार हटाकर सुरक्षित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

श्रमिकों को 26 दिन कार्य दिलाने हेतु कार्ययोजना बनाएं : उपायुक्त

बोकारो : शनिवार को उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में गोपनीय कार्यालय कक्ष में डीवीसी प्रबंधन के साथ श्रमिकों की मांग को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारतीय क्रांतिकारी मजदूर संघ के श्रमिकों को प्रतिमाह 26 दिनों का कार्य उपलब्ध कराने के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हुई। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि श्रमिकों को मात्र 13 दिनों का कार्य उपलब्ध कराना नियम संगत नहीं है और इससे उनके परिवार का भरण–पोषण संभव नहीं है। उन्होंने प्रबंधन को निर्देश दिया कि आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर मानव दिवस सृजन के लिए कार्ययोजना तैयार करें तथा मुख्यालय से पत्राचार कर श्रमिकों को 26 दिनों का कार्य उपलब्ध कराएं। मामले की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने 15 जुलाई तक इसका निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में डीएमओ रवि कुमार, डीवीसी के राजकुमार चौधरी, नीरज सिन्हा, राम कुमार अनुभवी एवं सीओ प्रशांत कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रशिक्षु आईएएस ने किया सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण, दिए सुधार के निर्देश

बोकारो : उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन ने बोकारो सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने ओपीडी, आईसीयू, एनआईसीयू, डायलिसिस एवं थैलेसिमिया वार्ड सहित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय उपाधीक्षक डॉ. एन.पी. सिंह उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कई आवश्यक निर्देश दिए। फामेर्सी में अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती, पुरुष एवं महिला मरीजों के लिए अलग कतार तथा अस्पताल परिसर की नियमित साफ–सफाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने दुर्लभ रोगों से संबंधित सुविधाओं की जानकारी प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करने एवं वेटिंग एरिया शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही पीआईसीयू का संचालन जल्द प्रारंभ करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

स्व. कृष्ण दुलारी पाठक की स्मृति में सजा अखिल भारतीय संगीत सम्मेलन का हुआ आयोजन

बोकारो : बोकारो सहित झारखंड के जाने–माने संगीतज्ञ पं बच्चन जी महाराज के संयोजन में उनकी मां व भजन गायिका स्व. कृष्ण दुलारी पाठक की याद में शुक्रवार की शाम बोकारो के आदर्श कोआपरेटिव कॉलोनी में अखिल भारतीय संगीत सम्मेलन का आयोजन किया गया। आईडी साह कॉलेज ऑफ म्यूजिक एंड फाइन आर्ट्स के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि समाजसेविका सावित्री देवी, वरिष्ठ संगीतज्ञ पं कृष्ण मोहन पाठक, पं शैलेन्द्र कुमार पाठक, पं श्याम गोस्वामी एवं आदित्य राज ने दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यक्रम में उदीयमान व वरिष्ठ कलाकारों ने शास्त्रीय गायन, भजन, नृत्य, वादन आदि प्रस्तुत कर घंटों श्रोता–दर्शकों को बांधे रखा। कार्यक्रम का खास आकर्षण रहा हाल ही में प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित गया घराना के वरिष्ठ ध्रुपद धमार गायक पंडित कृष्ण मोहन पाठक व उनके सुपुत्र पं शैलेन्द्र कुमार पाठक द्वारा राग जयजयवन्ती में धमार गायन। उन्होंने अपनी गायकी से सभी संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इनके साथ पखावज पर पं बच्चन जी महाराज व तबले पर राजू गोस्वामी ने संगति की। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत कृष्णा तुलसी ने गणेश वंदना व भजन सुनाकर की। प्रसिद्ध गायक अरुण पाठक ने मैथिली कजरी बरखा के बुन बुन जहर माहुर सन सखी की कहब दुख साओन मास...व नचारी बाबा नेने चलियौ हमरो अपन नगरी... की सुमधुर प्रस्तुति से खूब वाहवाही बटोरी।

संक्षिप्त डायरी

बिहार में श्रावणी मेले पर कांवरियों के लिए होंगी वर्ल्ड क्लास सुविधाएं, ड्रोन-लेजर शो, स्पेशल लाइटिंग समेत ऐसी होगी व्यवस्था

पटना (एजेंसी) बिहार में 30 जुलाई से श्रावणी मेले की शुरूआत होगी. इससे पहले सभी तैयारियों को टाइट किया जा रहा है. श्रावणी मेले में कांवरियों के लिए ड्रोन और लेजर शो की व्यवस्था होगी. इसके अलावा स्पेशल लाइटिंग की व्यवस्था, भव्य गेट समेत अन्य तैयारियां की जा रहीं हैं. बिहार में 30 जुलाई से शुरू होने वाले ऐतिहासिक श्रावणी मेला की तैयारियां तेज हो गईं हैं. इसे लेकर पर्यटन सचिव लोकेश कुमार ने मुख्य सचिवालय में हाई लेवल समीक्षा बैठक की. इस बैठक में जीविका के सीईओ सहित भागलपुर, मुंगेर और बांका के जिला पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए. पर्यटन सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कांवरियों की सुविधा के लिए सभी काम तय समय सीमा से पहले पूरे किए जाएं. पर्यटन सचिव ने और क्या-क्या दिया आदेश? पर्यटन सचिव ने वर्ल्ड क्लास सुविधाएं और सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश दिया. साथ ही उन्होंने कहा, श्रावणी मेले में कांवरियों को सभी आवश्यक सुविधाएं मिलेंगी. इसके अलावा पूरे कांवरिया पथ पर गुणवत्तापूर्ण सफाई, बेहतर लाइटिंग, बालू बिछाने और 24 घंटे पुलिस पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए. बिहार की अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें हेल्प लाइन नंबर भी होंगे जारी बैठक के दौरान यह भी आदेश दिया गया कि कांवरियों की मदद के लिए महत्वपूर्ण हेल्प लाइन नंबरों के साइनेजेज लगाए जायेंगे. गंगा घाटों पर विशेष बैरिकेडिंग की जाएगी. कांवरियों के ठहरने के लिए पथ में अलग-अलग जगहों पर टेंट सिटी का निर्माण होगा, जहां स्नानघर, शुद्ध पेयजल, शौचालय और निर्बाध बिजली की व्यवस्था रहेगी. कांवरियों के खाने की भी होगी व्यवस्था जानकारी के मुताबिक, टेंट सिटी में स्वच्छ भोजन के लिए दीदी की रसोई का संचालन किया जाएगा, जहां भोजन का रेट चार्ट प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा. सुल्तानगंज में उद्घाटन के दिन बाबा अजगैबीनाथ मंदिर के पास ड्रोन शो और लेजर शो श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण होंगे. मेला के शुभारंभ और समापन पर राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों की ओर से सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जायेंगी. साथ ही बाबा अजगैबीनाथ मंदिर (सुल्तानगंज) से बिहार सीमा (दुम्मा) तक पूरे मेला पथ में भव्य गेट, स्पेशल लाइटिंग और शिवमंत्रों के जाप की व्यवस्था की जा रही है.

पटना में बनेगा देश का पहला इनडोर बॉटेनिकल गार्डन, कांच की छत के नीचे उगेगा जंगल, लोकेशन जान हो जाएंगे खुश

पटना (एजेंसी) पटना जल्द ही देश का पहला इनडोर बॉटेनिकल गार्डन पाने जा रहा है. सिंगापुर की तर्ज पर बनने वाला यह हाईटेक गार्डन जेपी गंगा पथ के पास विकसित होगा. यहां दुर्लभ पौधे सालभर नियंत्रित वातावरण में देखे जा सकेंगे. बिहार की राजधानी पटना को जल्द ही एक ऐसा शानदार तोहफा मिलने जा रहा है, जो पूरे देश में अब तक किसी भी शहर के पास नहीं है. सिंगापुर की तर्ज पर पटना में देश का पहला इनडोर बॉटेनिकल गार्डन बनाया जाएगा. इसके बन जाने के बाद पटना के लोग एक ही छत के नीचे सालभर बेहतरीन मौसम का अहसास करते हुए दुर्लभ पेड़-पौधों को देख सकेंगे. इससे पर्यटन और पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए यह एक बेहद शानदार कदम है. क्या होता है इनडोर बॉटेनिकल गार्डन? आसान शब्दों में कहें तो यह एक ऐसा पार्क होता है जो चारों तरफ से और ऊपर से पूरी तरह से पैक रहता है. इसके अंदर पेड़-पौधों को जिंदा रखने और बढ़ाने के लिए मशीनों की मदद से मनचाहा मौसम तैयार किया जाता है. बाहर चाहे कड़ाके की धूप हो, ठंड हो या बारिश, अंदर का तापमान, नमी, रोशनी और पानी को आधुनिक तकनीक से कंट्रोल किया जाता है. इस वजह से अलग-अलग देशों और अलग जलवायु में उगने वाले पौधे भी यहां आसानी से जिंदा रह सकते हैं. इसमें देश-विदेश की दुर्लभ जड़ी-बूटियां और औषधीय पौधे भी देखने को मिलेंगे. जेपी गंगा पथ के पास 5 एकड़ में होगा तैयार इस अनोखे इनडोर गार्डन को पटना के मशहूर जेपी गंगा पथ के बगल में मौजूद 5 एकड़ जमीन पर विकसित किया जाएगा. इसकी छत मजबूत टेंपर्ड ग्लास या पारदर्शी प्लास्टिक से बनी होगी ताकि सूरज की रोशनी अंदर आ सके. बिहार राज्य पथ विकास निगम ने इसका पूरा प्लान तैयार कर लिया है. इस पार्क में लोगों के घूमने, टहलने और बैठने के लिए बेहतरीन इंतजाम होंगे. क्योंकि यह देश का अपने आप में पहला और अनोखा प्रोजेक्ट है. यहां एंट्री के लिए लोगों को टिकट लेना होगा. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें घूमते-घूमते पर्यावरण का पाठ पढ़ेंगे बच्चे यह गार्डन सिर्फ घूमने-फिरने की जगह नहीं होगा, बल्कि लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक भी करेगा. यहां आने वाले स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं को दुर्लभ पौधों के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिलेगा. सबसे अच्छी बात यह है कि यहां ऐसे पौधों की भी प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिन्हें लोग आसानी से अपने घरों या कमरों के अंदर उगा सकते हैं. इससे आम लोगों को अपने घरों में हरियाली बढ़ाने की प्रेरणा मिलेगी.

भीषण सड़क हादसा: तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर ने स्कूटी को मारी टक्कर, बैंक कर्मी दो युवतियों की दर्दनाक मौत

पटना (एजेंसी) मुजफ्फरपुर के बोचहां में पूर्णिया की तरफ से आ रही तेज रफ्तार वीआईपी नंबर वाली फॉर्च्यूनर ने स्कूटी सवार दो युवतियों को रौंद दिया. हादसे में निजी बैंक की दोनों महिला कर्मियों की दर्दनाक मौत हो गई. मुजफ्फरपुर से चंदन सिंह की रिपोर्ट मुजफ्फरपुर जिला के बोचहां थाना क्षेत्र के आदिगोपालपुर स्थित पेट्रोल पंप के समीप शनिवार को एक भीषण सड़क हादसे में स्कूटी सवार दो युवतियों की दर्दनाक मौत हो गई. तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार ने स्कूटी को पीछे से ऐसी जोरदार टक्कर मारी कि दोनों गाड़ियों के परखच्चे उड़गए. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़दिया.मृतकाओं की पहचान बोचहां के शर्फुद्दीनपुर (गोपालपुर) निवासी नेहा कुमारी (20 वर्ष) और निशु कुमारी (22 वर्ष) के रूप में हुई है. इस घटना के बाद शर्फुद्दीनपुर गांव में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. जानकारी के अनुसार, नेहा और निशु दोनों सहेलियां थीं और एक निजी बैंक के महिला समूह में फाइनेंस कर्मी के रूप में काम करती थीं. शनिवार को दोनों अपनी स्कूटी (संख्या- पर सवार होकर शर्फुद्दीनपुर से मुजफ्फरपुर शहर की ओर जा रही थीं. इसी दौरान आदिगोपालपुर पेट्रोल पंप के पास पीछे से आ रही एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार ने उन्हें रौंद दिया.फॉर्च्यूनर पूर्णिया की तरफ से आ रही थी. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि फॉर्च्यूनर की रफ्तार इतनी अधिक थी कि स्कूटी को टक्कर मारने के बाद वह भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मचगई. स्थानीय लोगों की भारी भीड़ तुरंत घटना स्थल पर जमा हो गई. ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए गाड़ियों में फंसे लोगों को बाहर निकाला. हादसे में नेहा कुमारी की मौके पर ही तड़प-तड़पकर मौत हो गई थी, जबकि निशु कुमारी गंभीर रूप से जख्मी थी. उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, लेकिन डॉक्टर उसे बचा नहीं सके और इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई. हादसे के बाद फॉर्च्यूनर का ड्राइवर भी गंभीर रूप से घायल हो गया था, उसका सिर फट गया था. इसके बावजूद वह और गाड़ी में सवार अन्य सभी लोग पुलिस के पहुंचने से पहले ही मौके से फरार होने में कामयाब रहे. सूचना मिलते ही बोचहां थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया. पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. थाना प्रभारी ने बताया कि वीआईपी नंबर वाली फॉर्च्यूनर के मालिक का पता लगाया जा रहा है और फरार चालक व सवारों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है.

बिहार विधानसभा का 5 दिनों तक चलेगा मानसून सत्र, भरत तिवारी एनकाउंटर, राबड़ी आवास समेत इन मुद्दों पर हो सकता है हंगामा

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह पहला सत्र है, जहां वे पहली बार मुख्यमंत्री के रूप में विपक्ष के सवालों का सामना करेंगे

पटना (एजेंसी) बिहार विधानसभा का मानसून सत्र 5 दिनों तक चलेगा. सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा. इस बार का सत्र बेहद हंगामेदार होने की संभावना जताई जा रही है. इस बार बिहार विधानसभा का मानसून सत्र 20 से 24 जुलाई तक चलेगा. सम्राट चौधरी पहली बार मुख्यमंत्री के रूप में विपक्ष के सवालों का सामना करेंगे. मॉनसून सत्र की शुरूआत से पहले ही संभावना जताई जा रही है कि सत्र हंगामेदार हो सकता है. सदन के पहले दिन सरकार की तरफ से अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा. सत्र के पहले दिन क्या-क्या होगा? पहले दिन अनुपूरक बजट के अलावा कई अन्य महत्वपूर्ण विधेयक भी पेश किए जाएंगे. प्रश्नकाल, शून्यकाल और कई विभागों से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा होगी. इस दौरान सदन में सरकार की तरफ से सरकारी योजनाओं और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी जाएगी. दूसरी तरफ, 20 जुलाई से शुरू होने वाले मॉनसून सत्र में कई मुद्दों को लेकर विपक्ष की ओर से सरकार घिर सकती है. इन मुद्दों पर घिर सकती है सरकार ड्ट विपक्ष सरकार को भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में घेर सकती है. अब तक यह मामला सियासी रूप ले चुका है. सत्ता पक्ष के कई नेता इसके समर्थन में तो कई विरोध भी कर रहे हैं. लेकिन मामले में न्यायिक जांच की जा रही है. इस मुद्दे को विपक्ष सदन में उठा सकती है. ड्ट राबड़ी आवास का मामला भी गरमाया रह सकता है. भवन निर्माण विभाग की ओर से राबड़ी आवास को खाली करने का नोटिस भेजा गया था, जिसके बाद लालू फैमिली कौटिल्य नगर वाले आवास में शिफ्ट होने वाला है. ड्ट लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की सुरक्षा पहले घटाने और फिर इसके बहाल करने के मामले में भी सरकार घिर सकती है. बंगला विवाद के दौरान ही लालू फैमिली की सुरक्षा घटा दी गई थी. लेकिन अब उन्हें जेड कैटेगरी की सुरक्षा लौटा दी गई है. ड्ट सदन में रिशु श्री और सरकारी विभागों के टेंडर में घोटाले के मामले में भी विपक्ष सवाल खड़े कर सकती है. फिलहाल, इस मामले में भी जांच जारी है. ड्ट इसके अलावा भ्रष्टाचार, अपराध और अन्य राजनीतिक मुद्दों को लेकर विपक्ष की ओर से हंगामा किया जा सकता है.

बिहार में अब नहीं चलेंगे 15 साल पुराने सरकारी वाहन: रजिस्ट्रेशन स्वत: होगा रद्द, कबाड़ में तब्दील होंगी गाड़ियां

पटना (एजेंसी) बिहार में प्रदूषण नियंत्रण के लिए 15 साल पुराने सरकारी वाहनों के परिचालन पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है. केंद्रीय नियमावली के तहत अवधि पूरी होते ही इन गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन स्वतः रद्द हो जाएगा और इन्हें स्क्रैप किया जाएगा. बिहार सरकार ने पर्यावरण संरक्षण और बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए एक बड़ा और कड़ा फैसला लिया है. अब राज्य की सड़कों पर 15 साल पुराने सरकारी वाहन दौड़ते हुए नजर नहीं आएंगे. राज्य परिवहन आयुक्त ने सभी जिला परिवहन अधिकारियों (DTO) और (MVI) को इस निर्देश का सख्ती से अनुपालन करने का आदेश जारी किया है. इस नए नियम के तहत, तय समय सीमा पूरी कर चुके सरकारी वाहनों का दोबारा रजिस्ट्रेशन (निबंधन) किसी भी परिस्थिति में नहीं कराया जा सकेगा. अब तक सरकारी गाड़ियों की फिटनेस का आकलन मोटरयान निरीक्षक (MVI) भौतिक जांच के आधार पर करते थे, जिसमें मानवीय हस्तक्षेप की संभावना बनी रहती थी. हालांकि, अब केंद्रीय मोटरयान नियमावली के नियम-52(अ) के तहत जैसे ही किसी सरकारी गाड़ी के परिचालन के 15 साल पूरे होंगे, उसका रजिस्ट्रेशन स्वतः रद्द माना जाएगा. इस व्यवस्था से मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और पुरानी गाड़ियों के रखरखाव पर होने वाले सरकारी धन के फिजूलखर्च पर पूरी तरह रोक लगेगी. इस फैसले से विभिन्न विभागों में तैनात हजारों गाड़ियां एक झटके में सेवा से बाहर हो जाएंगी. अब नहीं चलेंगे 15 साल पुराने सरकारी वाहनः रजिस्ट्रेशन स्वतः होगा रद्द पंजीकृत स्क्रैपिंग सेंटर में ही नष्ट किए जाएंगे वाहन परिवहन विभाग के सख्त निर्देश के अनुसार, 15 साल की अवधि पार कर चुके इन सरकारी वाहनों को केवल पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा (RVSF) के माध्यम से ही नष्ट किया जाएगा. सरकार की इस पहल से राज्य में वैज्ञानिक और सुरक्षित तरीके से गाड़ियों को कबाड़ में बदलने का एक व्यवस्थित उद्योग विकसित होगा. पुराने लोहे और कल-पुर्जों की रिसाइकिलिंग होने से जहां एक तरफ पर्यावरण सुरक्षित रहेगा, वहीं दूसरी तरफ राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे. ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देगी बिहार सरकार पुराने वाहन आधुनिक मानकों के मुकाबले हवा में कई गुना ज्यादा जहरीला धुआं छोड़ते हैं, जिससे प्रमुख शहरों की वायु गुणवत्ता लगातार खराब हो रही थी. इन गाड़ियों को हटाने से बिहार के शहरों की हवा साफ होगी. राज्य सरकार अब ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए इन पुराने वाहनों के स्थान पर नए इलेक्ट्रिक वाहन (एश) या आधुनिक तकनीक वाली गाड़ियां बेड़े में शामिल करने की तैयारी में है. जिलों में इसकी सीधी जिम्मेदारी जिला परिवहन अधिकारियों की तय की गई है.

सालों से पुलिस को दे रहा था चकमा, आखिर STF ने कुख्यात धीरज कुमार को दबोच लिया

पटना (एजेंसी) बिहार STF ने मुजफ्फरपुर के टॉप-10 वांछित अपराधी धीरज कुमार को गिरफ्तार किया है. आरोपी पर पेट्रोल पंप लूटकांड समेत मुजफ्फरपुर, वैशाली और पूर्वी चंपारण में सात गंभीर मामले दर्ज हैं. मुजफ्फरपुर से चंदन सिंह की रिपोर्ट बिहार पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (STF) ने मुजफ्फरपुर के टॉप-10 वांछित अपराधियों में शामिल कुख्यात धीरज कुमार को गिरफ्तार कर लिया है. बड़ा दाऊद चैनपुर इलाके में विशेष छापेमारी के दौरान हुई इस कार्रवाई को पुलिस के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है. आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और कई गंभीर मामलों में उसकी तलाश की जा रही थी. बड़ा दाऊद चैनपुर में स्ळत्र ने घेरकर पकड़ा पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, की विशेष टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ा दाऊद चैनपुर में छापेमारी की. कार्रवाई के दौरान कुख्यात धीरज कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया. गिरफ्तार आरोपी पारू थाना क्षेत्र के जगरूनाथपुर नगवा गांव का रहने वाला है. 2018 के पेट्रोल पंप लूटकांड में था वांछित पुलिस के अनुसार, धीरज कुमार करजा थाना क्षेत्र स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप लूटकांड का मुख्य आरोपी है. इस मामले में वर्ष 2018 में पेट्रोल पंप के सुपरवाइजर रणधीर कुमार ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी. मामला दर्ज होने के बाद से ही आरोपी लगातार फरार था और पुलिस को चकमा देता रहा. तीन जिलों में दर्ज हैं सात गंभीर मामले पुलिस मुख्यालय के मुताबिक धीरज कुमार के खिलाफ मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण और वैशाली जिले के विभिन्न थानों में लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट सहित कुल सात गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं. इसी आपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर उसे मुजफ्फरपुर जिले के टॉप-10 वांछित अपराधियों की सूची में शामिल किया गया था. पूछताछ में जुटी पुलिस गिरफ्तारी के बाद एसटीएफ और स्थानीय पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है. पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि फरारी के दौरान वह किन-किन स्थानों पर छिपा रहा और उसके साथ कौन-कौन लोग जुड़े हुए थे. पुलिस का कहना है

22.54 करोड़ वसूली मामले में रुक्मिणी बिल्डटेक को अंतिम मोहलत, पटना सिविल कोर्ट ने कहा- नहीं किया भुगतान तो होगी कुर्की

पटना (एजेंसी) पटना सिविल कोर्ट ने 22.54 करोड़ रुपये के आर्बिट्रेशन अवार्ड मामले में रुक्मिणी बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड को अंतिम मौका दिया है. भुगतान नहीं होने पर कंपनी की संपत्तियों की कुर्की की कार्रवाई होगी. पटना से अजीत की रिपोर्ट करोड़ रुपये के आर्बिट्रेशन अवार्ड की वसूली को लेकर पटना सिविल कोर्ट ने रुक्मिणी बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है. प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, पटना की अदालत में लंबित निष्पादन वाद संख्या-358/2023 में कंपनी और उसके निदेशकों को भुगतान के लिए अंतिम अवसर दिया गया है. न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि के भीतर राशि जमा नहीं होने पर कंपनी की चल एवं अचल संपत्तियों की कुर्की सहित अन्य विधिसम्मत कार्रवाई शुरू की जाएगी. गोपालपुर थाना क्षेत्र के एकतापुरम स्थित रुक्मिणी बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय में न्यायालय का नोटिस पहुंचने के बाद पूरे इलाके में इस मामले की चर्चा तेज हो गई है. यह आर्बिट्रेशन अवार्ड 11 दिसंबर 2022 को केस संख्या-68/2019 में पारित किया गया था. आदेश के अनुसार कंपनी को 22,54,59,110 रुपये के साथ नियमानुसार ब्याज का भी भुगतान करना है. किसे दिया गया अंतिम अवसर? न्यायालय ने कंपनी के निदेशक अजीत आजाद और मानब कुमार सिंह को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी राशि जमा करने का निर्देश दिया है. नोटिस में स्पष्ट कहा गया है कि यदि समय पर भुगतान नहीं किया गया तो कंपनी की चल एवं अचल संपत्तियों की कुर्की, जब्ती और अन्य कानूनी निष्पादन कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी. न्यायालयी सूत्रों के अनुसार, निर्णय-ऋणियों को भुगतान के लिए यह अंतिम अवसर दिया गया है. यदि निर्धारित समय सीमा तक राशि जमा नहीं होती है तो अदालत विधि के अनुसार आगे की कार्रवाई करेगी. क्या कंपनी के निदेशक पर अन्य मामले भी लंबित हैं? उपलब्ध न्यायालयी एवं पुलिस अभिलेखों के अनुसार, कंपनी के एक निदेशक के विरुद्ध विभिन्न न्यायालयों और थाना क्षेत्रों में कई मामले लंबित हैं. एक मामले में मधुबनी पुलिस ने भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र से गिरफ्तारी भी की थी. हालांकि, इन सभी मामलों में अंतिम निर्णय संबंधित न्यायालयों द्वारा दिया जाना अभी शेष है. पीड़ित भूस्वामी ने जताया न्यायपालिका पर भरोसा मामले केडिक्रीधारक एवं भूस्वामी नागेश्वर सिंह स्वराज ने कहा कि उन्हें भारतीय न्यायपालिका पर पूरा विश्वास है. उन्होंने उम्मीद जताई कि न्यायालय के आदेश के अनुरूप उन्हें जल्द न्याय मिलेगा और वर्षों से लंबित राशि की वसूली सुनिश्चित होगी.

अब लखीसराय में घर के पास बनेगा पासपोर्ट! 21 जुलाई से लगेगा 3 दिवसीय मोबाइल वैन शिविर, ऐसे करें आवेदन

पटना (एजेंसी) लखीसराय में 21 से 23 जुलाई तक पासपोर्ट सेवा मोबाइल वैन शिविर लगेगा. ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेकर आवेदन करें. प्रतिदिन 55 आवेदकों को सुविधा मिलेगी. लखीसराय और आसपास के जिलों के लोगों के लिए राहत भरी खबर है. विदेश मंत्रालय की ह्लपासपोर्ट सेवाझ्रपासपोर्ट आपके द्वारह्व पहल के तहत 21 से 23 जुलाई, 2026 तक समाहरणालय परिसर, लखीसराय में तीन दिवसीय पासपोर्ट सेवा मोबाइल वैन शिविर लगाया जाएगा. इस शिविर के जरिए नागरिकों को स्थानीय स्तर पर पासपोर्ट संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी. तक लगेगा विशेष पासपोर्ट शिविर क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (फ्ढड), पटना की ओर से 21, 22 और 23 जुलाई को समाहरणालय परिसर, लखीसराय में पासपोर्ट सेवा मोबाइल वैन शिविर आयोजित किया जाएगा. इसका उद्देश्य नागरिकों को घर के नजदीक पासपोर्ट सेवाएं उपलब्ध कराना और आवेदन प्रक्रिया को आसान बनाना है. यह लखीसराय का दूसरा मोबाइल वैन शिविर लखीसराय में यह दूसरा पासपोर्ट सेवा मोबाइल वैन शिविर होगा. इससे पहले 1 से 3 जुलाई 2025 के बीच आयोजित शिविर को अच्छा प्रतिसाद मिला था. जिले में लगातार बढ़ रही पासपोर्ट की मांग को देखते हुए इस बार फिर विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है. प्रतिदिन 55 आवेदकों को मिलेगा मौका शिविर का संयुक्त उद्घाटन 21 जुलाई को जिला पदाधिकारी शैलेन्द्र कुमार और क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी, पटना स्वधा रिजवी करेंगे. तीन दिनों में कुल 165 आवेदकों को सेवा देने का लक्ष्य रखा गया है. इसके लिए प्रतिदिन 55 ऑनलाइन अपॉइंटमेंट निर्धारित किए गए हैं. आवेदन से पहले करना होगा यह काम पासपोर्ट बनवाने के इच्छुक नागरिकों को पहले पासपोर्ट सेवा पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा और अपॉइंटमेंट बुक करनी होगी. आवेदन के दौरान सेवा केंद्र के रूप में ह्लपासपोर्ट सेवा मोबाइल वैन शिविरझ्रलखीसरायह्व का चयन करना अनिवार्य होगा. निर्धारित तिथि पर सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर स्थल पर पहुंचकर प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी. पटना की खबरों को पढ़ने के लिए क्लिक करें क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय ने बताया है कि 1 जुलाई 2026 से विदेश मंत्रालय द्वारा अधिसूचित संशोधित पासपोर्ट शुल्क लागू हो चुका है. इसलिए 1 जुलाई या उसके बाद जमा किए गए सभी आवेदनों पर नई शुल्क दरें लागू होंगी. 19वां मोबाइल वैन शिविर अप्रैल 2024 से अब तक क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, पटना द्वारा आयोजित यह 19वां पासपोर्ट सेवा मोबाइल वैन शिविर होगा. इस पहल से लखीसराय और आसपास के जिलों के लोगों को पासपोर्ट सेवा के लिए पटना या अन्य केंद्रों तक जाने की आवश्यकता नहीं होगी. ऐसे में इच्छुक आवेदकों को जल्द से जल्द ऑनलाइन आवेदन कर अपॉइंटमेंट बुक कर लेनी चाहिए, क्योंकि प्रतिदिन केवल 55 स्लॉट उपलब्ध रहेंगे. निर्धारित तिथि पर जरूरी दस्तावेजों के साथ शिविर में पहुंचना होगा.

मानसून में ये भी गाते गुनगुनाते नहाते हैं..

आ गया है मानसून। मतलब खूब सारी बारिश और टर्र-टर्र करते मेंढक, मम्मी के हाथ का बना गर्म सूप और कागज की नाव तैराने का समय। ऊपर से सोने पर सुहागा यह कि स्कूल भी अभी बंद ही हैं, इसलिए तुम्हारे तो वारे-न्यारे हो गए हैं। तुम तो इस मौसम में खूब मस्ती करते हो, ये हमें पता है, पर क्या तुम्हें पता है कि जानवर-पक्षी क्या करते हैं? वो कैसे मजे करते हैं। चलो आज जरा घर से बाहर निकलें और इनकी दुनिया में चलें...

यूं तो बारिश में ज्यादातर जानवर और पक्षी छांव वाली जगह की तलाश में रहते हैं, जहां उन पर पानी न गिरे। इसके लिए वे किसी पेड़ के तने, गुफा, पत्ते के नीचे या जमीन के नीचे चले जाते हैं। लेकिन कई जानवर इस बारिश को खूब पसंद करते हैं। खासकर कुछ खास किस्म की चिड़िया गाना गाती हैं तो कुछ पंख फैलाकर नहाती हैं। बारिश के समय मैना, कोयल खूब गाना गाती हैं। चिड़ियों को बारिश खूब पसंद होती है। वो पेड़ की डाली पर बैठकर बारिश का मजा लेती हैं। पत्तों से टपकता पानी उन्हें खूब पसंद है। लेकिन कई तरह की चिड़िया इस मौसम के आने से पहले दूसरे इलाकों में कूच कर जाती हैं। इनमें व्हाइट रफ्ड मनाकिंस खास है। अमेरिका में रहने वाली ये चिड़िया फल खाती है और दो-तीन घंटे से अधिक समय तक भोजन के बिना नहीं रह सकती। जैसे ही बारिश का मौसम आता है ये दूसरे इलाकों की ओर चली जाती हैं।

ऐसे बचाओ अपने पेट्स को

बारिश के समय तुम यह सुनिश्चित करो कि तुम्हारे पेट्स भीगें नहीं। अगर वो भीग भी गए हैं तो उन्हें तुरंत पोंछ दो। अगर उन्हें ठंड लग रही है तो किसी कंबल से ढंककर रखो। जैसे ही बारिश बंद हो तो उन्हें घुमाने कहीं बाहर ले जाओ। उनके साथ खूब खेलो, जिससे वे सुस्त न पड़ें। उनके फर और पंजों को साफ करते रहो। इस मौसम में सबसे ज्यादा जानवर बीमार होते हैं, इसलिए तुम उन पर नजर रखो। अगर उन्हें जलन-खुजलाहट हो रही है या बाल झड़ने लगे हैं तो यह इन्फेक्शन के पनपने की निशानी है। समय से वेक्सिनेशन करवाना जरूरी है।

मौसम बदलेगा, ये पहले से जान लेते हैं: भारी बारिश या तूफान आने से पहले ब्लैक कोकाटूस पहाड़ों से नीचे आना आरंभ कर देते हैं। ऐसा ये सुबह के समय करते हैं।

बिल्लियां अपने पैरों को चाटती हैं और उससे अपनी आंखों को साफ करती हैं। ऐसा माना जाता है कि बिल्ली के कान काफी तेज होते हैं और उन्हें मौसम बदलने से पहले ही कुछ ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं, जिससे उनमें यह बदलाव आ जाता है। गाय का बछड़ा यदि ज्यादा एक्टिव दिख रहा हो तो इसका मतलब है कि बारिश आने वाली है। बछड़ा ऐसे में अपनी आंखों क ो खुजलाना आरंभ करता है। अगर कुत्ता अपनी पीठ के बल सोने लगे तो समझ लेना चाहिए कि मौसम बदल सकता है। अगर मेंढक चिल्लाने लगें तो मान लें कि 24 से 48 घंटे में बारिश गिरेगी। तोते बारिश होने से पहले खास तरह की आवाजें निकालना आरंभ कर देते हैं। कछुए अगर नदी को छोड़कर मैदानी इलाकों की ओर आएं तो समझ लीजिए कि बारिश या बाढ़ आने वाली है।

तुम्हारे लिए मस्ती का समय है ये...

स्कूल अभी कुछ दिन पहले ही खुले हैं और बारिश शुरू हो चुकी है। मतलब फुल टू मस्ती और धमाल करने का समय है ये। तुम बारिश में खूब नहा सकते हो, खेल सकते हो और चाहो तो घर की खिड़की से इसके नजारे देख सकते हो। पानी में छप-छप करना, दोस्तों को भिगोना, उन्हें छींटे मारना, नाव बनाकर तैराना कितना मजेदार होगा ना। हल्की बारिश में फुटबॉल खेलो, वॉलीबॉल खेलो, क्रिकेट खेलो और मस्ती करो। अगर मां घर से न निकलने दें तो पेंटिंग बनाओ या सूप पियो।

क्या करते हैं जानवर

तोता चुप रहता है और कोई जगह ढूंढकर वहां छिप जाता है। गिलहरी और चुहिया गर्म जगह की तलाश करते हैं और वहां से छिपकर बारिश देखते हैं। मेंढ़क, कछुए और मछली तालाब या झील के नीचे के भाग में स्थित पत्थरों में शरण लेते हैं। रेंगने वाले जीवों जैसे सांप आदि की खासियत होती है उनकी चमड़ी। चमड़ी पर प्रोटीन होता है, जिसे केरेटिन कहा जाता है। ये उनकी त्वचा को वॉटरप्रूफ बना देता है, इसलिए ये खूब नहाते हैं। ओरंगुटान किसी पेड़ के पत्तों से अपने सिर को ढंककर बैठ जाता है। पीले रंग की चिडिया अमेरिकन गोल्डफिंचेस जरा सी देर भी गीला होकर नहीं रह सकती। बारिश शुरू होते ही वह सूखी जगह की तलाश कर वहां छिप जाती है। मोर बारिश शुरू होने से पहले नाचना शुरू कर देता है। मॉरनिंग डव्स को नहाना पसंद होता है। कठफोड़वा भी खूब नहाता है। बारिश के समय मेंढक तेज आवाजें निकालता है। तोता बारिश बंद होने के बाद एक डाली से दूसरी डाली तक आता-जाता है और नाचता है।

मानसून बोलो या काल वर्षा

मानसून शब्द अरबी भाषा के शब्द 'मौसिम' से बना है। केरल में मानसून को 'काल वर्षा' कहा जाता है। 'मानसून' उन मौसमी पवनों को कहते हैं, जो ठंड में महाद्वीपों से महासागरों की ओर और गर्मी में महासागरों से महाद्वीप की ओर चलती हैं।

बारिश में भीगो पर...

बारिश में भीगने में सभी को मजा आता है। चुभती-जलती गर्मी से राहत मिलती है, प्रकृति और भी सुंदर हो जाती है। जगह-जगह बहते झरने, नदियां कितने सुंदर लगते हैं। वैसे तो मम्मी-पापा भी बारिश को पसंद करते हैं, पर जब बारी बच्चों की आती है तो मम्मी ज्यादा देर बारिश में नहाने नहीं देतीं। जल्दी से घर में आ जाओ, बारिश में मत भीगो, बस इसी बात की रट लगाये रहती हैं। उनका कहना सही भी है, क्योंकि बारिश बच्चों के लिए बीमारियों का कारण भी बन सकती है। हां, अगर तुम इन बातों को ध्यान में रखो तो तुम बारिश का मजा भी ले सकते हो और बीमार भी नहीं पड़ोगे। इस मौसम में सबसे ज्यादा मच्छर पैदा होते हैं, जो कई बीमारियों को जन्म देते हैं। इसलिए घर में पानी इकट्ठा मत होने दो। इसके लिए तुम घर में नीम की सूखी पत्तियों का धुंआ कर सकते हो। मानसून में पीने के पानी में अक्सर गंदगी आ जाती है, जो टायफाइड, कॉलरा जैसी बीमारियां फैलाती है। इसलिए पानी उबालकर ही पीएं। बाहर का खाना न खाएं। बारिश के पानी में ज्यादा देर तक मत रहो। इससे तुम्हें स्किन की बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए तुम रेनकोट, रेनबूट पहनो और छाता लेकर ही निकलो। जब भी भीगो तो जल्दी से कपड़े बदलो। इस समय गटर या मेनहोल्स के पास मत जाओ, क्योंकि ये सभी ओवरफ्लो होते हैं। मानसून में सर्दी-जुकाम और खांसी हो जाती है। इसलिए मम्मी जो दें वो ही खाओ। नाखूनों को काटकर रखो, क्योंकि बहुत सारी बीमारियां इन नाखूनों से ही पेट के अंदर जाती हैं। इस मौसम में तुम्हें बार-बार हाथ धोने चाहिये। अगर बारिश में तुम्हारे मोजे गीले हो जाएं तो उन्हें उतार दो, नहीं तो फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। अगर तुम्हारे घर में एसी लगा है तो नहा कर सीधे उस कमरे में मत जाना, बीमार पड़ सकते हो। गीले बिजली के तारों को मत छूना और न ही उन पर फंसी कोई चीज लोहे के डंडे से निकालने की कोशिश करना।

जानो आइसक्रीम की हिस्ट्री

बच्चों! आइसक्रीम हर किसी को ललचाती है। आज बाजार में आइसक्रीम वनीला, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, मैंगो, पाइनऐपल आदि के स्वाद के साथ कोन, कप, स्टिक आदि के आकर्षक पैकेज में मौजूद है, लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर तरह-तरह की वेरायटी वाली आइसक्रीम बनी कैसे, इसकी शुरुआत कब और कैसे हुई? आइए जानें इस बारे में..

वैसे यह निश्चित रूप से मालूम नहीं है कि सबसे पहले आइसक्रीम कैसे बनी और इसकी शुरुआत कैसे हुई, लेकिन एक किंवदंती के अनुसार, लगभग दो हजार साल पहले रोमन सम्राट नीरो ने अपने गुलामों से कहा था कि वे पास के पहाड़ों से बर्फ ले आयें। नीरो ने उस बर्फ में फलों का रस, शहद आदि मिलाया और उसका आनंद लिया. इसे ही आइसक्रीम की शुरुआत माना जा सकता है। समय बीतने के साथ लोग बर्फ में अन्य स्वादिष्ट चीजें मिलाकर खाने लगे और सन् 1600 तक आइसक्रीम काफी लोकप्रिय हो युकी थी। इसके बाद लोग अनेक प्रकार के प्रयोग करके इसे नया-नया रूप, आकार व स्वाद देकर और लोकप्रिय बनाते चले गये। एक बार पार्टियों में वेटर का काम करने वाले रॉबर्ट ग्रीन नामक व्यक्ति ने मजबूरीवश एक प्रयोग कर डाला। उस समय क्रीम और काबरेनेटेड पानी मिला कर एक पेय बनाया जाता था जो कई दशकों तक खासा लोकप्रिय रहा था। एक पार्टी में उस पेय के लिए क्रीम कम पड़ गई। ग्रीन ने उसकी जगह वनीला आइसक्रीम डाल दी। आइसक्रीम एक फोम के रूप में गिलास में ऊपर तक भर गई और वह घोल काफी स्वादिष्ट बन पड़ा था और जल्दी ही वह लोकप्रिय हो गया। इसे आइसक्रीम सोडा के नाम से पुकारा जाने लगा। इसी तरह के मजबूरीवश किये प्रयोगों ने अन्य प्रकार की आइसक्रीम्स को जन्म दिया।

संडे आइसक्रीम

स्मिथसन नामक व्यक्ति के पास एक छोटा-सा रेस्त्रं था, जिसमें लोग आइसक्रीम खाने अक्सर आते थे. 1890 के एक रविवार के दिन उसके रेस्त्रं में आइसक्रीम कम पड़ने लगी और दूसरी चीजें, जैसे फल, विभिन्न प्रकार की चॉकलेटें, क्रीमें आदि काफी थीं। रविवार को आइसक्रीम की आपूर्ति नहीं होती थी इसलिए स्मिथसन ने आइसक्रीम की मात्र कम कर दी तथा उसके ऊपर फल, चॉकलेट सिरप और दूसरी गाढ़ी क्रीम डालना प्रारंभ कर दिया। जब ग्राहकों ने इसकी तारीफ करना प्रारंभ कर दिया तो उसने इस आइसक्रीम का नाम संडे आइसक्रीम रख दिया। अब वह हर रविवार को संडे आइसक्रीम देने लगा। धार्मिक कारणों से कुछ लोगों द्वारा संडे नाम का विरोध करने पर स्मिथसन ने संडे आइसक्रीम में संडे की स्पेलिंग बदल डाली।

कोन वाली आइसक्रीम

कुरकुरे कोन में आइसक्रीम खाने का अलग ही आनंद है। इसकी शुरुआत भी मजबूरी में ही हुई। 1904 में सेंट लुई मेले में दो व्यक्ति खाने की वस्तुओं के काऊंटर पर अगल-बगल खड़े थे। एक पेपर की प्लेटों में आइसक्रीम बेच रहा था और दूसरा वेफर पर (पेस्ट्री जैसा लगने वाला) जिसके ऊपर चीनी के दाने चिपके हुए थे। अगस्त का महीना था और लोग धड़ाधड़ आइसक्रीम ले रहे थे। वेफर बेचने वाला मुंह ताक रहा था। तभी अचानक कागज की प्लेटें कम पड़ गईं और आइसक्रीम वाले को लगा कि अब उसे अपना काऊंटर बंद करना पड़ेगा। तभी वेफर बेचने वाला उसकी मदद के लिए आगे आया। उसने वेफल से कोन बनाया और दोनों उसमें आइसक्रीम भर कर बेचने लगे। लोगों को कुरकुरा वेफ र आइसक्रीम के साथ बहुत भाया तथा अब वह खूब बिकने लगा। 1920 तक एक-तिहाई आइसक्रीम कोन में बिकने लगी।

चॉकलेट आइसक्रीम

एक दिन क्रिश्चियन नेल्सन नामक व्यक्ति अमेरिका के आयोवा में स्थित अपनी दुकान में आइसक्रीम व चॉकलेट बेच रहा था। तभी एक बालक हाथ में सिक्के लिए दुकान में आया और आइसक्रीम की फरमाइश की। फिर उसने इरादा बदल दिया और चॉकलेट की फरमाइश कर डाली। नेल्सन को लगा कि यह बालक तभी संतुष्ट हो पायेगा जब उसे दोनों स्वाद मिलेंगे। उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस काटी तथा उसके दोनों ओर चॉकलेट की पतली परत चिपका दी और तभी चॉकलेट आइसक्रीम की खोज हो गयी। अब वह नयी चॉकलेट वाली आइसक्रीम जमाने लगा। उसने इस दिशा में अनेक प्रयोग भी कर डाले ताकि चॉकलेट उसकी आइसक्रीम से भली प्रकार चिपक जाये। उसे सफलता आसानी से नहीं मिल रही थी। तभी उसको एक सेल्समैन ने सलाह दी कि वह कोको बटर का प्रयोग करे। अब नेल्सन ने नये सिरे से प्रयोग प्रारंभ कि ये। 1920 में एक रात उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस चॉकलेट के मिश्रण में डाली। कुछ देर बाद चॉकलेट ठंडा होकर आइसक्रीम के चारों ओर जम गया। इसके साथ ही चॉकलेट लगी आइसक्रीम खासी लोकप्रिय हो गई।

आखिरी दिन प्रज्ञानंद ने मारी बाजी, लगातार तीन जीत के दम पर संयुक्त नंबर-1 बने भारतीय स्टार

जैग्रेब (क्रोएशिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशियाई चरण के रैपिड सेक्शन के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने आखिरी दिन लगातार तीन मैच जीतकर कुल 12 अंकों के साथ फ्रांस के फिरौज्जा अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया है। दूसरे दिन के खेल के बाद प्रज्ञानंद थोड़ा पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने आखिरी तीन दौर के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल बचाकर रखा था। उन्होंने क्रोएशिया के इवान सारिक, रोमानिया के डीक बोग्डन-डेनियल और नीदरलैंड के अनीश गिरी को शिकस्त देकर अलीरेजा की बराबरी की।

इस प्रतियोगिता के रैपिड सेक्शन में फ्रांस के मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने

भी बेहतरीन अंत किया। ये दोनों खिलाड़ी 11 अंकों के साथ शीर्ष पर मौजूद दोनों लीडर्स के बेहद करीब बने हुए हैं। वहीं, भारत के विश्व चैंपियन डी गुकेश और जर्मनी के विसेंट कीमर भी 10-10 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे मजबूती से डटे हुए हैं।ब्लिट्ज सेक्शन में अभी 18 दौर के मुकाबले खेले जाने बाकी हैं। फिलहाल, अनीश गिरी आठ अंकों पर हैं और वह डीक बोग्डन-डेनियल तथा नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट से एक पूरा अंक आगे हैं। इसके विपरीत, इवान सारिक के खाते में केवल दो अंक हैं और वह अंक तालिका में सबसे आखिरी स्थान पर हैं।

प्रज्ञानंद ने आखिरी तीन राउंड में विपक्षी दिग्गजों को कैसे मात दी

प्रज्ञानंद के लिए दिन की शुरुआत बेहद सकारात्मक रही। टूर्नामेंट में संघर्ष कर रहे इवान सारिक के खिलाफ शुरुआती चालों के बाद ही भारतीय खिलाड़ी मजबूत स्थिति में आ गए थे। कारो-कैन डिफेंस की वजह से प्रज्ञानंद को शुरुआत से ही सक्रिय स्थिति मिल गई थी। हालांकि इसे जीत में बदलने में लंबा समय लगा, लेकिन प्रज्ञानंद का खेल पर पूरा नियंत्रण बना रहा। दूसरे मुकाबले में प्रज्ञानंद ने पेट्रोफ डिफेंस का सामना करते हुए डीक बोग्डन-डेनियल की रक्षापंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। खेल की 15वीं चाल तक ही परिणाम की तस्वीर साफ होने लगी थी। रोमानियाई खिलाड़ी ने जल्द ही अपना एक मोहरा गंवा दिया और वह मुकाबले में दोबारा वापसी नहीं कर सके।दिन के आखिरी मैच में प्रज्ञानंद ने आम तौर पर मजबूत माने जाने वाले अनीश गिरी के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने कैटलन ओपनिंग के जरिए एक प्यादा जीता और फिर बेहतरीन टैक्टिकल सूझबूझ दिखाते हुए मैच को कुशलता से समाप्त किया। यह मुकाबला महज 34 चालों में ही खत्म हो गया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन कुछ अलग साबित हुआ

प्रज्ञानंद के विपरीत, सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन थोड़ा अलग और मिलाजुला रहा। वह अपने तीनों मुकाबले ड्रॉ ही खेल सके, जिसके कारण वह शीर्ष रेस में थोड़े पीछे रह गए। अब्दुसत्तोरोव, कीमर और अलीरेजा इन तीनों ही खिलाड़ियों ने गुकेश के साथ अंक बांटे।

रैपिड सेक्शन के 9 दौर के बाद क्या है अंक तालिका की स्थिति

पहला-दूसरा स्थानः फिरौज्जा अलीरेजा (फ्रांस), आर प्रज्ञानंद (भारत)- 12 अंक प्रत्येक
तीसरा-चौथा स्थानः मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव (फ्रांस), नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव (उज्बेकिस्तान)- 11 अंक प्रत्येक
पांचवां-छठा स्थानः डी गुकेश (भारत), विसेंट कीमर (जर्मनी)- 10 अंक प्रत्येक
सातवां स्थानः अनीश गिरी (नीदरलैंड)- 8 अंक
आठवां-नौवां स्थानः डीक बोग्डन-डेनियल (रोमानिया), जॉर्डन वैन फोरेस्ट (नीदरलैंड)- 7 अंक प्रत्येक
दसवां स्थानः इवान सारिक (क्रोएशिया)- 2 अंक

मेसी के विश्वकप में 20 गोल

एम्बाप्पे पर बनाई बढ़त गोल्डन बूट की दौड़ में आगे

मियामी, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी ने फिर गोल किया और केप वर्डे के खिलाफ फीफा विश्व कप का लगातार आठवां मैच था जिसमें अर्जेंटीना के कप्तान ने कम से कम एक गोल दागा है। मेसी ने केप वर्डे के खिलाफ 29वें मिनट में विश्व कप के अपने करियर का 20वां गोल किया। वह विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे उनसे दो गोल पीछे हैं।

मेसी ने दागा मौजूदा विश्व कप का सातवां गोल

इस साल टूर्नामेंट में मेसी का यह सातवां गोल था और गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बाप्पे उनसे एक गोल पीछे हैं। पिछले आठ विश्व कप मैचों में मेसी 12 गोल कर चुके हैं। मेसी के साथ अर्जेंटीना और इंटर मियामी के लिए खेलने वाले रॉड्रिगो डि पॉल ने कहा, मेरे लिए मेसी की दोस्ती सबसे अहम चीज है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इन पलों में उसके साथ मैदान पर हूं।मेसी ने मार्टिनेज के पास पर केप वर्डे के स्टार गोलकीपर वोजिन्हा को छकाते हुए यह गोल दागा। मेसी और एम्बाप्पे के अलावा नॉर्वे के एर्लिंग हालंद और इंग्लैंड के हैरी केन भी पांच-पांच गोल करके विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने के गोल्डन बूट पुरस्कार की दौड़ में हैं। फ्रांस के उस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबाल, ब्राजील के विनिशियस जूनियर और सेनेगल के इस्माइला सार ने चार-चार गोल किए हैं। सार दौड़ से बाहर हैं क्योंकि सेनेगल बाहर हो चुकी है।

कभी गोल्डन बूट नहीं जीत सके हैं मेसी

नॉर्वे, इंग्लैंड और फ्रांस अंतिम 16 में हैं। केप वर्डे को हराकर अर्जेंटीना भी अगले दौर में पहुंच चुका है। मेसी ने कभी गोल्डन बूट नहीं जीता। विश्व कप 2022 में सात गोल करके वह एम्बाप्पे से एक गोल पीछे रह गए थे, जबकि 2014 में चार गोल करके संयुक्त तीसरे स्थान पर थे। अगर टूर्नामेंट के बाद शीर्ष पर टाई रहता है तो फीफा पहले टाइब्रेकर के रूप में यह देखेगा कि कितने गोल में मदद की है और दूसरा टाइब्रेकर यह होगा कि मैदान पर किसने कम समय बिताया है। एमेबाप्पे गोल में सहायता के मामले में मेस्सी से 2-0 से आगे हैं।

पेनल्टी शूटआउट में मिस्र का कमाल ऑस्ट्रेलिया को हरा राउंड ऑफ-16 में

डलास, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मिस्र ने इतिहास रचते हुए ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पहली बार विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में जीत दर्ज की। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। मिस्र ने अपनी चारों पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली, जबकि ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन अपने प्रयासों में चूक गए।

मुकाबले की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया और क्रिस्टियन वोल्पाटो का लंबी दूरी का शॉट क्रॉसबार से टकराया। इसके कुछ ही मिनट बाद मिस्र ने 13वें मिनट में बढ़त बना ली। सेट पीस से बने मौके पर करीम हाफेज के क्रॉस को इमाम अशूर ने शानदार हेडर के जरिए गोल में बदल दिया। विश्व कप में अशूर का यह लगातार दूसरा गोल रहा।दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने बराबरी हासिल कर ली। 55वें मिनट में एडेन ओ'नील की फ्री-किक पर मिस्र के डिफेंडर मोहामेद हानी ने गेंद को क्लियर करने की कोशिश में अपनी ही टीम के गोल में पहुंचा दिया। इस आत्मघाती गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया और मुकाबला बेहद रोमांचक बन गया।

दोनों टीमों को मिले मौके

अतिरिक्त समय में मिस्र के पास मैच खत्म करने का सुनहरा अवसर था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर पैट्रिक बीच ने रामी राबिया के दमदार हेडर पर शानदार एक हाथ से बचाव किया। इसके बाद मोहम्मद सलाह ने हैसम हसन के लिए मौका बनाया, लेकिन हैरी साउटर ने बेहतरीन ब्लॉक लगाकर ऑस्ट्रेलिया को बचा लिया।निर्धारित समय और अतिरिक्त समय में फैसला नहीं होने के बाद मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। मिस्र ने अपनी सभी चार पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली। स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सलाह ने भी शानदार 'पानेन्का' शैली में पेनल्टी को गोल में बदल दिया। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन पेनल्टी चूक गए, जिससे मिस्र ने 4-2 से जीत दर्ज कर ली।

अल-नासर को मिला नया कोच, एंजे को मिली कमान

सऊदी अरब के दिग्गज क्लब अल-नासर ने ऑस्ट्रेलियाई कोच एंजे पोस्टेकोग्लू को अपनी पहली फुटबॉल टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। क्लब ने शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि पोस्टेकोग्लू के साथ दो साल का अनुबंध किया गया है।एंजे पोस्टेकोग्लू पुर्तगाली कोच जॉर्ज जीसस की जगह लेंगे। क्लब ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'एक नए अध्याय की शुरुआत। एंजे पोस्टेकोग्लू को अल-नासर की पहली फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनका अनुबंध दो सीजन के लिए है। हम उन्हें और उनके सहयोगी स्टाफ को क्लब के साथ सफल सफर की शुभकामनाएं देते हैं।'पोस्टेकोग्लू के सामने सबसे बड़ी चुनौती पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की होगी। इसके अलावा वह सादियो माने, किंग्सले कोमन और जोआओ फेलिक्स जैसे स्टार खिलाड़ियों को भी कोचिंग देंगे। इस समय 41 वर्षीय क्रिस्टियानो रोनाल्डो पुर्तगाल की ओर से फीफा विश्व कप 2026 में खेल रहे हैं। उन्होंने क्रोएशिया के खिलाफ राउंड ऑफ 32 मुकाबले में पेनल्टी के जरिए बराबरी का गोल दागा था। हालांकि बाद में उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया और गोंकालो रामोस ने विजयी गोल कर टीम को बढ़त दिलाई।

विश्व कप से पहले भारत ने दिया बड़ा संदेश

फुल्टन बोले- गेम प्लान पर टिके रहे तो जीत हमारी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। एफआईएच प्रो लीग में कुल मिलाकर निराशाजनक अभियान के बावजूद आखिरी चरण में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन कर अपने इरादे साफ कर दिए। जर्मनी और नीदरलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद मुख्य कोच क्रेग फुल्टन का मानना है कि अगर टीम अपने गेम प्लान पर कायम रही तो दुनिया की किसी भी टीम को मात दे सकती है।

जर्मनी और नीदरलैंड पर जीत से बढ़ा टीम का आत्मविश्वास?

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि प्रो लीग के दौरान टीम का आत्मविश्वास लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जर्मनी और नीदरलैंड जैसी शीर्ष टीमों पर जीत और इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले ने साबित कर दिया कि भारतीय टीम अपने गेम प्लान पर अमल करे तो किसी भी टीम को चुनौती देने और हराने की क्षमता रखती है। उन्होंने इसे विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले अच्छा संकेत बताया, हालांकि प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की जरूरत भी बताई।

टीम दबाव में पहले से ज्यादा मजबूत हुई

फुल्टन ने कहा कि टीम ने दबाव की परिस्थितियों में संयम बनाए रखा, अलग-अलग टीमों की खेल शैली के अनुसार खुद को ढाला और करीबी मुकाबलों में जीत हासिल की। उनके अनुसार यही अनुभव विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम के काम आएगा और टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

प्रो लीग भारत के लिए मुश्किल रही थी

राउरकेला में खेले गए घरेलू चरण में भारत को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद होबार्ट चरण में टीम ने सुधार के संकेत दिए। स्पेन से शुरुआती हार के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला, हालांकि दोनों मुकाबलों के शूटआउट में हार मिली। अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी के बाद भारत ने शूटआउट 3-1 से जीत लिया।यूरोप चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा। रॉटरडैम में भारत ने जर्मनी को 3-1 और नीदरलैंड को 3-2 से हराया। दुनिया की दो मजबूत रक्षात्मक टीमों के खिलाफ भारत ने चार मैचों में नौ गोल किए, जिनमें पांच फील्ड गोल और चार पेनल्टी कॉर्नर से आए। इसके बाद लंदन में पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ चारों मुकाबलों में भारत निर्धारित समय तक अपराजित रहा।

हरमनप्रीत सिंह ने भी जताया भरोसा

होबार्ट चरण से बाहर रहने के बाद टीम की कप्तानी संभालने लौटे हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों को हराना हमेशा खास होता है और इससे पता चलता है कि टीम की मेहनत रंग ला रही है। उन्होंने कहा कि विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी में टीम इन सकारात्मक पहलुओं को साथ लेकर आगे बढ़ेगी।

नोवाक जोकोविच ने रचा इतिहास

जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की

नई दिल्ली, एजेंसी। सात बार के विंबलडन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने तीसरे दौर में फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेच को कड़े मुकाबले में 7-5, 6-4, 1-6, 7-6(4) से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल (चौथे दौर) में जगह बना ली। इस जीत के साथ जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

फेडरर की बराबरी, अब सिर्फ एक खिलाड़ी आगे

39 वर्षीय सर्बियाई दिग्गज अब विंबलडन में पुरुष एकल के इतिहास में सबसे ज्यादा 105 मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोजर फेडरर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। पूरे इतिहास में उनसे आगे सिर्फ महिला टेनिस की दिग्गज मार्टिना नवरातिलोवा हैं, जिन्होंने विंबलडन में 120 एकल मुकाबले जीते हैं।

जोकोविच बोले- इतिहास बनाना मेरे लिए सम्मान की बात

जीत के बाद जोकोविच ने कहा कि इस खेल में इतिहास रचना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, 'इस खेल में इतिहास बनाना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और सौभाग्य है। खासकर विंबलडन में, क्योंकि बचपन से यही मेरा सपना रहा है। मैं 105 या 106 जीत के बारे में नहीं सोच रहा, मेरा पूरा ध्यान हर मैच जीतने पर है।'उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'आज मैं सामान्य से ज्यादा दबाव में था। मुझे पता था कि मुकाबला आसान नहीं होगा। मैं खुश हूं कि इसे जीत पाया। अब मैं चाहता हूं कि 106वीं जीत के लिए मेरा मुकाबला रोजर फेडरर से ही हो जाए।'

रिंदरकनेच ने दी कड़ी टक्कर

दूसरे दौर में स्टेफानोस सित्सिपास को सीधे सेटों में हराने वाले जोकोविच इस बार अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नजर नहीं आए। फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेच ने पहले दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए तीसरा सेट 6-1 से अपने नाम किया। चौथे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी और रोमांचक रैलियां देखने को मिलीं। रिंदरकनेच ने कई शानदार सर्विस और वॉली से दर्शकों को प्रभावित किया, लेकिन टाई-ब्रेक में जोकोविच के अनुभव ने बाजी पलट दी।

अब चौथे दौर में रोमन सफियुलिन से मुकाबला

अब जोकोविच का सामना चौथे दौर में क्वालिफायर रोमन सफियुलिन से होगा। सफियुलिन ने तीसरे दौर में ब्राजील के जोआओ फोन्सेका को 6-3, 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। चोटों से जूझने वाले सफियुलिन ने इस साल विंबलडन से पहले टूर स्तर पर एक भी मैच नहीं जीता था।

विंबलडन में सबसे ज्यादा एकल मैच जीत

मार्टिना नवरातिलोवा	120 जीत
रोजर फेडरर	105 जीत
नोवाक जोकोविच	105 जीत

बेंगलुरु में आंध्र प्रदेश के छात्र की नृशंस हत्या : बाइक सहित जिंदा जलाया

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के बाहरी इलाके सरजापुर में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां नौकरी की तलाश में आए आंध्र प्रदेश के एक छात्र की निर्मम हत्या कर दी गई। बदमाशों ने 25 वर्षीय युवक वामशी कृष्णा को उसकी बाइक सहित जिंदा जला दिया, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। यह घटना उसके माता-पिता और दोस्तों के लिए गहरे सदमे का कारण बनी है। गुंटूर निवासी वामशी कृष्णा ने हाल ही में बेंगलुरु से अपना डिप्लोमा पूरा किया था और रोजगार की तलाश में था। वह बेंगलुरु इलेक्ट्रॉनिक सिटी के एक पुराने दोस्त के वादे पर यहां आया था, जिसने वामशी को नौकरी दिलाने की बात कही थी। हालांकि, यहां पहुंचने पर उस दोस्त का मोबाइल फोन बंद मिला। परेशान वामशी ने शाम करीब 4 :45 बजे सरजापुर में अपने दोस्त को आखिरी बार फोन किया था। इसके बाद, शाम 6ः15 बजे के आसपास यह भयानक घटना हुई। एक वाहन चालक ने सड़क किनारे जलते हुए कुछ देखा और तुरंत सरजापुर पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम जब मौके पर पहुंची, तब उन्हें युवक का बुरी तरह जला हुआ शव और उसकी बाइक मिली। बदमाशों ने पेट्रोल डालकर वामशी और उसकी बाइक को आग के हवाले किया और फिर मौके से फरार हो गए। शव का पिछला हिस्सा नहीं जला था, जबकि छाती का ऊपरी हिस्सा बुरी तरह जला हुआ पाया गया, जिससे कई संदेह पैदा हो रहे हैं। बेंगलुरु ग्रामीण जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वेंकटेश प्रसन्ना ने घटनास्थल का दौरा किया। हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने और सबूत इकट्ठा करने के लिए विशेषज्ञों की टीम और डॉग स्क्वाड को भी मौके पर बुलाया गया है। फिलहाल, सरजापुर पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और पुलिस हत्यारों की तलाश में गहन जांच कर रही है।

ऋषिकेश में पहली बारिश बनी आफत, जलभराव ने खोली व्यवस्था की पोल

देहरादून (एजेंसी)। मॉनसून की पहली तेज बारिश ने जहां ऋषिकेश को भीषण गर्मी से राहत पहुंचाई, वहीं नगर निगम की लचर व्यवस्थाओं की पोल भी खोल दी। कुछ ही घंटों की बरसात ने शहर के प्रमुख इलाकों को जलमग्न कर दिया, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। सुबह दफ्तर जाने वाले कर्मचारी, स्कूल-कॉलेज के छात्र और रोजमर्रा के काम से निकलने वाले लोगों को जलभराव के कारण भारी परेशानी झेलनी पड़ी। कई सड़कों पर पानी इतना अधिक जमा हो गया कि गड्ढे और सड़क में फर्क करना मुश्किल था, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ गया। शहर के कई इलाकों में जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने से बारिश का पानी घंटों सड़कों पर जमा रहा, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी हुई और कई जगह लंबा जाम लग गया, जिससे लोगों का काफी समय बर्बाद हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह हर साल की समस्या है, जिस पर प्रशासन कोई स्थायी समाधान नहीं निकाल रहा है। जलभराव के कारण कई बाजारों में भी पानी भर गया, जिससे दुकानदारों को नुकसान की आशंका सताने लगी है। नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि आने वाले दिनों में लगातार बारिश होती रही, तो हालात और भी गंभीर हो सकते हैं।

मोबाइल विवाद में नाबालिग छात्रा ने की आत्महत्या

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के बालासोर जिले से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां ?पिछले दिन मोबाइल फोन के एक मामूली विवाद ने एक नाबालिग लड़की की जान ले ली। गागापाल गांव में रुनू नायक (16) नाम की छात्रा ने अपने परिवार द्वारा मोबाइल छीनकर तोड़े जाने से आहत होकर कीटनाशक पी लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। यह घटना आधुनिक दौर में मोबाइल की लत के खतरनाक परिणामों पर गंभीर सवाल खड़े करती है। जानकारी के अनुसार रुनू अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थी। उसकी इस लत से परेशान होकर मां और मामा ने उसे फोन वापस देने को कहा, लेकिन रुनू ने साफ इनकार कर दिया। बात इतनी बढ़ी कि परिवार के सदस्यों ने गुस्से में आकर उसके हाथ से फोन छीनकर तोड़ दिया। अपना पसंदीदा फोन टूटता देख रुनू इतनी आहत और क्रोधित हुई कि उसने खुद को कमरे में बंद कर लिया और वहां रखा कीटनाशक गटक लिया। जब परिवार को अनहोनी का आभास हुआ तो उन्होंने आनन-फानन में दरवाजा तोड़कर रुनू को बेहोशी की हालत में पड़ोसी जिले मयूरभंज के उदाला मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। हालांकि, तब तक बहुत देर हो चुकी थी और डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बताया कि रुनू लंबे समय से मोबाइल का अत्यधिक इस्तेमाल कर रही थी और उसकी लत रोकने की कोशिश में यह दुखद घटना घटित हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिसने उड़ा दी सीबीएसई की नींद, उस हैकर की मंत्री ने की तारीफ

कोलकाता (एजेंसी)। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने बंगाल के युवा एथिकल हैकर निसर्ग अधिकारी की जमकर सराहना की है। निसर्ग वही प्रतिभाशाली छात्र हैं, जिसने हाल ही में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की वेबसाइट में ऑनलाइन मार्किंग सिस्टम की सुरक्षा खामियों को उजागर कर दिया था। कोलकाता में इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित एजुकेशन फॉर विकसित भारत कॉन्क्लेव में मजूमदार ने निसर्ग की इस उपलब्धि को बंगाल का टैलेंट बताया और कहा कि यह एक 10वीं पास छात्र की असाधारण विशेषज्ञता का प्रमाण है। मंत्री ने बताया कि सरकार ने निसर्ग की प्रतिभा को सही दिशा दी और उसे आईआईटी-कानपुर के साइबर सिक्योरिटी सेंटर से जोड़ा, जहाँ अब वह थ्रेट इंटेलिजेंस इंजीनियर के तौर पर काम कर रहे हैं। मजूमदार ने कहा कि निसर्ग चाहते तो किसी विरोध-प्रदर्शन का हिस्सा बन सकते थे, लेकिन सरकार ने उन्हें सीखने और देश के विकास में योगदान देने का एक बेहतर मंच प्रदान किया। निसर्ग अधिकारी तब चर्चा में आए थे जब सीबीएसई ने 12वीं के नतीजे घोषित किए थे और नए ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम का उपयोग किया था। देश भर से सैकड़ों छात्रों ने आंसर शीट धुंधली होने, पन्ने गायब होने और फिजिकल व डिजिटल कॉपी में अंतर होने की शिकायतें की थीं। इसके बाद निसर्ग ने सीबीएसई पोर्टल के सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कोड की जांच की और उसमें कई सिक्योरिटी कमजोरियों का पता लगाया, जिससे छात्रों की शिकायतों की पुष्टि हुई। उनके इस असाधारण कौशल को देखते हुए ही पिछले महीने उन्हें आईआईटी-कानपुर में नौकरी मिली। मंत्री ने निसर्ग के माता-पिता के हवाले से बताया कि वे भी अपने बेटे की क्षमताओं से हैरान थे और उसे नियंत्रित नहीं कर सकते थे, जो उत्तर बंगाल के एक बहुत ही छोटे से शहर से आता है।

असम को अब ध्रुवीकरण की जरूरत नहीं

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने किया बड़ा दावा और कहा... लोगों का आत्मविश्वास लौटा, कानून-व्यवस्था मजबूत हुई

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य की राजनीति और सामाजिक माहौल को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि असम के मूल निवासियों में आत्मविश्वास जगाने के लिए राज्य को एक ध्रुवीकरण करने वाले नेतृत्व की जरूरत थी और उन्होंने स्वयं उस भूमिका को निभाया। सरमा का दावा है कि अब राज्य में लोगों का भरोसा मजबूत हो चुका है और इसलिए आगे ध्रुवीकरण की आवश्यकता नहीं रह गई है।

मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि पहले असम के लोगों को लगता था कि उनके हितों की रक्षा करने वाला कोई मजबूत नेतृत्व नहीं है। उन्होंने कहा कि अब स्थिति बदल चुकी है और लोगों को विश्वास हो गया है कि राज्य सरकार किसी एक समुदाय का पक्ष लेने के बजाय कानून के अनुसार शासन कर रही है। उनके अनुसार, अब कोई भी असमिया समाज को आसानी से चुनौती नहीं दे सकता और कानून-व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक मजबूत हुई है। सीएम सरमा ने कहा, मुझे नहीं लगता कि अब असम में ध्रुवीकरण की आवश्यकता है। मैंने उस खतरे को नियंत्रित कर लिया है। अब कोई भी असमिया लोगों पर उंगली नहीं उठा सकता। अब कोई मंदिरों की जमीन पर कब्जा करने या किसी लड़की को उसकी सहमति के बिना ले जाने की हिम्मत नहीं करता। जब सभी लोग कानून का पालन करने लगते हैं तो रोज इस विषय पर बोलने की जरूरत नहीं रहती।

एक बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री सरमा ने यह भी कहा कि असमिया मुसलमानों सहित राज्य के मूल निवासियों में अपने भविष्य को लेकर पहले असुरक्षा की भावना थी। उनका कहना था कि लोगों को ऐसे नेतृत्व की जरूरत थी जो उनके अधिकारों और हितों के पक्ष में खुलकर बोले। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार बनने के बाद लोगों का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब वे स्वयं को अधिक सशक्त महसूस करते हैं। इस दौरान हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस और उसके वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस अपनी पारंपरिक मध्यमार्गी राजनीति से हटकर वामपंथी विचारधारा और जाति आधारित राजनीति की ओर बढ़ गई है। सरमा ने कहा कि कांग्रेस में अपने 22 वर्षों के राजनीतिक जीवन के दौरान उन्होंने कभी जाति आधारित राजनीति या इस प्रकार की कार्यशैली नहीं देखी थी। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पहले एक संतुलित और मध्यमार्गी दल थी, लेकिन अब उसकी वैचारिक दिशा बदल चुकी है।

उपमुख्यमंत्री शिंदे की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर है और विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी के चलते उन्होंने अपने सभी निर्धारित सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से लगातार राजनीतिक व्यस्तताओं और विधानमंडल के चल रहे अधिवेशन के कारण एकनाथ शिंदे पर काम का अत्यधिक दबाव था। इसी दौरान उन्हें बुखार और कमजोरी महसूस होने लगी। इसके बावजूद उन्होंने कुछ निर्धारित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए ठाणे का दौरा किया, लेकिन स्वास्थ्य अधिक खराब होने पर उन्हें कार्यक्रम बीच में ही रद्द करने पड़े। मीडिया रिपोट्स के मुताबिक, डॉक्टरों ने प्रारंभिक जांच के बाद शिंदे को घर पर आराम करने के बजाय अस्पताल में भर्ती होकर उपचार कराने की सलाह दी। इसके बाद शुक्रवार देर रात उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों का कहना है कि अत्यधिक थकान, वायरल बुखार और कमजोरी के कारण उनकी तबीयत प्रभावित हुई है। हालांकि, उनकी हालत नियंत्रण में है और चिंता की कोई बात नहीं है। शिंदे की अस्वस्थता का असर राजनीतिक कार्यक्रमों पर भी पड़ा। ठाणे के गंगूबाई शिंदे हॉल में शुक्रवार को धुले से शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की उपनेत्री शुभांगी पाटिल के पार्टी प्रवेश का कार्यक्रम प्रस्तावित था। उपमुख्यमंत्री की तबीयत खराब होने के कारण इस कार्यक्रम का समय बदलना पड़ा। बाद में देर रात करीब दो बजे कल्याण से सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की मौजूदगी में शुभांगी पाटिल ने शिवसेना में प्रवेश किया।

बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए हजारों श्रद्धालु पवित्र गुफा की ओर अग्रसर

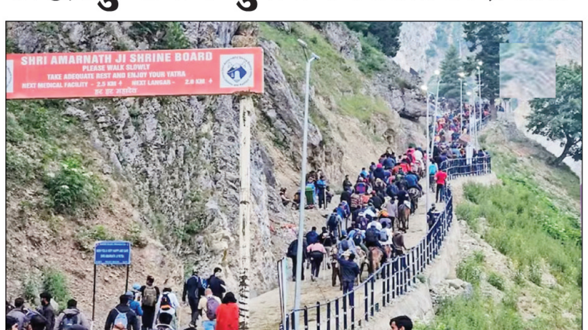

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा 2026 अपने शुभारंभ के बाद पूरी भव्यता के साथ जारी है। बाबा बर्फानी के दर्शनों के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पवित्र गुफा की ओर बढ़ रहे हैं। इसी कड़ी में, तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था शनिवार को बालटाल और पहलगाम स्थित दो बेस कैंपों की ओर सुरक्षित रूप से रामबन जिले में पहुंचा। कड़ी सुरक्षा के बीच गुज़र रहे काफिले के लिए रामबन प्रशासन ने सुचारु ट्रैफिक प्रबंधन, साफ-सफाई, चिकित्सा सहायता और अन्य ज़रूरी सुविधाओं का पुख्ता इंतज़ाम किया था, ताकि यात्रा निर्बाध रूप से चालू रह सके।

इसके पहले, यात्रा के दूसरे दिन 3,865 श्रद्धालुओं के दूसरे जत्थे को भगवती नगर बेस कैम्प, जम्मू से बालटाल और पहलगाम के लिए रवाना किया गया था। यह जत्था सुरक्षा के बीच दो अलग-अलग काफिलों में निकला। बालटाल मार्ग के लिए 1,735 तीर्थयात्री तड़के 3ः13 बजे रवाना हुए, जबकि पहलगाम मार्ग की ओर जाने वाले 2,130 तीर्थयात्री 3ः38 बजे निकले। इस जत्थे में 2,965 पुरुष, 618 महिलाएं, 230 साधु, 48 साध्वियां और 4 बच्चे शामिल थे, जो कुल 201 वाहनों 83 बसें, 14 मीडियम मोटर वाहन और 104 लाइट मोटर वाहन में यात्रा कर रहे थे।

वहीं, शुक्रवार को ही, दक्षिण कश्मीर में स्थित बालटाल व पहलगाम-नुनवान बेस कैम्पों से अमरनाथ यात्रियों के पहले जत्थे को तड़के रवाना किया गया। बीच-बीच में बारिश के बावजूद, पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम रूट और छोटे 14 किलोमीटर लंबे बालटाल रूट, दोनों से सुबह-सुबह यात्रा का श्रीगणेश हुआ। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को दूसरे जत्थे के रवाना होने तक, पिछले दो दिनों में कुल 8,687 तीर्थयात्री वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से कश्मीर घाटी के लिए निकल चुके हैं। यह 57 दिवसीय पवित्र तीर्थयात्रा 28 अगस्त को समाप्त होगी।

चन्नी पर भारी पड़ा हाईकमान का फैसला

पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर बढ़ी हलचल, ऑब्जर्वर पैनल की सिफारिश भी नहीं आई काम

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चाओं के बीच पार्टी हाईकमान के फैसले ने नई राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। सूत्रों के अनुसार, पंजाब की राजनीतिक स्थिति का आकलन करने के लिए गठित कांग्रेस के तीन सदस्यीय ऑब्जर्वर पैनल ने पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाने की सिफारिश की थी। इसके बावजूद पार्टी नेतृत्व ने मौजूदा अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग को उनके पद पर बरकरार रखने का फैसला किया, जिससे संगठन के एक वर्ग में नाराजगी देखी जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, अजय माकन, मीनाक्षी नटराजन और भजन लाल जाटव की सदस्यता वाली समिति ने पंजाब के करीब 67 वरिष्ठ नेताओं से अलग-अलग मुलाकात कर उनकी राय जानी। इस दौरान कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्यों, पूर्व मंत्रियों, विधायकों, सांसदों, जिला कांग्रेस अध्यक्षों तथा वरिष्ठ नेता अंबिका सोनी सहित कई नेताओं से विस्तार से चर्चा की गई। नेताओं से विशेष रूप से पूछा गया कि क्या प्रदेश संगठन के नेतृत्व में बदलाव की आवश्यकता है। सूत्रों की मानें तो अधिकांश नेताओं ने पिछले साढ़े चार वर्षों से प्रदेश अध्यक्ष रहे राजा वड़िंग के कामकाज पर असंतोष व्यक्त करते हुए चन्नी को संगठन की कमान सौंपने की वकालत की। समिति ने नेताओं की राय को अपनी रिपोर्ट में शामिल करते हुए चन्नी को राज्य में कांग्रेस का सबसे लोकप्रिय चेहरा बताया। इससे चन्नी समर्थकों को नेतृत्व परिवर्तन की पूरी उम्मीद थी। हालांकि, कांग्रेस हाईकमान ने नेतृत्व में बदलाव के बजाय यथास्थिति बनाए रखने का निर्णय लिया। राजा वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष बनाए रखा गया, जबकि चरणजीत सिंह चन्नी को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस फैसले के बाद पार्टी के कुछ नेताओं ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि नेतृत्व बदलने का इरादा नहीं था तो व्यापक स्तर पर रायशुमारी कराने का औचित्य क्या था।

वहीं, पार्टी के भीतर एक अन्य धड़ा हाईकमान के फैसले का समर्थन करता नजर आ रहा है। इस वर्ग का मानना है कि चन्नी लोकप्रिय नेता जरूर हैं, लेकिन संगठन और विधायकों के बीच उनकी वास्तविक पकड़ को लेकर अभी भी सवाल बने हुए हैं। ऐसे में आगामी चुनावी तैयारियों के दौरान यह स्पष्ट होगा कि पंजाब कांग्रेस इस फैसले के बाद कितनी एकजुट रह पाती है और आंतरिक असंतोष का पार्टी के प्रदर्शन पर क्या असर पड़ता है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर भड़के महंत, बोले- दोषियों को सीधे फांसी दे दो

अयोध्या (एजेंसी)। नवनिर्मित भव्य राम मंदिर में रामलला के चरणों में आने वाले चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मामले ने अब एक गंभीर मोड़ ले लिया है। इस मामले पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य और प्रतिष्ठित महंत दिनेंद्र दास महाराज ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया है। उन्होंने दोषियों के लिए सबसे कड़ी सजा की मांग करते हुए दोटूक शब्दों में कहा कि भगवान के घर में इस तरह का अपराध करने वालों को सीधे फांसी पर लटका दिया जाना चाहिए। यह बयान इस बात को दर्शाता है कि धार्मिक संस्थाओं में वित्तीय अनियमितता को कितना गंभीर अपराध माना जाता है, खासकर एक ऐसे मंदिर में जो करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है।

इस बीच, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने इस मामले में अपनी जांच तेज कर दी है। एसआईटी ने मुख्य आरोपी अविनाश शुक्ला को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी है, ताकि वित्तीय हेरफेर के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके और गबन किए गए धन की रिकवरी की जा सके। एसआईटी की टीम राम मंदिर परिसर में पहुंचकर क्राइम सीन रीक्रिएट कर रही है, जो यह समझने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है कि चोरी कैसे और किन परिस्थितियों में हुई। महंत दिनेंद्र दास महाराज ने जांच की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया है और उन्हें भरोसा है कि स्थानीय प्रशासन पूरी ताकत से काम कर रहा है और गबन की गई राशि को पूरी तरह से वसूल लिया जाएगा। उन्होंने कहा, रामलला के यहां जांच चल रही है वो सरकार की देखरेख में हो रही है। जो चोर हैं वो जेल में पहुंच गए हैं। चोरी कम हो या ज्यादा, चोरी तो चोरी है। शासन पूरी तरह जांच कर रहा हैं। चोर अपनेआप जेल में पहुंच जाएगा। जिन्होंने रामलला के यहां ये काम किया है उन्हें फांसी दे देनी चाहिए। इस कथित चोरी ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी एक बड़ा भूचाल ला दिया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडे ने इस घटना को बेहद हैरान करने वाला बताया है और राज्य सरकार के सुरक्षा दावों पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने तर्क दिया कि चोरों और माफियाओं को खत्म करने का दावा करने वाली सरकार देश के सबसे हाई-प्रोफाइल मंदिर के चढ़ावे को सुरक्षित रखने में नाकाम रही। यह आरोप सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है, खासकर जब मंदिर का उद्घाटन हाल ही में हुआ है और यह लगातार सुर्खियों में है। विपक्ष के इन तीखे हमलों पर पलटवार करते हुए, शिवसेना नेता शाइना एनसी ने मंदिर प्रशासन का खुलकर बचाव किया। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आस्था का एक पवित्र केंद्र है, न कि कोई व्यावसायिक संस्था। शाइना एनसी ने जोर देकर कहा, लोगों ने जो दान दिया है, वह पब्लिक डोमेन में है।

राजभर का अखिलेश पर वार: सपा यादववादी, बहुजन सम्मान की लड़ाई जारी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में पीडीए और पिछड़ा-दलित विमर्श पर चल रही जुबानी जंग के बीच, कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव पर तीखा निशाना साधकर उनकी पार्टी को वाईपी यानी यादववादी पार्टी करार दिया है। योगी सरकार में मंत्री राजभर ने आरोप लगाया कि सपा शासन और संगठन में बहुजन और अति पिछड़ी जातियों के साथ वर्षों से भेदभाव और उत्पीड़न होता रहा है। सुभासपा मुखिया राजभर ने स्पष्ट किया कि दलितों और पिछड़ों के सम्मान की लड़ाई में उन्हें चाहे जितनी भी गालियां क्यों न सहनी पड़ें, वे पीछे नहीं हटने वाले है। उन्होंने सार्वजनिक मंचों पर गाली-गलौज की भाषा को अनुचित बताकर सपा प्रमुख के चाचा शिवपाल सिंह यादव पर भी कटाक्ष किया। राजभर ने कहा कि अखिलेश ने ही शिवपाल को यादवनीति की गलत घुट्टी पिलाई है। एक्स पर पोस्ट कर राजभर ने आरोप लगाया कि अखिलेश की यादववादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पाल, प्रजापति, बिंद, केवट, मल्लाह, राजभर, निषाद, मांझी, दर्जी, तेली, लोनिया, फकीर और बंजारा जैसी बहुजन जातियों के सम्मान को सदियों से दबाया है। उन्होंने पीडीए का अपना अर्थ बताकर कहा कि गांवों में अखिलेश के स्वजातीय, बहुजन महिलाओं और पुरुषों के साथ पीट देगा अहीर जैसा व्यवहार करते आए हैं। राजभर ने अखिलेश को चुनौती देकर कहा, जितना मन हो हमें गाली दिलवा लीजिए, पिटवा लीजिएज्पर हम हार नहीं मानने वाले है। हम गाली और लाठी खा लेने वाले हैं, लेकिन अपना हिसाब जरूर करने वाले है। उन्होंने मेरठ में दलित-पिछड़ों के अपमान और पूर्व मंत्री प्रभु दयाल वाल्मीकि जैसे नेताओं के हक की बात उठाकर कहा कि इन मुद्दों पर आवाज उठाना बंद नहीं करने वाले हैं, भले ही इसके लिए उन्हें गालियां मिलती रहें। उन्होंने अखिलेश को अपने चाचा शिवपाल को भजन सिखाने की सलाह भी दी, क्योंकि गाली-गलौज की भाषा उनकी उम्र के हिसाब से ठीक नहीं है।

राहुल गांधी धृतराष्ट्र, जीतू पटवारी दुर्योधन : कांग्रेस नेता यादव ने पार्टी छोड़ी

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश कांग्रेस के पूर्व महासचिव राकेश सिंह यादव ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इंदौर में एक प्रेसवार्ता में अपने इस्तीफे की घोषणा कर यादव ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर तीखा हमला बोलकर कहा कि वे इस पद के लायक नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पटवारी ने पार्टी को कमजोर किया है और प्रदेश कांग्रेस में संगठनात्मक पद पैसे के बदले मिल रहे थे।

यादव ने बताया कि उन्हें हाल ही में मौन सत्याग्रह के दौरान मीडिया डिबेट में शामिल होने के लिए नोटिस भेजा गया था। पार्टी ने सभी पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री मोहन यादव पर 500 करोड़ रुपये के ट्रस्ट घोटाले के आरोपों पर चुप्पी साधने का निर्देश दिया था। राकेश सिंह यादव ने दावा किया कि उन्हें बताया गया था कि पटवारी ने ऐसी किसी भी बहस पर रोक लगा दी थी, और इसका मतलब है कि मुख्यमंत्री यादव पर उनके आरोप झूठे थे क्योंकि उनके पास कोई सबूत या दस्तावेज नहीं थे।

कांग्रेस के पूर्व नेता ने पटवारी पर राज्य इकाई का नेतृत्व करने की क्षमता न होने का आरोप लगाया। उन्होंने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व पर भी निशाना साधकर कहा कि उन्होंने मध्य प्रदेश इकाई के कामकाज को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कई पत्र लिखे थे, लेकिन कभी कोई जवाब नहीं मिला। नाराज नेता यादव ने आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को इस बारे में पता है लेकिन वह दखल नहीं देते। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह आंखों पर पट्टी बांधे धृतराष्ट्र की तरह हैं और उन्होंने जीतू पटवारी जैसे दुर्योधन पैदा किए हैं।

अपने इस्तीफे पर उन्होंने कहा कि उन्होंने मीडिया के सामने सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा कर दी है। लेकिन जब यादव से भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने के बारे में पूछने पर यादव ने कहा कि फिलहाल उनकी किसी भी पार्टी से कोई बातचीत नहीं हुई है, लेकिन अगर उन्हें कोई ऐसा मौका मिलता है, तब मैं उस पर विचार करुंगा।

बसों में भीषण आग के हादसों में जा रही यात्रियों की जान, क्यों हो रही ऐसी घटनाएं?

-विशेषज्ञों ने कहा- बसों में इमरजेंसी एग्जिट, आपातकालीन खिड़की, विंडो हैमर जरुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे हुए भीषण बस हादसे ने एक बार फिर लंबी दूरी की यात्री बसों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हरिद्वार से इंदौर जा रही एक स्लीपर बस ट्रक से टकराने के बाद आग की चपेट में आ गई। हादसे के समय बस में करीब 37 यात्री सवार थे। दुर्घटना में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 22 यात्री घायल हुए हैं। यह घटना देर रात हुई। टक्कर के बाद बस में आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरी बस जलकर खाक हो गई। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। पिछले कुछ महीनों में देश के कई राज्यों में बसों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं। अक्टूबर 2025 में राजस्थान के जैसलमेर में विद्युत प्रणाली में खराबी के कारण बस में आग लगने से 22 लोगों की मौत हो गई थी। इसी महीने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में बाइक से टक्कर के बाद बस में भीषण आग लग गई, जिसमें कई यात्रियों की जान चली गई। मार्च 2026 में आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम में बस और टिप्पर की टक्कर के बाद लगी आग में भी कई लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने यात्री सुरक्षा से जुड़े मानकों की प्रभावशीलता पर गंभीर बहस छेड़ दी है।

विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसे हादसों के पीछे इलेक्ट्रिकल शॉर्ट सर्किट, इंजन का अत्यधिक गर्म होना, आपातकालीन दरवाजों का समय पर न खुलना और बसों के अंदर ज्वलनशील सामग्री का उपयोग प्रमुख कारणों में शामिल हैं। उनका मानना है कि यदि आधुनिक सुरक्षा तकनीकों को अनिवार्य किया जाए तो ऐसी घटनाओं में जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

सुरक्षा विशेषज्ञों का सुझाव है कि विशेष रूप से निजी इंटरसिटी स्लीपर बसों में ऑटोमैटिक फायर डिटेक्शन और फायर सप्रेशन सिस्टम अनिवार्य किए जाने चाहिए। इंजन, बैटरी और इलेक्ट्रिकल सिस्टम में आग लगते ही यह तकनीक शुरुआती स्तर पर आग पर काबू पाने में मदद कर सकती है। इसके अलावा बसों के इंटीरियर में फ्लेम-रिटार्डेंट यानी आग के प्रसार को रोकने वाली सामग्री का इस्तेमाल भी जरूरी माना जा रहा है।

विशेषज्ञों ने कहा कि बसों में इमरजेंसी एग्जिट, आपातकालीन खिड़कियों और विंडो हैमर की स्पष्ट पहचान होनी चाहिए। यात्रा शुरू होने से पहले यात्रियों को सुरक्षा संबंधी संक्षिप्त जानकारी देना भी जरुरी है। बसों के दरवाजों की नियमित जांच, चालक दल को अग्निशमन प्रशिक्षण, निर्धारित गति सीमा का पालन और एक्सप्रेसवे पर रात के समय लंबी दूरी की बसों की सख्त निगरानी जैसी व्यवस्थाएं भी हादसों की गंभीरता कम कर सकती हैं। सड़क परिवहन व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए सरकार, परिवहन विभाग और बस संचालकों को मिलकर व्यापक और स्थायी सुधार लागू करने होंगे, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**